www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | संपर्क : deshbandhubpl1@gmail.com

देशबन्धु

वर्ष – 36 I अंक –162 I भोपाल, शुक्रवार, 13 जून 2025 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

बैंकों की योजनाओं का भरपूर प्रचार कर बढ़ाएं रोजगार के अवसर : कलेक्टर पृष्ठ 2

भारत को चाहिए संदेह से परे एक चुनाव आयोग
'मुट्ठी' में शीतलपेय पृष्ठ 4

किसान की मौत से गुस्साए परिजन, शव लेकर पहुंचे एसडीएम कार्यालय पृष्ठ 6

ऊर्जादाता बनेंगे मध्यप्रदेश के किसान पृष्ठ 8

धधकती चिता बना विमान

242 यात्री थे सवार, एक जिंदा बचा

अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरते ही हादसे का शिकार हुआ एयर इंडिया का 787-7 बोईंग विमान

डॉक्टर्स हॉस्टल पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ विमान

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हो गया। इसमें 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग सवार थे। अब तक हादसे में केवल एक के बचने की बात आई है। बाकी सभी लोगों की मौत हो गई है।

प्लेन की सीट नंबर 11-ए पर बैठे हुए भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक रमेश विश्वास कुमार हादसे में जिंदा बच गए हैं। उनका वीडियो भी सामने आया है। वहीं एक और जिंदा बचा यात्री अस्पताल में भर्ती है। इससे पहले एपी ने कहा था कि विमान में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है। एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई-171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे। हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी निधन हो गया है। प्लेन जिस बिल्डिंग से टकराया, वहां अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल के डॉक्टर्स रहते हैं। जानकारी के मुताबिक हादसे के समय इमारत में 50 से 60 डॉक्टर मौजूद थे, इनमें 15 से ज्यादा घायल हो गए हैं। हादसे की जगह से मिले ज्यादातर शव इतनी बुरी तरह झुलस चुके हैं कि उनकी पहचान करने में बेहद मुश्किल आ रही है। उनकी पहचान डीएनए टेस्ट के बाद ही संभव होगी। दुर्घटना के मद्देनजर, सभी विवरणों के समन्वय के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय में एक परिचालन नियंत्रण कक्ष सक्रिय कर दिया गया है। जिसका नंबर: 011-24610843 7 9650391859 है। डीजीसीए ने बताया कि विमान में दो पायलट और केबिन क्रू के 10 सदस्यों समेत 242 यात्री सवार थे। विमान को कैप्टन सुमीत सभरवाल और फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर उड़ा रहे थे। डीजीसीए ने बताया कि विमान ने अहमदाबाद एयरपोर्ट के रनवे 23 से दोपहर 1 बजकर 38 मिनट पर उड़ान भरी। उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही पायलट ने एटीसी को मेडे की कॉल की थी, लेकिन जब एटीसी ने एयरक्राफ्ट से संपर्क साधने की कोशिश की तो कोई जवाब नहीं मिला।

इतने लोग सवार थे

1. **भारतीय- 169**
2. **ब्रिटेन- 53**
3. **पुर्तगाल-7**
4. **कनाडा- 1**
5. **पायलट, क्रू मेम्बर-12**

बेटी से मिलने जा रहे थे लंदन

हादसे में पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का निधन

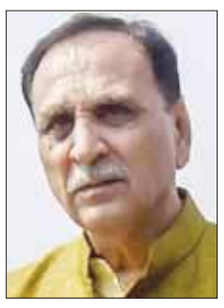

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार को हुए विमान हादसे में भाजपा के वरिष्ठ नेता और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की मौत हो गई। वह 68 वर्ष के थे। वे अपनी बेटी से मिलने लंदन जा रहे थे। एक अनुभवी राजनेता, रूपाणी ने अगस्त 2016 से सितंबर 2021 तक गुजरात के 16वें मुख्यमंत्री के रूप में काम किया। उनके शासन में निवेश, बुनियादी ढांचे और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर जोर दिया गया। विजय रूपाणी का जन्म 2 अगस्त 1956 को रंगून (अब यांगून) में हुआ था। राजनीतिक उथल-पुथल के कारण उनका परिवार गुजरात के राजकोट आ गया। सौराष्ट्र विश्वविद्यालय से उन्होंने बीए और एलएलबी की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद वह आरएसएस और इसके छात्र संगठन एबीवीपी के माध्यम से छात्र राजनीति में सक्रिय हुए। रूपाणी ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत 1987 में राजकोट में नगरसेवक के रूप में की।

सबने कहा- नि:शब्द कर गया हादसा

हृदय विदारक हादसा हम सबके लिए बहुत दर्दनाक है, पूरा देश प्रभावित परिवारों के साथ है।

द्रोपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

यह दर्दनाक हृदय विदारक हादसा शब्दों से परे है। अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध कर दिया।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

दिल तोड़ देने वाला भयावह हादसा है, जिसे व्यक्त करने शब्द नहीं हैं। हम सबकी संवेदनाएं प्रभावितों के साथ हैं।

राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष लोकसभा

दुर्घटना में दिवंगत नागरिकों की आत्मा को प्रभु शांति प्रदान करें।

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश

जाको राखे साइयां.., 625 फीट से गिरकर जीवित बचा शख्स

इस भीषण हादसे में एक व्यक्ति जिंदा बच गया है। अब इसे कुदरत का करिश्मा ही कहें कि जाको रखे साईयां मार सके न कोई ...। फ्लाइट रडार के आंकड़ों के अनुसार 625 फीट की ऊंचाई पर पहुंचने के बाद विमान हादसे का शिकार हो गया। लेकिन इस हादसे में एक शख्स जिंदा भी बच गया है। अहमदाबाद के पुलिस कमिश्नर जीएस मलिक ने कहा है कि पुलिस को सीट 11ए पर एक जीवित व्यक्ति मिला। व्यक्ति अस्पताल में पाया गया है और उसका इलाज चल रहा है। अभी तक मौतों की संख्या के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि विमान आवासीय क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। जिंदा बचे शख्स का नाम रमेश विश्वास कुमार बताया जा रहा है। विश्वास का अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है।

इसी विमान में दिल्ली से आए युवक ने की थी तकनीकी गड़बड़ी की शिकायत

एयर इंडिया की इसी फ्लाइट दिल्ली से बैठकर आए एक युवक ने तकनीकि गड़बड़ी की शिकायत की थी। इस शख्स ने अपना नाम आकाश वत्स बताया है। उसने दावा किया है कि फ्लाइट के दौरान ही उसने विमान में तकनीकी दिक्कतों को लेकर शिकायत की थी। एक्स पर एक पोस्ट में आकाश वत्स नाम के इस शख्स ने दावा किया कि सफर के दौरान उसने कुछ अजीब चीजें महसूस कीं। उन्होंने कहा, कि मैं अहमदाबाद में उतरने से पहले उसी फ्लाइट में 2 घंटे तक था। मैं दिल्ली से चढ़ा था। वत्स ने अपने सफर से जुड़े कुछ वीडियो भी पोस्ट किए हैं। इस युवक ने यह भी बताया कि विमान में एसी काम नहीं कर रहे थे, जिसकी वजह से आसपास के यात्री सीट पॉकेट में रखी मैगजीन को हवा करने के लिए इस्तेमाल कर रहे थे। वत्स ने कहा कि फ्लाइट में एसी के साथ टीवी स्क्रीन्स और केबिन क्रू को बुलाने के लिए लगे बटन भी काम नहीं कर रहे थे। उसने एक टीवी चैनल से बातचीत में बताया कि विमान के पायलट ने अहमदाबाद में लैंडिंग के समय टर्बुलेंस का सामना करने की चेतावनी से जुड़ा एलान भी किया था।

अपार असहनीय दुख दे गया हादसा।

डॉ. छात्रावास का मैस जिस पर विमान टकराकर फंसा।

विमान गिरने का घटनास्थल जहां पेड़ भी झुलस गए।

चकनाचूर विमान के पहिए वाला हिस्सा।

हेल्पलाइन नम्बर

♦ एअर इंडिया द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार पैसेंजर हॉटलाइन नंबर 1800 5691 444 ♦नागरिक उड्डयन मंत्रालय में एक परिचालन नियंत्रण कक्ष सक्रिय कर दिया गया है। संपर्क सूत्र 011-24610843 7 9650391859 है।

डॉक्टर दंपती के लिए आखिरी उड़ान साबित हुआ नया सफर

बांसवाड़ा, एजेंसी। राजस्थान के बांसवाड़ा में रहने वाले डॉक्टर दंपति ने अपने 3 बच्चों के साथ अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरी। उनकी आंखों में भविष्य के सुनहरे सपने थे, नए सफर की खुशी थी। विमान में बैठकर उन्होंने सेल्फी ली, जिसमें सभी चहक रहे हैं, लेकिन, यह सफर और सेल्फी आखिरी साबित हुई। जानकारी के अनुसार, बांसवाड़ा की रातीतलाई कॉलोनी में रहने वाले डॉ. जेपी जोशी के बेटे प्रतीक जोशी, बहू डॉ. कौमी और दंपति के तीन बच्चे मिराया, नकुल और प्रद्युत लंदन जाने के लिए विमान में सवार हुए थे। डॉ. प्रतीक उदयपुर के पेसिफिक मेडिकल कॉलेज में पदस्थ थे। कुछ दिन पहले उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। वे लंदन में किसी चिकित्सकीय संस्थान से जुड़ने वाले थे। इसी कारण वे अपनी पत्नी और 3 बच्चों के साथ भारत से लंदन जा रहे थे। लेकिन, विमान हादसे ने उनके सपने ही नहीं पूरा परिवार ही खत्म कर दिया। बांसवाड़ा की मोहन कॉलोनी में रहने वाले डॉ. प्रतीक के मामा डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने बताया कि उनके माता-पिता सुरक्षित हैं। वे उन्हें सी-ऑफ करने के लिए अहमदाबाद गए थे, अभी वहीं ही हैं। उन्होंने बताया कि डॉ. प्रतीक के माता-पिता भी बांसवाड़ा में डॉक्टर हैं। डॉ. जेपी जोशी सोनोग्राफी सेंटर संचालित करते हैं। उनकी पत्नी भी चिकित्सक पद से सेवानिवृत्त हैं।

हॉस्टल के लड़के ने दूसरी मंजिल से कूद कर बचाई जान; चश्मदीद बोले

यात्री विमान हादसे को लेकर चश्मदीद ने बताया कि मैं तब घर पर ही था, जब हमने एक जबरदस्त आवाज सुनी। जब हम बाहर निकले तो हवा में धुएं का जबरदस्त गुबार देखा। जब हम यहां आए तो हर तरफ लाशें और क्रैश हुए प्लेन का मलबा ही बिखरा दिखाई दिया। वहीं अहमदाबाद के सिविल अस्पताल के बाहर खड़ी रमीला नाम की एक महिला ने बताया कि उनका बेटा जब हॉस्टल में खाना खाने गया था, उसी समय यह विमान हादसा हुआ। उन्होंने कहा कि मेरा बेटा सुरक्षित है और मेरी उससे बात हुई है। उसने दूसरी मंजिल से कूदकर अपनी जान बचाई। इसलिए उसे कुछ चोटें आई हैं।

एक अन्य व्यक्ति ने दावा किया कि जिस जगह प्लेन क्रैश हुआ, वहां से उसका दफ्तर 2 सौ मीटर दूर है। उसने बताया कि जैसे ही मैं बाहर निकला, एक तेज आवाज आई और पूरा इलाका धुएं से भर गया। एक सन्नाटा छा गया और फिर हमने देखा कि बड़ी दुर्घटना हुई है। उस व्यक्ति ने कहा कि हम जैसे ही घटनास्थल पर पहुंचे तो वहां काफी मलबा फैला देखा। इलाके में आग और धुआं ही धुआं था। कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। तब हमें पता चला कि विमान के पंख इधर-उधर पड़े हैं और एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया है। हमें हताहतों की जानकारी नहीं है, लेकिन यहां एक बिल्डिंग है, जहां डॉक्टर रहते हैं। इस बीच अस्पताल के बाहर ऐसे भी कई लोग दिखे जो आंखों में आंसू लिए अपने परिजनों को ढूंढ रहे थे।

भारत की एयरलाइनों के कुछ बड़ी विमान दुर्घटनाएं

7 भयावह हवाई दुर्घटनाओं में मारे गए थे सैकड़ों यात्री

- 1 जनवरी 1978 को एयर इंडिया की उड़ान संख्या 855 का बोइंग 747 विमान मुंबई से उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद अरब सागर में गिर गया । विमान के सभी 213 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की मृत्यु हो गई ।
- 23 जून 1985 को टोरंटो से दिल्ली आ रहे एयर इंडिया की उड़ाना संख्या 182 के विमान सम्राट कनिष्क को खालिस्तानी आतंकवादियों ने आयरलैंड तट के पास बम विस्फोट से उड़ा दिया। इस हमले में विमान में सवार सभी 329 लोगों की मौत हो गयी। यह भारत का सबसे घातक विमान हादसा माना जाता है।
- 14 फरवरी 1990 को बेंगलुरु में एयरबस ए320 विमान लैंडिंग के दौरान रनवे से आगे निकलकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया । हादसे में 92 लोगों की मृत्यु हो गई।
- 12 नवम्बर 1996 को हरियाणा के चरखी दादरी में दो विमान हवा में ही टकरा गए थे। इसमें एक विमान सऊदी एयरलाइंस की उड़ान संख्या 763 और दूसरा कज़ाकिस्तान एयरलाइंस की उड़ान संख्या 1907 था। इस हादसे में दोनों विमानों में सवार सभी 349 लोगों की मौत हो गई ।
- 22 मई 2010 को दुबई से मैंगलोर लौट रहे एयर इंडिया एक्सप्रेस का बोइंग 737 विमान के रनवे से फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त होने से 158 लोगों की मौत हो गई।
- 7 अगस्त 2020 को केरल के कोझिकोड एयरपोर्ट पर एयर इंडिया एक्सप्रेस का वंदे भारत मिशन पर गया विमान दुबई से लौट रहा विमान रनवे से फिसल का दो हिस्सों में टूट गया। इस हादसे में 21 लोगों की जान चली गई।
- 17 जुलाई 2000 को अलायंस एयर के विमान के पटना के रिहायशी इलाके में गिरने से 56 यात्रियों की मौत हो गई थी।

जिला स्तरीय सलाहकार एवं समीक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

बैंकों की योजनाओं का भरपूर प्रचार कर बढ़ाएं रोजगार के अवसर : कलेक्टर

ऋण वितरण और एनपीए की स्थिति पर दिया गया प्रस्तुतिकरण

गुना, देशबन्धु। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सलाहकार एवं समीक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक दुबे, आरबीआई एलडीओ नवीन तिवारी, नाबार्ड प्रतिनिधि माणिक मिश्र, मुख्य अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) प्रवीण गुजारे समेत जिले के विभिन्न बैंक शाखा प्रबंधक और संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक की शुरुआत में एलडीएम गुजारे ने जिले में संचालित बैंकों की शाखाएं, एटीएम की संख्या, फाइनेंशियल लिटरेसी केंद्रों की स्थिति सहित वित्तीय व्यवस्था की विस्तृत जानकारी दी। कलेक्टर श्री कन्याल ने बैठक में निर्देश दिए फाइनेंशियल लिटरेसी सेंटर्स में दी जाने वाली प्रशिक्षण सामग्री का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग जागरूक हो सकें और उन्हें रोजगार के अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा प्रशिक्षण मॉड्यूल की जानकारी समय रहते साझा की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि योजनाओं का क्रियान्वयन केवल कागजों तक सीमित न रहकर ज़मीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से हो बैठक में विभिन्न बैंकों और एजेंसियों द्वारा जमा राशि, ऋण वितरण और एनपीए की स्थिति पर प्रेजेंटेशन प्रस्तुत की गई। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, जनधन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना की प्रगति की समीक्षा भी की गई। कलेक्टर श्री कन्याल ने निर्देशित किया जो वित्तीय संस्थाएं आरबीआई से पंजीकृत नहीं हैं, उनके लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तैयार कर संबंधित एजेंसियों को भेजे जाएं। साथ ही सभी बैंकों को कहा ऋण संबंधी नियमों और शर्तों की जानकारी हिंदी भाषा में भी हितग्राहियों को उपलब्ध कराएं, ताकि उन्हें सही और स्पष्ट जानकारी मिल सके। इसके बाद शासन द्वारा प्रायोजित रोजगार मेला, पीएम स्वनिधि और स्वरोजगार योजनाओं की भी विस्तृत जानकारी बैठक में साझा की गई। बैठक के अंत में कलेक्टर श्री कन्याल ने बताया आने वाले समय में गुना जिले में औद्योगिक विकास की कई संभावनाएं हैं, जिससे बैंकिंग क्षेत्र को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने सभी बैंक अधिकारियों से आह्वान किया वे मिलकर काम करें और जनहित में संचालित योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करें।

बाढ़ आपदा प्रबंधन में आपदा मित्रों की अहम भूमिका

गुना, देशबन्धु। जिले में बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारियों की क्रम में आज कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल ने स्थानीय सिंगवासा तालाब पर आयोजित आपदा प्रबंधन अभ्यास का निरीक्षण किया। इस अवसर पर होमगार्ड और एसडीईआरएफ की टीम ने बाढ़ के समय उपयोग में आने वाले विभिन्न उपकरणों का डेमोंस्ट्रेशन प्रस्तुत किया।

डेमो के दौरान पानी में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने की रेस्क्यू प्रक्रिया, बोतल और पीपा राफ्ट जैसे इम्प्रोवाइज्ड साधनों का निर्माण तथा डीप डाइविंग सेट के प्रयोग को जीवंत रूप में दिखाया गया। उपस्थित अधिकारियों द्वारा इस प्रदर्शन की सराहना की गई। कलेक्टर श्री कन्याल ने मौके पर मौजूद टीमों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा, होमगार्ड और एसडीईआरएफ ने पूर्व वर्षों में भी अपनी बहादुरी और तत्परता से कई लोगों की जान बचाई है। इसी तरह आपदा मित्रों की भी भूमिका बहुत अहम है। जिले में लगभग 300 आपदा मित्र हैं जिन्हें इन उपकरणों के उपयोग में दक्ष होना चाहिए।उन्होंने कहा कि कुछ देशों में बच्चों को आपदा प्रबंधन की प्रारंभिक ट्रेनिंग दी जाती है, जिससे आपात स्थिति में वे लोगों की सहायता कर सकें। श्री कन्याल ने उपस्थित दलों से निरंतर अभ्यास करते रहने की अपील की, ताकि किसी भी आपदा के समय त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया दी जा सके। आज इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर डॉ. संजीव खेमरिया, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रमुख सीएमओ सुश्री मंजुषा खत्री, एसडीएम गुना श्रीमती शिवानी पांडे, होमगार्ड कमांडेंट श्री आर.के. पथरोल, प्लाटून कमांडर श्री मनोज भदौरिया व श्रीमती नीतू मावई सहित बड़ी संख्या में होमगार्ड, एसडीआरएफ टीम के सदस्य सहित आपदा मित्र उपस्थित रहे।

सीईओ ने चांचौड़ा और राघौगढ़ की विभागीय कार्यों की समीक्षा कर दिए निर्देश

गुना, देशबन्धु। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गुना अभिषेक दुबे द्वारा आज जनपद पंचायत चांचौड़ा एवं जनपद पंचायत राघौगढ़ में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अन्तर्गत शासकीय की योजनाओं की समीक्षा की गई। सीईओ जिला पंचायत श्री दुबे द्वारा जनपद पंचायत चांचौड़ा में मनरेगा योजनान्तर्गत डगबेल रिचार्ज के कार्यों की समीक्षा की गई। जहां जनपद पंचायत चांचौड़ा के सहायक यंत्री नरेश कुशवाह द्वारा डगबेल रिचार्ज के लक्ष्य 853 के विरुद्ध 420 कार्यों के बिल पोर्टल पर दर्ज किये जा चुके तथा शेष 433 कार्यों के बिलों की एण्ट्री पोर्टल पर शीघ्र ही पूर्ण कर ली जावेगी। वहीं सहायक यंत्री श्री कुशवाह द्वारा बताया गया कि जल गंगा संर्वधन अभियान अन्तर्गत प्रस्तावित खेत तालाब के 384 निर्माण कार्यों में से 121 कार्यों पर मस्टर जारी कर दिये गये हैं, तथा शेष 263 कार्यों पर मस्टर जारी किये जाने की कार्यवाही की जा रही है। सीईओ जिला पंचायत श्री दुबे द्वारा उपस्थित अधिकारी/कर्मचारियों शासन सभी महत?वपूर्ण योजनाओं कार्यों में प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिये गये। इस अवसर पर जनपद पंचायत चांचौड़ा के पंचायत इंस?पेक?टर श्री कदम सिंह मीणा, सहायक यंत्री श्री नरेश कुशवाह, सहायक बृजेन?द्र कुशवाह, सहित जनपद पंचायत का समस्त अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।सीईओ जिला पंचायत श्री दुबे द्वाराजनपद पंचायत राघौगढ़ में मनरेगा योजनान्तर्गत डगबेल रिचार्ज के कार्यों की समीक्षा की गई। जहां जनपद पंचायत चांचौड़ा के सहायक यंत्री श्री अफराज खान द्वारा बताया गया कि जल गंगा संर्वधन अभियान अन्तर्गत प्रस्तावित खेत तालाब के 384 निर्माण कार्यों में से 391 कार्य प्रगतिरत तथा 196 कार्यों पर मस्टर जारी कर दिये गये है। वहीं डगबेल रिचार्ज के लक्ष्य 665 के विरुद्ध 568 कार्य प्रगतिरत हैं। इसी प्रकार ओल?ड एनआरएफ कार्यों के लक्ष्य 318 के विरुद्ध 108 कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं।सीईओ जिला पंचायत द्वारा उपस्थित अधिकारी/कर्मचारियों शासन सभी महत्वपूर्ण योजनाओं कार्यो में प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिये गये। इस अवसर पर जनपद पंचायत चांचौड़ा के सीईओ श्री गौरव यादव, पंचायत इंस्पेक्टर श्री रामेश्वर मीणा, सहायक यंत्री अफराज खान सहित जनपद पंचायत का समस्त अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।

इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री अभिषेक दुबे द्वारा जनपद पंचायत राघौगढ़ के आजीविका भवन का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने आजीविका भवन की नियमित साफ-सफाई न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला प्रबंधक श्रीमती सोनू सुशीला यादव को भवन की नियमित देख-रेख की व्यवस्था किये जाने के साथ ही आजीविका भवन के यथाशीघ्र संचालन शुरु किये जाने के निर्देश दिये।

ग्लोबल फैटी लिवर दिवस का किया आयोजन

गुना, देशबन्धु। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजकुमार ऋषिश्वर के मार्गदर्शन में स्वस्थ यकृत मिशन के अंतर्गत ग्लोबल फैटी लिवर दिवस आज दिनांक 12 जून 2025 को मनाया गया।उक्त अवसर पर जिले की समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई।सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, पीएचसी, सीएचसी,सिविल एवं जिला अस्पताल में नॉन एल्कोहोलिक फैटी लीवर डिजीज स्क्रीनिंग शिविर, जन जागरूकता कार्यक्रम एवं आईईसी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। जिसमें 30 से 65 वर्ष आयु वर्ग के व्यक्तियों की नॉन एल्कोहोलिक फैटी लीवर डिजीज की स्क्रीनिंग की गई एवं आवश्यक उपचार दिया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में विभाग के समस्त जिला अधिकारी एवं खंड चिकित्सा अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई।बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर ने बताया की फैटी लिवर एक साइलेंट डिजीज हैं, जो बिना लक्षणों के लिवर को क्षति पहुंचा सकती है। समय रहते नजदीकी स्वास्थ्य संस्था में स्क्रीनिंग कराएं। जीवन शैली में सुधार आवश्यक है इस दिवस पर फैटी लिवर डिजीज से बचाव के लिये निम्न संदेशों का प्रचार प्रसार किया जाए- संतुलित एवं पौष्टिक आहार लें, नियमित व्यायाम करें, शराब व धूम्रपान से परहेज करें, समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराएं। यह दिवस केवल एक प्रतीकात्मक आयोजन न होकर एक जनस्वास्थ्य अभियान है। उक्त अवसर पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरआर माथुर, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुदर्शन कुशवाह, डीपीएम बीजू थॉमस, बीएमओ डॉ. शिल्पा टांटिया, डॉ. लक्ष्मी कुमार, डॉ. धर्मेंद्र श्रीवास्तव, डॉ. महेश राजपूत एवं समस्त एवं बीसीएम उपस्थित रहे।

शिक्षकों का 3 दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

गुना, देशबन्धु। मध्य प्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग आयुक्त श्रीमती शिल्पा गुप्ता के निर्देशन पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री सीएस सिसोदिया के मार्गदर्शन में कला समेकित अधिगम शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय सांदीपनी उमावि मॉडल गुना, में शासकीय शिक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ दिनांक 10-06-2025 को हुआ। इस प्रशिक्षण में गुना के 05 विकासखंड से 95 शिक्षक सम्मिलित हुए। इस कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में गुना जिले एडीपीसी एवं विद्यालय के प्राचार्य श्री आशीष टाटिया एवं एपीसीएस के शिवहरे ने सभी शिक्षकों को इस प्रशिक्षण की उपयोगिता बताते हुए प्रेरक उद्बोधन दिया। प्रशिक्षण में दतिया जिले से आए मास्टर ट्रेनर्स डॉक्टर अर्चना श्रीवास्तव तथा श्रीमती सोनिया श्रीवास्तव एवं गुना जिले से श्री मनोज कुमार ओझा तथा श्री इंद्र सिंह द्वारा प्रशिक्षण दिया गया मास्टर ट्रेनर्स द्वारा बताया गया की नई शिक्षा नीति 2020 तथा स्कूल शिक्षा नीति 2023 के अनुसार शिक्षा को अधिक प्रभावी, रोचक, एवं ज्ञानवर्धक बनाने के लिए कला की विभिन्न विधाओं जैसे नाटक, गीत, नृत्य, चित्रकला ,मूर्ति कला, प्रश्न मंच, जनजातीय व स्थानीय कलाओं का अपने विषय शिक्षणमें कैसे समावेश किया जाए तथा बच्चों को कैसे तनाव मुक्त वातावरण से दूर रखकर आनंद से परिपूर्ण शिक्षा प्रदान की जाए,इस हेतु विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से शिक्षण कला का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का समापन आज दिनांक 12 जनू 2025 को संपन्न हुआ, जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी श्री सीएस सिसोदिया ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की तथा प्रशिक्षणर्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए उद्देश्य की पूर्ति के लिए शुभकामनाएं दी। समापन के अवसर पर सहायक संचालक शिक्षा राजेश गोयल, एपीसी एस के शिवहरे एवं संस्था के प्रभारी प्राचार्य र्य श्रीमति रेणुका श्रीवास्तव एवं समस्त मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे।

पति से परेशान महिला ने खरीदा फिनायल

बच्चों से आखिरी मुलाकात के लिए बस में बैठी, पुलिस ने साइबर सेल की मदद से बचाई महिला की जान

अशोकनगर, देशबन्धु। अशोकनगर में एक महिला पारिवारिक विवाद के बाद घर से लापता हो गई। पति से परेशान होकर वह गुना पहुंची। वहां से उसने फिनायल खरीदा। आत्महत्या से पहले अपने बच्चों से आखिरी बार मिलने के लिए वह अशोकनगर जाने वाली बस में सवार हुई।इसी दौरान साइबर सेल के एएसआई संजय गुप्ता महिला का मोबाइल नंबर ट्रेस कर रहे थे। संयोग से वे भी उसी बस में सवार थे। जब उन्होंने नंबर ट्रेस किया तो सिग्नल उनके पास बैठी महिला के फोन से आया। फोटो से पहचान की पुष्टि होने पर पता चला कि वह लापता नीता परिहार ही है।

पूछताछ में महिला ने बताया कि वह पति से परेशान थी। एएसआई ने उसके हाथ से फिनायल की बोतल छीन ली। थाना प्रभारी रवि प्रताप चौहान को सूचना दी गई। महिला को थाने लाया गया। वहां उसके पति को बुलाकर दोनों को समझाया गया। महिला ने बताया कि वह लंबे समय से परेशान थी। पिता ने भी बोल दिया था की अब हमें कोई मतलब नहीं है। इसलिए आत्महत्या करने की योजना बनाई। लेकिन पहले बच्चों से मिलना चाहती थी। पुलिस की समझाइश के बाद वह अपने परिवार के साथ घर लौट गई। दरअसल, महिला बुधवार की सुबह के समय अपने घर से निकली थी महिला ने अपने परिवार के सभी सदस्यों के मोबाइल नंबर ब्लैक लिस्ट कर दिए थे। रात के समय उसका फोन भी बंद हो गया था हालांकि पुलिस उसकी लगातार सर्चिंग कर रही थी सुबह फोन चालू होते ही नंबर ट्रेस किया गया था।

जयस्तंभ चौराहा पर विश्व बाल श्रम प्रतिषेध दिवस के उपलक्ष्य में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

गुना, देशबन्धु। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश श्री अमिताभ मिश्र के मार्गदर्शन में आज जयस्तंभ, चौराहा गुना में विश्व बाल श्रम प्रतिषेध दिवस पर विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया उक्त शिविर में श्रीमती वंदना त्रिपाठी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गुना द्वारा उक्त स्थान पर उपस्थित मजदूर, आसपास की दुकानों के व्यापारियों एवं अन्य लोगों को बाल एवं कुमार श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन), अधिनियम 1986 के संशोधित प्रावधान (संशोधन 2016) पर विस्तृत जानकारी दी गयी तथा बताया गया कि 14 वर्ष तक के बालकों को किसी भी प्रकार के रोजगार में रखना पूर्णत: प्रतिबंधित है तथा 14 वर्ष से 18 वर्ष तक के कुमार श्रमिकों को खतरनाक उद्योगों एवं व्यवसायों में रखा जाना भी प्रतिबंधित हैं।

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2026कक्षा छठवीं के ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथी 29 जुलाई

गुना, देशबन्धु। जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2026 कक्षा छठवीं के लिये ऑनलाईन आवेदनपत्र भरना आरंभ हो गये हैं, विद्यालय के प्राचार्य श्री एच0के0 मीना ने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2026 कक्षा छठवीं के लिये ऑनलाईन आवेदनपत्र अपलोड करने की अंतिम तिथि 29 जुलाई 2025 है, गुना जिले के कक्षा पाँचवीं में अध्ययनरत सभी छात्र/छात्राओं यह आवेदन पत्र ऑनलाईन 29 जुलाई 2025 तक भर सकते हैं।

भारत की सुरक्षा एवं मोदी सरकार

शिवप्रकाश

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी संकल्प से सिद्धि अभियान चला रही है । संपूर्ण देश में मोदी सरकार की सफलता पर प्रेस वार्ताएं, प्रदर्शनी, विचार संगोष्ठी, जनसभाएं एवं ग्राम स्तर पर चौपाल कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है । सोशल मीडिया द्वारा योजनाओं की जानकारी एवं अनेक प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन भी हो रहा है । गरीब कल्याण, ढांचागत विकास,अन्तर्वाह्य सुरक्षा, आर्थिक प्रगति, सांस्कृतिक उत्थान एवं विदेशों में बढ़ता भारतीय सम्मान सभी क्षेत्रों में ऐतिहासिक उपलब्धियां 11 वर्ष में प्रगति की गवाह है। भारत सहित विश्व की अनेक संस्थाओं एवं प्रमुख व्यक्तियों ने इस ऐतिहासिक सफलता की प्रशंसा की है । रक्षा क्षेत्र में भी इसी प्रकार की उपलब्धियां ऐतिहासिक है। भारतीय जनसंघ ने अपने 1964 के पटना अधिवेशन में प्रस्ताव पारित करते हुए मांग की थी कि भारत को परमाणु बम बनाने के सभी प्रयत्तन करने चाहिए। सिद्धांत एवं नीतियां नामक दस्तावेज में भी परमाणु अस्त्रों का निर्माण करने की बात की थी। इसी नीति का अनुसरण करते हुए अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने 1999 में पोखरण परमाणु विस्फोट कर विश्व में भारत के सम्मान को बढ़ाने का कार्य किया था । 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद देश अपने हितों की सुरक्षा करने में समर्थ बने इस प्रकार की नीति पर चला । आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति इसी का उदाहरण है। रक्षा क्षेत्र का बजट 2013-14 में 2.53 लाख करोड़ था अब 2025-26 के लिए वह बढ़कर 6.81 लाख करोड़ अर्थात 3 गुना से अधिक हो गया है । वर्ष 2015 कैग रिपोर्ट के अनुसार भारतीय सेना के पास केवल 20 दिन का गोलाबारूद उपलब्ध था । व्यक्तिगत सैनिक स्तर पर, सैनिकों को अब स्वदेशी रूप से निर्मित उच्च गुणवत्ता वाली बुलेट प्रूफ जैकेट, उन्नत हेलमेट, नई बैटल ड्रेस यूनिफॉर्म, नाइट विजन डिवाइस और थर्मल इमेजर उपलब्ध कराई गई। मोदी सरकार के आने के बाद सेना के समन्वय के लिए लंबित मांग सीडीएस की नियुक्ति का निर्णय हुआ । ऑपरेशन सिन्दूर में तीनों सेनाओं के समन्वय में हमने इस निर्णय की भूमिका को अनुभव किया है। शस्त्रों की खरीद के लंबे समय से लंबित निर्णयों का भी शीघ्र निस्तारण होते हुए हम देख चुके हैं ।

11 वर्ष के सफलतम कालखंड में केवल विदेशों से शस्त्र खरीद ही नहीं हमने स्वयं के आत्मनिर्भर होने के मंत्र को भी पहचाना है। अब हम भारत में उन्नत एवं आधुनिक स्वदेशी शस्त्रों का निर्माण भी कर रहे हैं । स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत का निर्माण, आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, रुस्तम यूएवी ड्रोनसका डीआरडीओ द्वारा लखनऊ में निर्माण, रूस के साथ ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल,टाटा -डसाल्ट के साथ राफेल के मुख्य भाग का हैदराबाद में हम निर्माण करने वाले हैं। रक्षा उत्पादन में पिछले 10 वर्षों में 174 प्रतिशत की वृद्धि हुई है । रक्षा उत्पादन 2014-15 में 46529 करोड़ की तुलना में 2023-24 में 127265करोड़ हुआ है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 17 नवंबर 2021(राष्ट्रीय रक्षा समर्पण पर्व, झांसी में) के संबोधन में कहा कि भारत अपनी रणनीतिक व सुरक्षा आवश्यकताएं अन्य देशों पर निर्भर होकर पूरा नहीं कर सकता ..., सरकार निरंतर 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में प्रयासरत है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की नीति के कारण अब हम खरीदने अर्थात आयात करने वाले देश नहीं हम बेचने वाले अर्थात निर्यात करने वाले देश बन गए हैं। 2004 से 2014 अर्थात 10 वर्षों में हमने 4312 करोड़ का निर्यात किया था। 2014 से 24 में 88,319 करोड़ का हुआ है 7 2024 - 25 में केवल एक वर्ष में ही हमने 23622 करोड़ का निर्यात किया है 7 आयात में 21प्रतिशत की कमी करके 11 वर्षों में निर्यात में 34त्न की वृद्धि करने में देर सक्षम हुआ है । आज हम लगभग 80 से अधिक देशों में रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर में हमारे स्वदेशी शस्त्रों की सफलता को देखकर विश्व में हमारे शस्त्रों की मांग भी बढ़ गई है। देश को नक्सल मुक्त करने के मोदी सरकार के संकल्प ने देश के सामान्य नागरिकों में सरकार के प्रति विश्वास जगाया है। नक्सली हिंसा में लिप्त आतंकी अपनी अंतिम सांस गिन रहे हैं । 2014 में नक्सल आतंकवाद से प्रभावित जिलों की संख्या 126 थी । 11 वर्षों बाद 2025 में वह संख्या मात्र 6 रह गई है । प्रत्येक प्रकार की गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 2 सितंबर 2022 को कोच्चि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय नौसेना के नए ध्वज का अनावरण किया, जिसमें औपनिवेशिक 'सेंट जॉर्ज क्रॉस' को हटाकर छत्रपति शिवाजी महाराज की राजमुद्रा से प्रेरित अष्टकोणीय प्रतीक को स्थान दिया गया।इसमें अशोक स्तंभ, लंगर और नौसेना का आदर्श वाक्य 'शं नो वरुणः अंकित है, जो भारत की समुद्री विरासत और आत्मगौरव का प्रतीक है। नए भारत का संकल्प- घर में घुसकर आतंकियों को मारेंगे केवल कहना मात्र नहीं, सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक एवं ऑपरेशन सिंदूर में हमने यह करके दिखाया है । ऑपरेशन सिंदूर के बाद की स्थिति, पाकिस्तान के आतंकी चेहरे को बेनकाब करने, आतंकवाद के प्रति भारत के दृष्टिकोण को विश्व के सम्मुख रखने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमण्डल देश की एकजुटता को प्रकट करने का कूटनीतिक सराहनीय प्रयास है भारत को सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यह प्रयास देश की जनता में यह विश्वास जगाने में सफल हुए हैं कि मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित हाथों में है।

लेखक- भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं।

बच्चों को नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाए तो बदलाव आएगा : आशा

हरपालपुर, देशबन्धु। दिव्य धाम ब्रह्माकुमारीज में त्रिदिवसीय बाल व्यक्तित्व शिविर का दीप प्रज्जवलित करके शुभारंभ किया गया। हरपालपुर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके आशा बहन कहा कि यदि बच्चों को प्रारंभ से हीनैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाए तो समाज में बड़ा बदलाव आएगा।

इस मौके पर डॉ मनीष त्रिपाठी, योगा टीचर मुक्ता, तृप्ति, शिल्पी, अंजू सहित बडी संख्या में बच्चे और आमंत्रित अतिथि मौजूद थे। बीके आशा ने कहा बाल व्यक्तित्व विकास शिविर बच्चों के विकास और आध्यात्मिक जागरुकता को बढ़ावा देता हे। जिससे वे एक बेहतर और सार्थक जीवन बना सकें। उन्होंने कहा हम बच्चों को बेहतर शिक्षा और संस्कार दें, जिससे सिर्फ डिग्री ही नहीं बल्कि जीवन भी श्रेष्ठ बने। डॉ मनीष त्रिपाठी ने कहा शिविर में दी जाने वाली सभी शिक्षाओं को जीवन में उतार लें। बता दें कि शिविर में ध्यान और योग के माध्यम से बच्चों में तनाव कम करने और एकाग्रता बढ़ाने के बारे में उपयोगी टिप्स दिए गए। बच्चों को नैतिक मूल्यों और जीवन के सबक सिखाने के लिए प्रेरणादायक कहानियाँ सुनाने पर जोर दिया गया।

रानी कमलापति स्टेशनः रात को गिरे छज्जे, सुबह रेस्टोरेंट में लगी आग

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी में बुधवार रात चली तेज आंधी से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के पुराने भवन के दो छज्जे भरभराकर गिर गए थे। व्ही आज सुबह यहां के एक रेस्टोरेंट के रसोईघर में आग लग गई। गनीमत यह रही कि इन दोनों ही घटनाओ में कोई हताहत नहीं हुआ।

राजधानी में बुधवार रात चली तेज आंधी ने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के पुराने भवन के दो छज्जे भरभराकर गिर गए। हादसे में मलबा स्टेशन परिसर के अंदर और बाहर फैल गया, जिससे बाहर स्थित रेस्टोरेंट और प्लेटफॉर्म नंबर-5 की तरफ की संरचनाओं को नुकसान पहुंचा। बाहर लगे एडवर्टाइजमेंट बोर्ड और कांच भी तेज हवा की चपेट में आकर टूट गए। सौभाग्य से इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। हालाँकि घटना के बाद स्टेशन परिसर में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई थी, लेकिन जल्द ही स्थिति को नियंत्रण में ले लिया गया।

गुरुवार सुबह जब भोपाल रेल मंडल के डीआरएम देवाशीष त्रिपाठी खुद घटना स्थल का निरीक्षण करने रानी कमलापति स्टेशन पहुंचे, तभी एक और हादसा हो गया। स्टेशन परिसर में स्थित 24/7 रेस्टोरेंट के रसोईघर में अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि यह आग कढ़ाई में तेल जरूरत से ज्यादा गर्म हो जाने से लगी, जो रेस्टोरेंट की चिमनी तक फैल गई। हालांकि मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने सूझबूझ दिखाते हुए तत्काल फायर एक्टिंगुशर का इस्तेमाल कर आग को पांच मिनट में काबू में कर लिया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, दोनों घटनाओं में कोई जनहानि नहीं हुई है। फिलहाल पुराने भवन के हिस्सों से मलबा हटाया जा रहा है और रेस्टोरेंट में भी कामकाज सामान्य किया जा रहा है। स्टेशन पर यात्री सुविधा और सुरक्षा को लेकर सतर्कता बरती जा रही है।

जिला अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र के ऑक्सीजन सयंत्र बंद

सीएमएचओ ने देखी कोविड की तैयारियां और सयंत्र ठीक कराने के दिए निर्देश

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल में दो नए कोरोना केस के साथ कुल मामले 12 पहुंच गए हैं। लगातार बढ़ते मामलों के बीच भोपाल के नवागत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. मनीष शर्मा ने तेजी से काम करना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में उन्होंने जेपी अस्पताल का अचानक निरीक्षण किया और अस्पताल में कोविड वार्ड की तैयारियों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान, जेपी अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. राकेश श्रीवास्तव ने सीएमएचओ को बताया कि अस्पताल के ऑक्सीजन सयंत्र को ठीक कराने की आवश्यकता है। इसी तरह कोलार स्वास्थ्य केंद्र समेत जिले के अन्य अस्पतालों में लगाए गए ऑक्सीजन सयंत्र भी बंद पड़े हैं। किसी में ऑक्सीजन की शुद्धता तय स्तर से कम आ रही है तो किसी में बिजली की समस्या है। इन अस्पतालों ने मरम्मत के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग को पत्र भेजा है। इस पर डॉ. शर्मा ने डॉ. शर्मा ने अस्पताल में व्यक्तिगत रूप से ऑक्सीजन के प्रवाह की जांच की और फिर तत्काल सयंत्र की मरम्मत कराने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कोविड वार्ड में बिस्तरों, ऑक्सीजन सिस्टम और स्टाफ की उपलब्धता की स्थिति का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी संसाधन पहले से ही ठीक रखे जाएं। उन्होंने कोविड नमूने एकत्र करने की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया और हर जगह सैनिटाइजर रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डॉ. शर्मा ने स्टाफ से सीधे संवाद किया और मरीजों को दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने चिकित्स्कों से कहा कि वे मरीजों के साथ संवेदनशीलता से पेश आएं। डॉ. शर्मा ने जोर देकर कहा कि प्यार से बात करने पर ही मरीज आधा ठीक हो जाता है और आधा आपकी गोली देने के बाद।

गांधीनगर अस्पताल का किया निरीक्षण

डॉ.शर्मा ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गांधीनगर का निरीक्षण कर अस्पताल में उपलब्ध सेवाओं का जायजा लिया। इस दौरान डॉ. शर्मा ने ओपीडी, प्रसव कक्ष, पीएनसी वार्ड, लेबोरेट्री, दवा वितरण सहित विभिन्न सेवाओं की जानकारी ली। डॉ. शर्मा ने निर्देश दिए कि इस अस्पताल से ग्रामीण क्षेत्र की बड़ी आबादी को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं, इसलिए ओपीडी के निर्धारित समय में सभी चिकित्सा एवं पैरामेडिकल स्टाफ ड्यूटी पर उपस्थित रहें। शाम की ओपीडी में सभी चिकित्सक सेवाएं प्रदान करें। डॉ. शर्मा ने सीबीएमओ को निर्देशित किया कि विकासखंड में संचालित सभी कार्यक्रमों की मॉनिटरिंग, रिपोर्टिंग एवं बैठकों को निर्धारित एजेंडा के किया जाना सुनिश्चित किया जाए। मरीज को उपचार लेने में विलंब या परेशानी ना हो, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। अन्यथा संबंधितों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण के दौरान डॉ. शर्मा द्वारा भर्ती मरीजों से बात कर सेवाओं की जानकारी भी ली गई । निरीक्षण के दौरान जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.रितेश रावत, मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. राकेश कुमार सहित चिकित्सक एवं प्रबंधकीय स्टाफ उपस्थित रहे।

एसबीआई प्रधान कार्यालय परिसर में आम महोत्सव का आयोजन

भोपाल, देशबन्धु। नाबार्ड द्वारा आठवें राज्य स्तरीय आम महोत्सव का आयोजन 14 जून तक किया जा रहा है। इस तारतम्य में नाबार्ड के सहयोग से भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय परिसर में आम महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य महा प्रबंधक चंद्रशेखर शर्मा द्वारा किया गया। इस दौरान महाप्रबंधक ओमकार नाथ चौधरी, महाप्रबंधक मनोज कुमार, उपमहाप्रबंधक एवं मंडल विकास अधिकारी अश्विनी कुमार सहित बैंक के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। आम महोत्सव में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आये आदिवासी परिवारों द्वारा उत्पादित रसायन मुक्त विभिन्न किस्म के आमों को प्रदर्शित किया गया।

एम्स भोपाल में मध्यप्रदेश की पहली टीएवीआई प्रक्रिया सफल

62 साल की महिला को मिला नया जीवन

भोपाल, देशबन्धु। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल ने मध्य प्रदेश में पहली बार वाल्व-इन-वाल्व ट्रांसकैथेटर एओर्टिक वाल्व इम्प्लांटेशन (टीएवीआई) तकनीक की मदद से मरीज का बिना सर्जरी किए हृदय का वाल्व बदला है। यह एक बहुत ही आधुनिक तरीका है, जिसमें बिना किसी बड़े ऑपरेशन (चीर-फाड़) के पैर की नस के रास्ते से दिल के खराब हो चुके वाल्व को हटाकर नया वाल्व लगाया जाता है।

एम्स भोपाल में यह प्रक्रिया 62 साल की महिला मरीज पर की गई। महिला को 10 साल पहले दिल की बीमारी (रूमेटिक हृदय रोग) की वजह से ओपन हार्ट सर्जरी करके दो वाल्व बदले गए थे। हाल ही में उनके लगाए गए पुराने कृत्रिम वाल्व खराब हो गए थे, जिससे उन्हें फिर से सांस लेने में बहुत दिक्कत होने लगी। उनकी उम्र और सेहत को देखते हुए उन्हें दोबारा बड़ा ओपन हार्ट ऑपरेशन करने के लिए फिट नहीं माना गया। अंततः चिकित्स्कों ने महिला का उपचार वाल्व-इन-वाल्व ट्रांसकैथेटर एओर्टिक वाल्व इम्प्लांटेशन (टीएवीआई) तकनीक की मदद से किया, जो सफल रहा। इस प्रक्रिया से उपचार करने वाले चिकित्स्कों में एम्स भोपाल के हृदय रोग विभाग के सहायक प्रोफेसर और प्रभारी डॉ. भूषण शाह, डॉ. हरीश कुमार, डॉ. सुदेश प्रजापति, डॉ. आशीष जैन, रेडियोलाजी विभाग के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश मलिक, डॉ. योगेश निवारिया (प्रमुख एवं अतिरिक्त प्रोफेसर, कार्डियोथोरेसिक सर्जरी), डॉ. वैशाली वेंडेसकर (प्रमुख एवं प्रोफेसर, एनेस्थीसिया) और डॉ. हरीश कुमार (एसोसिएट प्रोफेसर, एनेस्थीसिया) शामिल थे।

यह होती है टीएवीआई तकनीक

वाल्व-इन-वाल्व ट्रांसकैथेटर एओर्टिक वाल्व इम्प्लांटेशन (टीएवीआई) एक आधुनिक बिना ओपन सर्जरी वाली चिकित्सा प्रक्रिया है, जिसका उपयोग हृदय के खराब हो चुके कृत्रिम एओर्टिक वाल्व को बदलने के लिए किया जाता है। एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें दिल के मुख्य वाल्व (एरोटिक) को बिना चीरफाड़ और ओपन हार्ट सर्जरी के बदला जाता है। यह प्रक्रिया एक पतली ट्यूब (कैथेटर) के जरिए की जाती है, जो आमतौर पर पैर की धमनी से दिल तक पहुंचाई जाती है।

इनका कहना है

इस सफल प्रक्रिया से सिर्फ एक जिंदगी ही नहीं बची, बल्कि उन बहुत से मरीजों के लिए उम्मीद की एक नई किरण जगी है, जिनके पुराने कृत्रिम वाल्व खराब हो चुके हैं और जिन्हें दोबारा ओपन हार्ट सर्जरी कराना बहुत जोखिम भरा माना जाता है।

प्रो. डॉ. अजय सिंह, कार्यपालक निदेशक, एम्स भोपाल

भोपाल पुलिस ने जोधपुर से पकड़े ठगी में शामिल आरोपी

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल की साइबर पुलिस ने जोधपुर से साइबर ठगी के रुपयों को ठिकाने लगाने वाले तीन बदमाशों को पकड़ा है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 7 मोबाइल फोन, सात सिम कार्ड, 2 वाईफाई डोंगल डिवाइस सिमकार्ड सहित और 5 चेकबुक, 62 एटीएम कार्ड तथा अन्य 28 सिमकार्ड जब्त किए हैं।

एडिशनल डीसीपी शेलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि 20 अक्टूबर 2024 को सुधीर सिंह पिता राज नायक सिंह सूरज कुंज अवधपुरी ने साइबर क्राइम ब्रांच, कोहेफिजा को आवेदन सौंपा था। जिसमें उन्होंने बताया कि वे सितम्बर 2024 में टेलीग्राम के माध्यम से कोईनसाला मीडिया (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े। यह कंपनी क्रिप्टो का लेन देन करती है। शुरुआत में उन्होंने 2, 5 एवं 8 हजार रुपए निवेश किए। जिसके बदले में उसे कुछ ही दिन में 20 हजार रुपए वापस प्राप्त हुए। इसके बाद उनको टेलीग्राम पर एक अलग समूह तैयार कर उसमें निवेश संबंधी गतिविधि करवाई गई। इन गतिविधि में उन्होंने 5 हजार , 30 हजार एवं 1 लाख 20 हजार रुपए निवेश किए। लेकिन जब रुपए वापस लेने की कोशिश की तो उनको बताया गया कि अभी एक गतिविधि में शामिल होना है, जिसकी निवेश राशि 3 लाख 60 हजार रुपए है। लेकिन यह रकम निवेश करने पर पूरा पैसा ब्लॉक हो गया। इस तरह आरोपियों ने करीब 18 लाख रुपए से अधिक की ठग की। इस शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और जोधपुर से साइबर ठगी के रुपयों को ठिकाने लगाने वाले तीन बदमाशों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों में नरेंद्र उम्र 21 साल निवासी तहसील एवं जिला बाड़मेर, राजस्थान, निम्बाराम उम्र 22 साल निवासी तहसील, चौहटन, जिला बाड़मेर और चंदन मांझी उम्र 37 साल निवासी जोधपुर शामिल हैं । आरोपियों से अब तक कि पूछताछ में पता चला है कि आरोपी नरेंद्र ने अपने भाई के पहले से खुले बंधन बैंक खाता को आरोपी निम्बाराम को 10 हजार रुपए में बेचना बताया। वही आरोपी निम्बाराम द्वारा 50 से अधिक बैंक खाते फरार आरोपी बीराराम (परिवर्तित) को देना बताया। इन्होने बताया कि वे गरीब लोगों को रुपए का लालच देकर उनके कागजातों का इस्तेमाल कर ऑनलाइन एवं ऑफलाइन बैंक खाता खुलवाते है एवं सिमकार्ड भी इन्हीं के नाम पर लेते हैं।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी एवं रजिस्ट्रार पब्लिक ट्रस्ट,
टी.टी. नगर, भोपाल (म0प्र0)
(जवाहर चौक,बारह दफ्तर,शेड नंबर-7)
प्रकरण क्रमांक- 98/बी-121/ 2024-25

इश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि **आवेदक श्री आर0 सी0 जैन (सचिव) श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर ट्रस्ट, न्यू मार्केट, टी0टी0 नगर भोपाल (म0प्र0)** के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया है कि **खेड़ापति हनुमान मंदिर ट्रस्ट, न्यू मार्केट, भोपाल** का पंजीयन प्रकरण क्रमांक-01/ बी-113/ 1993-94, दिनांक 08.03.1994 के द्वारा पंजीकृत किया गया है। उक्त ट्रस्ट में वर्तमान कुल **09 ट्रस्टीगण है, 02 ट्रस्टियो** के त्यागपत्र देने तथा पद छोड़े जाने पर **02 नए ट्रस्टी (1) श्री संजय कुमार वलेचा आ0 श्री गोपीचंद वलेचा एवं (2) श्री संदीप गुप्ता आ0 श्री शांतिप्रसाद गुप्ता** को नए ट्रस्टी के रूप में सम्मिलित किए जाने का अनुरोध किया गया है।

इस संबंध में किसी भी व्यक्ति/ संस्था को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह इस इश्तहार/ प्रकाशन दिनांक से **15 दिवस** के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि व्यतीत होने के बाद प्राप्त आपत्तियों पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी।

टीप- इश्तहार की एक प्रति कार्यालय सूचना पटल पर चस्पा हो।

(डॉ0 अर्चना शर्मा)
अनुविभागीय अधिकारी,एवं रजिस्ट्रार पब्लिक ट्रस्ट टी0 टी0 नगर वृत भोपाल (म0प्र0)

मैनिट में आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

स्मार्ट टेक्नोलॉजी का उपयोग कर जल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकता है भारतः आदित्य

भोपाल, देशबन्धु। मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एडवांस इन वॉटर रिसोर्सेज 2025 का आयोजन किया गया। जल शक्ति मंत्रालय और केंद्रीय जल आयोग सहयोग से आयोजित सम्मेलन का संयोजन मैनिट के सिविल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट की ओर से किया गया। ज

जल संसाधन अभियांत्रिकी को सतत भविष्य के रूप में रुपांतरित करना विषय पर आयोजित तीन दिवसीय इस सम्मेलन का समापन गुरुवार को हुआ। सम्मेलन में वैज्ञानिकों, रिसर्चर, नीति-निमार्ताओं सहित 200 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। खास बात यह है कि सम्मेलन में वॉटर शेड प्रबंधन, हाइड्रो-इन्फॉर्मेटिक्स, सतत नदी अभियांत्रिकी और जलवायु अनुकूल संरचनाओं आदि से जुड़े शोधपत्र प्रस्तुत किये गये। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि पूर्व उपनिदेशक आईआईटी रुड़की प्रो. केजी रंगा राजू और केन्द्रिय जल आयोग मप्र के मुख्य अभियंता आदित्य शर्मा उपस्थित हुए। इस दौरान प्रो. रंगा ने जलवायु परिवर्तन की अनिश्चित्ताओं के लिए अनुकूल जल प्रबंधन को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन हमारे सामने मौजूद सबसे गंभीर वैश्विक पर्यावरणीय संकट है। उन्होंने कहा कि यह देखकर सुखद अनुभव होता है कि अगली पीढ़ी जल प्रबंधन के क्षेत्र में लगातार नवाचार कर रही है और डेटा आधारित सोच के साथ आगे बढ़ रही है। आदित्य शर्मा ने कहा कि अब वह समय आ गया है जब हमें पानी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना होगा। इसके लिए सबसे बेहतर तरीका है स्मार्ट टेक्नोलॉजी। उन्होंने कहा कि स्मार्ट टेक्नोलॉजी का उपयोग करके भारत जल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकता है। उदाहरण के तौर पर उन्होंने कहा कि यदि हम कृषि कार्यों में प्रेशराइज्ड पंपिंग सिस्टम का उपयोग करें तो काफी मात्रा में पानी की बचत कर सकते हैं। इस सिस्टम में मेनुअली पानी की आवश्यकता और समय को तय किया जाता है उससे खेत को आवश्यकता से अधिक पानी नहीं मिलता, जिससे फसल को नुकसान से बचाया जा सकता है। सम्मेलन की संयोजिका डॉ. ऋजुजा एम. चव्हाण ने कहा कि यह सम्मेलन विविध विशेषज्ञों को जोड़ने के साथ-साथ भविष्य की शोध साझेदारियों को मजबूती प्रदान करता है। सम्मेलन के दौरान प्रतिभागियों के लिये विशेष प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने भूजल दोहन, शहरी बाढ़, जल गुणवत्ता निगरानी, वर्षा जल संचयन और स्वच्छ जल तकनीकों आदि विषयों पर इनोवेटिव आइडिया प्रस्तुत किये।

एमपीकॉन लिमिटेड MPCON LIMITED
भारत सरकार का उपक्रम
Ground Floor, Rajiv Gandhi Bhawan-2, 35, Shyamla Hills, Bhopal-462002
INVITING APPLICATIONS FOR EMPANELMENT
MPCON Limited, invites applications from Project & Technical Consultancy Service Providers for empanelment. Detailed Terms/ Conditions & Application form available at **www.mpconsultancy.org.** Application should be received within 15 days from the advertisement.

न्यायालय तहसीलदार नजूल वृत्त एम.पी.नगर भोपाल म.प्र.
(7 नंबर बस स्टाप शिवाजी नगर भोपाल)
प्रकरण क्रमांक 187/अ-3/2025-26

इश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमति लक्ष्मी बाई पत्नि श्री जयसिंह निवासी-ग्राम खजूरीकला भोपाल द्वारा ग्राम खजूरीकला तहसीलल हुजूर जिला भोपाल स्थित भूमि खसरा क्रमांक 245/246/क, 245, 246/1 वर्तमान खसरा नंबर 245/ 246/1/2 रकवा 0.9060 हे. भूमि का बटान किये जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है ।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति इस इश्तहार जारी होने के दिनांक **18.06.2025** के अन्दर स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से मेरे समक्ष प्रस्तुत करें । निर्धारित अवधि व्यतीत हो जाने के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 12.06.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया ।

तहसीलदार
एम.पी.नगर वृत्त, भोपाल

एसबीआई लेडीज क्लब ने किया वृक्षारोपण

भोपाल, देशबन्धु। जंबूरी मैदान स्थित एसबीआई ऑक्सीजन बैंक जिसे एसबीआई द्वारा सीएसआर फंड के माध्यम से विकसित किया गया है, वहां आज पर्यावरण को संरक्षित करने के उद्देश्य से एसबीआई लेडीज क्लब की अध्यक्ष श्रीमती गीतू शेखर शर्मा के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष श्रीमती शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि जल, जंगल, जमीन और जानवरों की सुरक्षा से ही पर्यावरण संरक्षण संभव है, आज मानव जाति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां प्रकृति के साथ-साथ मन के प्रदूषण को भी खत्म करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर उन्होंने सभी से अपनी-अपने जन्मदिन पर एक पेड़ जरूर लगाने का आवाह्न किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में एसबीआई ऑक्सीजन बैंक के संचालक वन विशेषज्ञ डॉ पंकज भारती ने क्लब के सभी सदस्यों को जापानी पद्धति मियांवाकी से दो वर्ष पहले लगायें गये वृक्षों की प्रगति और प्रकृति के बारे में जानकारी देते हुए आक्सीजन बैंक स्थल का भ्रमण कराया, जिसकी क्लब के सभी सदस्यों ने प्रशंसा की। कार्यक्रम में श्रीमती अर्चना कुंदन श्रीमती कुमकुम कुमार एवं श्रीमती सुजाता कानून को सहित क्लब की अन्य सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

परिशिष्ट IV (नियम 8(1)) **आधिपत्य सूचना** (अचल संपत्ति हेतु)

एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड
CIN: U67100MH2007PLC174759
रिटेल केन्द्रीय एवं पंजीकृत कार्यालय : एडलवाइस हाउस, ऑफ सी.एस.टी. रोड, कलीना, मुम्बई 400098

जबकि यहाँ उल्लिखित सुरक्षित लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी ने वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन (अधिनियम), 2002 के तहत तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 (नियम 3) के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर नीचे यथा उल्लिखित मांग सूचना जारी की थी जिमसें कर्जदार(ओं) से सूचना में उल्लिखित राशि उक्त सूचना प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के अंदर भुगतान करने के लिए कहा।

इसके बाद, असाईनर संदर्भित ने अधोल्लिखित वित्तीय परिसंपत्तियाँ **एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड** को स्वयं/अपनी **उल्लेखित विभिन्न ट्रस्ट के ट्रस्टी** की क्षमता से कार्यरत (यहाँ आगे **"ईएआरसी"** कहा गया है) असाइनमेंट एग्रीमेंट के अनुसार सरफासी अधिनियम, 2002 की धारा 5 के तहत एसाइन कर दी। ईएआरसी असाईनर की भूमिका में आ गया और वित्तीय परिसंपत्तियों के संबंध में विचाराधीन प्रतिभूति हितों, गारंटी, रेहनों सहित असाईनर के सभी अधिकार, हक और हित कर्जदार द्वारा ली गई वित्तीय सहायता के संबंध में **ईएआरसी** को निहित हो गए हैं और **ईएआरसी** प्रत्याभूत लेनदार के रूप में अपने सभी अधिकार प्रयोग करता है।

कर्जदार द्वारा राशि का भुगतान करने में असफल रहने पर एतद्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य को सूचित किया जाता है कि **एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड** के प्राधिकृत अधिकारी की क्षमता से अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर नीचे वर्णित संपत्ति का **भौतिक कब्जा** प्रत्येक संपत्ति के समक्ष उल्लेखित दिनांक को ले लिया है।

उधारकर्ता का ध्यान प्रतिभूत आस्तियों के मोचन के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के उपबंधो की ओर आकृष्ट किया जाता है। विशेष रूप से कर्जदार और सामान्य रूप में सर्वजन को संपत्ति से कोई लेन-देन न करने के लिए आगाह किया जाता है और संपत्ति का कोई भी लेन-देन नीचे उल्लिखित राशि और इस पर ब्याज के लिए **एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड** के प्रभार के अधीन होगा।

समनुदेशक का नाम	ट्रस्ट का नाम	ऋण खाता नंबर	उधारकर्ता एवं सह-उधारकर्ता(ओं) का नाम	मांग सूचना की राशि एवं सूचना दिनांक	कब्जे की तारीख	कब्जे की स्थिति
पिरामल कैपिटल एवं हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड	EARC TRUST SC-477	210000 41754	1. श्री कन्हैया लाल (ऋणी) 2. श्री रवि अहिरवार (सह-ऋणी)	Rs. 14,61,976/- (रुपये चौदह लाख इकसठ हजार नौ सौ छिहत्तर मात्र) & 24/10/2018	06-06-2025	भौतिक आधिपत्य

अचल संपत्ति का विवरण: उक्त संपत्ति का पूरा भाग एवं अंश फ्लैट नंबर एस-03, प्लॉट नंबर 438, सेक्टर बी महामाया अपार्टमेंट, सर्वधर्म कॉलोनी कोलार रोड, भोपाल-462001 है जिसका सुपर बिल्ट-अप एरिया 705 वर्ग फीट है **चतुर्सीमा:** पूर्व में फ्लैट नंबर एस-02, उत्तर में फ्लैट नंबर एस-04, पश्चिम में मकान नंबर 439, दक्षिण में रोड

स्थान : मुम्बई
दिनांक : 11.06.2025
प्राधिकृत अधिकारी
एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कम्पनी लिमिटेड
Edelweiss Asset Reconstruction

ई-नीलामी बिक्री सूचना

एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड
CIN - U67100MH2007PLC174759
पंजीकृत कार्यालय : एडलवाइस हाउस, पहली मंजिल, ऑफ सी.एस.टी. रोड, कलीना, मुम्बई - 400098.

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 ("नियमावली") के नियम 8(6) के प्रावधान के साथ पठित वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल प्रत्याभूत परिसंपत्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी बिक्री सूचना।

असाइनर की वित्तीय सुविधाएं **एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड** को सौंपी गई हैं, जो दिए गए कॉलम में स्पष्ट रूप से उल्लिखित विभिन्न ट्रस्टों के ट्रस्टी के रूप में कार्य कर रही है। उक्त असाइनमेंट के अनुसरण में, **ईएआरसी** ने असाइनर के स्थान पर कदम रखा और सुरक्षित ऋणदाता के रूप में अपने अधिकारों का प्रयोग किया। **ईएआरसी** ने, सुरक्षित ऋणदाता के रूप में अपनी क्षमता में, सरफेसी अधिनियम की धारा 13(4) और उसके तहत नियमों के तहत नीचे उल्लिखित अचल सुरक्षित संपत्तियों पर कब्जा कर लिया था।

एतद्द्वारा नोटिस सर्व साधारण और विशेषकर कर्जदार और जमानती (ओं) को **15/30 दिन की सूचना** दी जाती है कि प्रत्याभूत लेनदार के पक्ष में बंधक अधोल्लिखित अचल प्रत्याभूत परिसंपत्तियाँ जिनका **भौतिक कब्जा** प्रत्याभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी (एओ) द्वारा ले लिया गया है, **ईएआरसी** के देय नीचे वर्णित राशियों और इस पर आगे की ब्याज व अन्य व्यय/लागतों, घटाए कर्जदार और जमानती से **ईएआरसी** को प्राप्त कोई धनराशि, की वसूली के लिए "जो है जहाँ है" और "जहाँ है, जैसी भी है" और "जो भी है" आधार पर बिक्री की जायेंगी। प्रत्येक संपत्ति के लिए आरक्षित मूल्य और धरोहर राशि जमा नीचे वर्णित हैं। इस नोटिस को सुरक्षा प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8 (6) एवं नियम 9(1) के तहत बिक्री की सूचना के रूप में माना जाएगा ।

नीलामी के लिए रखीं प्रत्याभूत परिसंपत्ति का विवरण:

ऋण खाता सं./ बिक्री संस्थान	कर्जदार/ सह-कर्जदार का नाम	ट्रस्ट का नाम	बैंक और शाखा का नाम, खाता नंबर और आईएफएससी कोड	कुल बकाया 10.06.2025 तक	आरक्षित मूल्य (रु. में)	अग्रिम जमा राशि ईएमडी (रु. में)	नीलामी तिथी व समय	कब्जे का प्रकार
5E2RHB73568177, 5E2RHT76160747 & 5E2RHT74929610 Bajaj	1) प्रकाश नाथ शैव्या (ऋणी) 2) गीता शैव्या (सह-ऋणी)	EARC Trust SC 422	Edelweiss Asset Reconstruction Company Limited - EMD Account - [000405158602] Bank - ICICI BANK IFSC - ICIC0000004	₹ 16,10,048.37, ₹ 17,23,219.06 & ₹ 4,58,973.20	₹ 13,80,000/- (रुपये तेरह लाख अस्सी हजार मात्र)	₹ 1,38,000/- (रुपये एक लाख अडतीस हजार मात्र)	30.06.2025 दोपहर 12.30 बजे	भौतिक

संपत्ति का विवरण: खसरा नंबर 150/2 एवं 151/2 एवं 151/3 पर 1250 वर्ग फीट क्षेत्रफल वाले प्लॉट का समस्त भाग एवं अंश, प्लॉट नंबर 262 का 25*50 का 1250 वर्ग फीट ग्राम बिजनवाडा, पटवारी हल्का नंबर 34, बी. नंबर 247, पंचमढ़ी विहार कॉलोनी पिपरिया तहसील पिपरिया जिला होशंगाबाद 461001, **चतुर्सीमाएँ:-** पूर्वः प्लॉट नंबर 277; पश्चिमः 25 फीट की सडक; उत्तरः प्लॉट नंबर 261; दक्षिणः प्लॉट नंबर 264

नीलामी प्रक्रिया के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारीः

1.	ईएमडी डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) "एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड - ईएमडी अकाउंट" के पक्ष में मुंबई में देय होगा।	
2.	आरटीजीएस के माध्यम से किए गए ईएमडी भुगतान निम्नलिखित खाते में होंगे: खाता का नाम: "एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड - ईएमडी खाता" खाता संख्या: 000405158602; बैंक का नाम -आईसीआईसीआई बैंक; आईएफएससी कोड: IFSC ICIC0000004	
3.	ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि	नीलामी की तिथि से एक दिन पूर्व तक प्राप्त किए जायेंगे।
4.	बोली जमा करने का स्थान	पहली मंजिल, एडलवाइस हाउस, ऑफ सीएसटी रोड़, कलिना, मुम्बई - 400098
5.	नीलामी का स्थान (नीलामी हेतु वेबसाईट)	ई-नीलामी (https://auction.edelweissarc.in)
6.	संपर्क विवरण साथ फोन नं.	टोल फ्री नंबर : 1800 266 6540
7.	संपत्ति के निरिक्षण की तिथि एवं समय	पूर्व समयादेशानुसार

बिक्री के विस्तृत नियम व शर्तों के लिए कृपया ईएआरसी की वेबसाइट अर्थात **https://auction.edelweissarc.in** पर दिया लिंक देखें।

दिनांक : 12-06-2025
स्थान : मुम्बई
प्राधिकृत अधिकारी
वास्ते एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड
Edelweiss Asset Reconstruction

देशबन्धु

भोपाल, शुक्रवार 13 जून 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

जून आते ही आपातकाल की चर्चा शुरु

देश में एक बार फिर आपातकाल पर चर्चा छेड़ी जा चुकी है। पिछले 11 सालों से यह सिलसिला चल ही रहा है कि जून का महीना आते ही आपातकाल की याद दिलाकर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनके साथ कांग्रेस को भी कटघरे में खड़ा किया जाए। ठीक है कि इतिहास की गलतियों से सबक लेकर वर्तमान सुधारने और भविष्य को संवारने की नसीहत दी जाती रही है। लेकिन यहां मकसद कुछ और ही दिखता है। पहली बात तो यह कि आपातकाल किन हालात में लागू किया गया, संवैधानिक व्यवस्था के तहत ही इस पर फैसला लिया गया या नहीं, अगर उस समय आपातकाल नहीं लगाया जाता तो क्या पूरे देश में अराजकता नहीं फैल जाती, इन बातों पर ईमानदारी से विचार न कर केवल एकतरफा राय थोपी जाती है कि इंदिरा गांधी तानाशाही मानसिकता की थीं, वे सारी शक्ति अपने हाथ में रखना चाहती थीं, इसलिए उन्होंने आपातकाल लगाया। ऐसे इल्जाम लगाने वाले लोग भूल जाते हैं कि उन्हीं इंदिरा गांधी को फिर से जनता ने ही भारी बहुमत देकर सत्ता पर बिठाया था। खैर, आपातकाल आज से 50 बरस पुरानी बात है और इस एक फैसले के अलावा भी इंदिरा गांधी ने बहुत से अन्य क्रांतिकारी फैसले लिए थे, प्रिवीपर्स का खात्मा, बैंकों का राष्ट्रीयकरण, परमाणु परीक्षण, बांग्लादेश का निर्माण, इन सब फैसलों की तारीख और साल भाजपा उस तरह से याद क्यों नहीं करती है, जैसे आपातकाल को करती है। यहीं मकसद की बात सिद्ध होती है कि जब अपनी सत्ता की उपलब्धियां गिनाने के लिए कुछ खास न रहे, तो फिर पूर्ववर्ती शासकों की गलतियां गिनाकर ध्यान भटकाया जाए। भाजपा इस समय इसी कार्य में लगी है।

आपातकाल के पचास बरस पर मोदी सरकार के 11 बरस भारी पड़ सकते थे, बशर्ते इस एक दशक में देश को सम्मान और लोकतंत्र को मजबूत करने वाला कोई काम हुआ होता। मगर 11 सालों की याद करें तो सबसे पहले योजना आयोग का खात्मा, फिर नोटबंदी, जीएसटी, लॉकडाउन, किसान आंदोलन, सीएए, एनआरसी, जम्मू-कश्मीर से विशेष राज्य का दर्जा वापस लेना, उसे केंद्र शासित राज्य बनाकर दो हिस्सों में बांटना, राम मंदिर उद्घाटन ऐसे कदम और फैसले ही याद आते हैं। इन सबमें उपलब्धि कम और विवाद ज्यादा खड़े हुए हैं, और जो रही-सही कसर थी, उसे डोनाल्ड ट्रंप के अपमानजनक व्यवहार ने पूरी कर दी। भारत का वैश्विक स्तर पर अपमान करने की चेष्टा अमेरिका ने शुरु से की, लेकिन नेहरूजी से लेकर बाजपेयीजी और डा. मनमोहन सिंह तक सारे प्रधानमंत्रियों का रुतबा ऐसा था कि अमेरिका कोशिश ही करता रह गया, कभी कामयाब नहीं हुआ। अब डोनाल्ड ट्रंप एक तरफ युद्धविराम पर बार-बार अपना दावा ठोंक रहे हैं और अब अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के मौके पर पाकिस्तानी जनरल असीम मुनीर को खास न्यौता देकर ट्रंप ने भारत को नीचा दिखाने की चेष्टा की है। इधर कनाडा में होने जा रहे जी-7 को लेकर भी खुलासा हुआ है कि भारत को पहले इसमें आमंत्रित नहीं किया गया था, फिर प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने खुद फोन करके प्रधानमंत्री मोदी को आने का न्यौता दिया, लेकिन इससे पहले एक शर्त मनवा ली। शर्त यह कि कनाडा के साथ कानून प्रवर्तन यानी लॉ इनफोर्समेंट में भारत सहयोग करेगा। नरेन्द्र मोदी ने इस बारे में कुछ नहीं कहा है, लेकिन प्रधानमंत्री कार्नी ने खुद इसकी जानकारी दी है। इसमें हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड का जिक्र खुल कर नहीं किया गया है। लेकिन ये समझना कठिन नहीं है कि कनाडा ने लॉ इनफोर्समेंट सहयोग की शर्त आखिर क्यों रखी। वह पहले भी भारत पर इस हत्या में भागीदार होने का इल्जाम लगा चुका है और दोनों देशों के बीच रिश्तों में खटास इसी मुद्दे के बाद बढ़ी थी। अब कनाडा अपनी शर्त मनवा कर भारत को न्यौता दे रहा है, इसका कैसा संदेश दुनिया में जाएगा, यह समझा जा सकता है। वैसे भी आखिर किसी समूह की बैठक में भागीदारी के लिए शर्त मानने की बात क्या उचित है, क्या यह भारत के सम्मान को ठेस पहुंचाना नहीं है, यह भी विचारणीय है।

विदेश नीति से लेकर घरेलू मसलों तक कई मुद्दों पर इस समय व्यापक चर्चा की जरूरत है। संसद का मानसून सत्र तो अगले महीने शुरु होगा, लेकिन विपक्ष पिछले एक महीने से पहलगाम हमले और आपरेशन सिंदूर को लेकर संसद के विशेष सत्र की मांग करता रह गया और सरकार ने उसकी बात नहीं सुनी। क्या सत्ता की मनमर्जी आपातकाल जैसी ही नहीं लगती है। संसद में बैठे विपक्षी सांसदों की बात सरकार नहीं सुनती, अपने आलोचक लेखकों-पत्रकारों-बुद्धिजीवियों पर तरह-तरह के अंकुश लगाए जाते हैं, किसानों की मांगें पूरी नहीं होतीं, विद्यार्थियों की तकलीफ सरकार नहीं समझ रही है, ये सब देश में अघोषित आपातकाल की तरह ही है। लेकिन सरकार इसे बहुमत का अधिकार समझ कर अपना शक्ति प्रदर्शन करने में लगी है। ऑपरेशन सिंदूर का राजनैतिक मकसद पूरा होता नहीं दिखा तो अब सरकार ने इसकी चर्चा थोड़ी कम कर ली है और साथ ही आपातकाल की 50वीं बरसी मनाने के लिए, जो विशेष सत्र बुलाना था, उससे भी कदम पीछे खींचे गए, क्योंकि सत्र लगता तो फिर विपक्ष सरकार से वही सवाल पूछता जो महीने भर से पूछ रहा है। हालांकि अब एक और फैसले की जानकारी आई है कि देश के सभी जिलों में 25-26 जून को मॉक पार्लियामेंट यानी नकली संसद का आयोजन करेंगी और छात्रों को आपातकाल की भयावहता के बारे में बताएंगी कि किस तरह कांग्रेस ने उस समय सारी शक्ति अपने हाथ में करने की कोशिश की थी और यह लोकतंत्र पर कुठाराघात था।

भाजपा के इस फैसले में भले अपने राजनैतिक हित साधने का मकसद हो, लेकिन कहीं छात्रों ने 50 साल पहले के हालात और आज के सरकार के फैसलों की तुलना करनी शुरु कर दी, तब क्या सच्चाई की परतें नहीं खुलेंगी। मॉक पार्लियामेंट में भी दोनों पक्षों को अपनी बात रखने का मौका दिया जाता है, अगर विपक्ष में बैठे छात्रों ने सरकार से आज के मुद्दों पर सवाल करने शुरु कर दिए, तब भाजपा क्या करेगी, यह देखना दिलचस्प होगा।

भारत को चाहिए संदेह से परे एक चुनाव आयोग

■ डॉ. ज्ञान पाठक

स्वतंत्रता के बाद से ऐसा कभी नहीं हुआ जब भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) पर लोगों का इतना अविश्वास रहा हो, जितना अब खुलकर व्यक्त किया जा रहा है। ईसीआई को चुनावी लड़ाई में एक तटस्थ अंपायर के रूप में अपना कर्तव्य निभाना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से कई मौकों पर ऐसा लगा कि यह प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का ही एक विस्तार है। इस संवैधानिक निकाय की स्वायत्तता को कानूनी साधनों के ज़रिए सीमित कर दिया गया है। चुनावों के दौरान, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पक्ष लेता हुआ देखा गया है, खास तौर पर उनके नफरत भरे भाषणों के मामले में, और चुनाव के बाद, यह चुनावी डेटा को भी ब्लॉक कर रहा है।

हरियाणा में चुनाव 5 अक्टूबर 2024 को और महाराष्ट्र में चुनाव नवंबर 2024 में हुए। फिर भी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को अब 7-8 महीने की देरी के बाद चुनावी डेटा सौंपने के लिए 'सटीक तारीख' मांगनी पड़ रही है। उन्होंने पूछा, 'मतदाता सूची सौंपने के लिए चुनाव आयोग द्वारा उठाया गया पहला अच्छा कदम है। क्या चुनाव आयोग कृपया सटीक तारीख की घोषणा कर सकता है, जिस तक यह डेटा डिजिटल, मशीन-पठनीय प्रारूप में सौंप दिया जायेगा?'

सरकार किस तरह से चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रही है और भारतीय चुनाव आयोग पीएमओ की इच्छा के आगे झुक रहा है, यह दिसंबर, 2024 में स्पष्ट हो गया था, जब केंद्रीय कानून मंत्रालय ने 1961 के नियमों के नियम 93 (2) में संशोधन किया था, ताकि सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले 'कागज़ात' या दस्तावेज़ों के प्रकार को प्रतिबंधित किया जा सके। यह मामला भारत के सर्वोच्च न्यायालय में भी गया, जिसमें याचिकाकर्ताओं ने कहा कि चुनाव संचालन (द्वितीय संशोधन) नियम, 2024 नागरिकों की चुनाव संबंधी महत्वपूर्ण दस्तावेजों तक पहुंच को प्रतिबंधित करके संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 का उल्लंघन करता है। सरकार ने कहा कि उसे मतदाताओं की गोपनीयता की रक्षा करने की आवश्यकता है। यह स्पष्ट था कि चुनावी डेटा प्रदान न करने के लिए सरकार एक इच्छुक पक्ष थी, और ईसीआई भी डेटा नहीं दे रहा है। सवाल यह है कि डेटा को अवरुद्ध करके ईसीआई और मोदी सरकार क्या छिपाना चाहती है? फिर चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता कहां है? और जब सरकार और ईसीआई दोनों द्वारा सावधानीपूर्वक अंधकार बनाये रखा जा रहा है, तो कोई भी व्यक्ति चुनावी प्रक्रिया पर कैसे विश्वास कर सकता है?

मोदी सरकार की इच्छा के अनुसार, चलने का ईसीआई का यह एकमात्र उदाहरण नहीं है। आइए चुनावी बॉन्ड योजना मामले को याद करें। लोकसभा चुनाव 2024 से कुछ महीने पहले ही मोदी सरकार की चुनावी बॉन्ड योजना को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अवैध घोषित किये जाने और दानदाताओं और लाभार्थी राजनीतिक दलों का विवरण प्रकाशित करने के लिए चुनाव आयोग को आदेश दिये जाने के बाद भी, चुनाव आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय में कुछ तर्क देकर इसे प्रकाशित न करने की पूरी कोशिश की थी। पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बाद चुनाव आयोग को डेटा प्रकाशित करना पड़ा। चुनाव आयोग को चुनावी बॉन्ड योजना 2018 के अनुसार दानदाताओं की गोपनीयता की रक्षा करने की आवश्यकता का तर्क देते हुए स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ तालमेल बिठाते हुए देखा।

सरकार किस तरह से चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रही है और भारतीय चुनाव आयोग पीएमओ की इच्छा के आगे झुक रहा है, यह दिसंबर, 2024 में स्पष्ट हो गया था, जब केंद्रीय कानून मंत्रालय ने 1961 के नियमों के नियम 93 (2) में संशोधन किया था, ताकि सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले 'कागज़ात' या दस्तावेज़ों के प्रकार को प्रतिबंधित किया जा सके। यह मामला भारत के सर्वोच्च न्यायालय में भी गया

तीन सदस्यीय चुनाव आयोग इतना कमजोर क्यों हो गया है कि उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हुक्म का पालन करना पड़े? ऐसा इसलिए है क्योंकि मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति , सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम 2023 ने दो चुनाव आयुक्तों को संवैधानिक रूप से असुरक्षित बना दिया है। केवल मुख्य चुनाव आयुक्त को ही हटाये जाने के विरुद्ध संवैधानिक रूप से संरक्षण प्राप्त है। उनका कार्यकाल मुख्य चुनाव आयुक्त की इच्छा पर निर्भर करेगा। इसके अलावा, नये कानून के तहत उन्हें नियुक्त करने का अधिकार अंततः प्रधानमंत्री के पास है, जिसे नियुक्ति समिति से भारत के मुख्य न्यायाधीश को हटाकर सुरक्षित किया गया, जिससे चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में निष्पक्षता खत्म हो गयी। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में कोई पारदर्शिता नहीं रह गयी है।

नवंबर 2021 में केंद्रीय कानून मंत्रालय ने सीईसी को पीएमओ के साथ बैठक में शामिल होने के लिए कहा था और सीईसी ने बैठक में भाग लिया था। यह स्पष्ट रूप से पीएमओ द्वारा ईसीआई की अधीनता का मामला था। जब विवाद हुआ, तो केंद्रीय कानून मंत्री ने एक स्पष्टीकरण जारी किया, जिसमें कहा गया कि यह एक नोडल एजेंसी है और चुनाव सुधार से संबंधित कई मुद्दे 2011 से लंबित हैं। पीएमओ ने यह भी स्पष्ट किया कि यह एक 'अनौपचारिक बातचीत' थी।

ईसीआई को व्यवस्थित रूप से कमजोर किया गया है। इसे 2019 के चुनावों के दौरान हुई घटना में देखा जा सकता है। पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह के खिलाफ चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतें थीं, जिसमें घृणा की भाषा भी शामिल थी। ईसीआई के बहुमत के फैसले ने उन्हें क्लीन चीट दे दी थी, लेकिन एक चुनाव आयुक्त ने असहमति नोट दिया था। इसके बाद आयकर विभाग ने चुनाव आयुक्त के रूप में उनकी नियुक्ति से पहले की अवधि के लिए उनकी पत्नी को नोटिस जारी किये। इसके बाद असंतुष्ट चुनाव आयुक्त ने बैठकों में भाग लेना भी बंद कर दिया और कहा कि 'अल्पमत के निर्णयों' को 'बहु-सदस्यीय वैधानिक निकायों द्वारा पालन की जाने वाली सुस्थापित परंपराओं के विपरीत तरीके से दबाया जा रहा है।'

2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान एक चुनाव आयुक्त ने भी इस्तीफा दे दिया था। कोलकाता में एक बैठक के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त और उक्त चुनाव आयुक्त के बीच मतभेद और विवाद भड़क गया था और दिल्ली लौटने के बाद उस चुनाव आयुक्त को इस्तीफा देना पड़ा, क्योंकि नये कानून के तहत चुनाव आयोग को हटाए जाने के खिलाफ संवैधानिक संरक्षण प्राप्त नहीं है।

ये कुछ ऐसे मामले हैं जो चुनाव आयोग की संवैधानिक स्वायत्तता के क्षरण का संकेत देते हैं। ऐसी पृष्ठभूमि में, चुनाव आयोग पर राहुल गांधी के आरोपों को सरसरी तौर पर खारिज नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया है कि नवंबर 2024 में महाराष्ट्र चुनाव में 'धांधली' हुई थी। उन्होंने पांच विशिष्ट कदम बताये जिनके माध्यम से चुनाव में धांधली हुई।

'पहला कदम :चुनाव आयोग की नियुक्ति के लिए पैनल में हेराफेरी करना; दूसरा कदम: फर्जी मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करना; तीसरा कदम: मतदान प्रतिशत बढ़ाना; चौथा कदम: फर्जी मतदान को ठीक उसी जगह लक्षित करना जहां भाजपा को जीतना है; पांचवां कदम: सुबूत छिपाना' -यह देखना मुश्किल नहीं है कि महाराष्ट्र में भाजपा इतनी हताश क्यों थी। लेकिन हेराफेरी मैच फिक्सिंग की तरह है। जो पक्ष धोखा देता है, वह खेल जीत सकता है, लेकिन (यह) संस्थाओं को नुकसान पहुंचायेगा और नतीजों में जनता का विश्वास खत्म कर देगा। सभी चिंतित भारतीयों को सबूत देखना चाहिए। खुद ही फैसला करें। जवाब मांगें,' गांधी ने कहा।

अब कई अन्य विपक्षी नेताओं ने भी जवाब मांगे हैं। लोगों को सीधे चुनाव आयोग से जवाब चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से कथित तौर पर लाभार्थी पार्टी भाजपा और उनके नेता चुनाव आयोग की ओर से जवाब दे रहे हैं। फिर चुनाव आयोग की जवाबदेही कहां है? भारत को निश्चित रूप से संदेह से परे चुनाव आयोग की जरूरत है, जिसे उसे अब बहाल करना चाहिए।

'मुट्ठी' में शीतलपेय

जून में कायदे से गर्मी की, लू की, लू से मरने वालों की और गर्मी की बीमारियों की चर्चा होनी चाहिए, एसी-कूलर की बिक्री की चर्चा होनी चाहिए, पर हो रही है आंधी-तूफान-बारिश और जल-जमाव की। इससे भी कम चर्चा है, गर्मी में सर्दी के नाम पर आग लगाने वाली कोल्ड-ड्रिंक कंपनियों की लड़ाई की। गर्मी के साथ 'इंडियन प्रीमियर लीग' (आईपीएल) का सीजन भी बीत गया और जिस क्रिकेट और 'आईपीएल' को बहाना बनाकर पेप्सी और कोक महाभारत सी जंग लड़ा करते थे, उस ट्राफी का प्रायोजक बनने की लड़ाई लड़ते थे, वह न होने पर एक आभासी युद्ध लड़ते थे, विपणन और विज्ञापन जगत अपनी प्रतिभा को इस सीजन के लिए बचाकर रखता था, वह सब इस सीजन में कहीं नहीं दिख रहा।

एक खामोशी है, जबकि शीतल पेय बाजार तो झाग में, सनसनी में ही ज्यादा भरोसा करता है। उसके बिना न तो चार पैसे की चीज पंद्रह और बीस रुपए में बेची जा सकती है, न एक गैर-जरूरी और एक हद तक नुकसानदेह पेय को हम-आप शान से पी सकते हैं। इसी के सहारे दो बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां हजारों करोड़ का कारोबार कर चुकी हैं और सारे देसी ब्रांड लगभग समाप्त कर चुकी हैं। शीतल-पेय गांव-देहात में भी मिलता है, फैशन की चीज बन गया है, पर इस बार की शांति एक और कारण से ज्यादा चुभने वाली है।

अरविन्द मोहन

एक खामोशी है, जबकि शीतल पेय बाजार तो झाग में, सनसनी में ही ज्यादा भरोसा करता है। उसके बिना न तो चार पैसे की चीज पंद्रह और बीस रुपए में बेची जा सकती है, न एक गैर-जरूरी और एक हद तक नुकसानदेह पेय को हम-आप शान से पी सकते हैं। इसी के सहारे दो बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां हजारों करोड़ का कारोबार कर चुकी हैं और सारे देसी ब्रांड लगभग समाप्त कर चुकी हैं।

इस बार शीतल-पेय बाजार में एक नया खिलाड़ी उतरा है जिसने दमदार दखल दी है। बाजार में आने के साथ ही उसने एक बड़े हिस्से पर कब्जा किया है, स्थापित ब्रांडों को झकझोरा है, वितरकों को निहाल कर दिया है। ग्राहक भी पुरानी कीमत में पेय की मात्रा लगभग दोगुनी पाकर खुश हैं और लग रहा है कि देश का शीतल पेय बाजार बदलने जा रहा है। दशकों पहले मर से गए एक ब्रांड, 'कैम्पा कोला' को 'पार्ले ड्रिंक्स' वाले चौहान से मामूली कीमत पर खरीदकर मुकेश अंबानी और 'रिलायंस' ने एक नए कारोबार में पैर बढ़ाए हैं और वहां के सारे समीकरण बदल दिए है। प्रतिद्वंद्वी ब्रांडों ने कीमत कम की है, मात्रा बढ़ाने की कोशिश भी हो रही है, लेकिन ग्राहक और नीचे तक के वितरक दूसरे ब्रांड से पट जाएं तो काम आसान नहीं रहता। 'पेप्सी' और 'कोक' की तरफ से अभी जवाबी हमला नहीं हुआ है, लेकिन बाजार तो बदलता दिखता है। जानकार मानते हैं कि 'कैम्पा' का शेयर दहाई में आ चुका है।

जिस 'आईपीएल' के प्रसारण में 'कोक' और 'पेप्सी' तथा भारत में बिकने वाले उनके सबसे लोकप्रिय ब्रांड 'थम्सअप' के नए-नए विज्ञापनों की बाढ़ रहती थी, एक-दूसरे को 'गुलाब जामुन' और घटिया स्वाद वाला बताया जाता था, जिस लाल को अपना और नीले को दुश्मन बताया जाता था, वैसा इस बार कुछ नहीं है। दक्षिण के एक हीरो का बहुत औसत किस्म का विज्ञापन ही बार-बार दोहराया जा रहा था और सूचना दे रहा था कि 'कोक-पेप्सी' दौर के पहले जिस 'कैम्पा' का जलवा था, वह वापस लौट आया है। 'पेप्सी' ने 'पार्ले ड्रिंक्स' से काफी कुछ खरीदा था, लेकिन इन ब्रांडों को मरने के लिए छोड़ दिया था।

पुराने मालिक 'बिसलेरी' में ऐसे लग गए कि इन ब्रांडों को सचमुच भूल गए। उनको 'कोक-पेप्सी' की लड़ाई में गुंजाइश नहीं लगी। अब 'रिलायंस' ने नए क्षेत्र में उतरने के फैसले के साथ इस पुराने ब्रांड पर दांव लगाया है। जानकार मानते हैं कि 'रिलायंस' बड़े स्तर के व्यापार, ग्राहक और वितरक को ज्यादा-से-ज्यादा लाभ देने की रणनीति से धमका रहा है। सांसदों और सरकार के सहारे कायदे-कानून बदलवाना, बाजार और विज्ञापन जगत में मारकाट की 'पेप्सी' और 'कोक' वाली रणनीति उसने नहीं अपनाई है।

अपने पांव जमाने के लिए सरकार पर दबाव बनाने तथा बड़ी संख्या में सांसद जुटाकर अपना कानून बनवाने वाली 'पेप्सी' के लिए यह भी कहा जाता है कि उसने एक आयात के बदले तीन निर्यात वाला प्रलोभनकारी दांव भी धोखे वाला खेल किया और जाने किस प्रभाव में समाजवादी कहलाने वाले मंत्री शरद यादव ने उस करार पर दस्तखत कर दिए। उस करार में यह नहीं लिखा था कि-शीतलपेय का 'कन्संट्रेट' जितनी मात्रा में आयात होगा, निर्यात भी शीतलपेय का ही होगा। हमने देखा कि 'पेप्सी' ने किस तरह छोटे निर्यातकों को थोड़े ज्यादा पैसे देकर उनके बासमती, चाय, झींगा, मसाले और इसी तरह की चीजों की खेप पर अपना मोहरा लगाकर, अपने निर्यात का कोटा पूरा किया। उसने एक पैसे का भी शीतलपेय निर्यात नहीं किया।कानून बदलते ही 'कोक' भी पधार गया तथा स्वदेशी की ठेकेदारी करने वाले रमेश चौहान ने एक मोटा पैसा लिया और ज्यादातर धंधों से हाथ खींच लिया। उसके बाद काफी कुछ हुआ, लेकिन एक अजीब बात हुई कि 'थम्सअप' ही बाजार-लीडर बना रहा। यह एक अर्थ में शीतलपेय बाजार में देसी स्वाद के बने रहने का प्रमाण था। संभव है मुकेश अंबानी और उनकी टोली को यह चीज 'कैम्पा' के तीनों ब्रांड उतारने की बड़ी वजह लगी हो, पर उनसे भी पहले यह बात 'पेप्सी' जैसी कंपनी को समझ आ गई थी-लस्सी, नींबू पानी और सत्तू का शरबत पीने वालों से भी खतरा देखकर उसने पहले साल से ही आलू, टमाटर, कीनू, अमरूद, अन्नानास वगैरह की खेती और स्नैक्स के कारोबार में हाथ लगाया। नमकीन, भुजिया और चिप्स का धंधा भी जोर-शोर से शुरू किया।

देखा-देखी 'हल्दी राम' और 'बीकानेर वाला' टाइप स्थानीय स्नैक-निर्माताओं ने भी बाजार में प्रवेश किया और अब 'पेप्सी' वहां आराम की स्थिति में है। पिछले साल का उसका मुनाफा 883 करोड़ का रहा था, जबकि उसने शीतल पेय के धंधे से लगभग हाथ खींच लिया है। वह अब सिर्फ 'कन्संट्रेट' आयात करके अपने 'फ्रेंचाईजी' वालों को देता है। 'वरुण ब्रेवरीज' को ही लगभग पूरा काम दे दिया गया है। दूसरी ओर 'कोक' के बारे में यह माना जाता है कि उसको भी हिन्दुस्तानी बाजार से ज्यादा लाभ नहीं हो रहा है। उसका धंधा एशिया क्षेत्र में होता है जिसमें जापान जैसे लाभ वाले देश हैं, इसलिए उसका घाटा या कम मुनाफा छुपा रहता है। इन सबके मद्देनजर और बाजार के शुरुआती नतीजों से लगता है कि 'रिलायंस' ने एक और बाजार को मुट्ठी में करने की पहल कर दी है।

(लेखक देश के वरिष्ठ पत्रकार है।)

आपके पत्र

आओ हम देशवासी मिलकर सहेजे ये जीवन की बूंदें

भीषण गर्मी में पानी की कमी महसूस की जा रही है। वही मानसून आंख मिचौनी कर रहा है। आधा जून बीत जाने के बाद भी बारिश की राह ताकते किसानों को निराशा हाथ लगी है। पूर्वोत्तर राज्य जहा बाढ़ से कई घर बेघर हो गए है,वहां राहत कार्य जोरों पर है। जल संकट की जिम्मेदारी पूरी तरह कृषि क्षेत्र पर डालना अनुचित है। आज देश में पानी की जितनी खपत है,वहां अनुपात में जलस्त्रोतों को संरक्षित करने की कोई मजबूत व्यवस्था नही है। विशेषज्ञ के मुताबिक देश में उपलब्ध कुल 70 प्रतिशत हिस्सा सिंचाई में खर्च होता है। हालांकि जल संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य करने वाली सरकार का मानना है कि जल संकट की जिम्मेदारी पूरी तरह कृषि क्षेत्र पर डालना अनुचित है। भीषण गर्मी से जनजीवन प्रभावित है, वही नदी-तालाबों और कुएं में पानी का स्तर नीचे चला गया है। हकीकत में उद्योग-धंधे, फैक्टरियां व कारखाने अधिक पानी की खपत करते हैं और अपने अपशिष्ट से जल को प्रदूषित भी करते हैं। कई बार फैक्टरियां एक ही बार में उतना पानी जमीन से खींच लेती है,जितना एक गांव पूरे महीने में भी नहीं खींच पाता। गांवों में हैंडपम्पों और बोरिंग मशीनों से जमीन के निचले स्तर से पानी खींच कर उपयोग में लाया जा रहा है। यह प्रकृति के साथ छेड़छाड़ से प्रकृति का रौद्ररूप अतिवृष्टि, बाढ़ और भूकम्प में तब्दील होता है। उद्योगों के लिए 50 अरब क्यूबिक मीटर है जिसकी आपूर्ति भूगर्भीय जल संसाधनों से होती है मगर कुप्रबंधन के कारण अधिकांश पानी बर्बाद हो जाता है। सुरसा के मुंह की तरह बढ़ते जा रहे औद्योगिकीकरण और अवैध वन कटान से नदियां प्रदूषित हो रही है। भूजल संकट भी इसकी वजह से अत्यधिक दोहन के कारण आधे से अधिक शहरी गरीब प्रदूषित जल पीने को मजबूर है। हैंडपम्पों के पानी में लेड आर्सेनिक जैसे घातक रसायनों की मोजूदगी के चलते लोग लिवर व किडनी की बीमारी, हड्डियों का टेढ़ापन जैसी बीमारी से जूझ रहे है। यह याद रहे शुद्ध जल और शुद्ध खाना ही जीवन को लम्बी उम्र प्रदान करते हैं। भारत के हर व्यक्ति को औसतन साठ लीटर पानी मिलना चाहिए। देश में बढ़ती आबादी भूजल का अत्यधिक दोहन ग्लोबिंग वार्मिंग इत्यादि के कारण पानी ऐसी वस्तु बन जायेगा।जैसा कि आज हम दूध ,घी और तेल का करते हैं। हम सभी को समझना होगा कि जल जीवन की मूलभूत जरूरत है। यदि जल संकट गहरा गया तो सारा का सारा विकास धरा रह जायेगा। हमारी गलतियों के कारण बोरिंगों की खुदाई वैध और अवैध तरीको से हो रही है। भूमिगत जल स्तर का सीमा से अधिक दोहन हो रहा है।

नदियों के किनारे बसे शहरों ने अपने इस प्राकृतिक जलस्त्रोतों को इतना अधिक दोहत व प्रदूषित कर दिया है कि आज ये नदिया शहरों की प्यास नहीं बुझा पाती हैं। अंधाधुंध शहरीकरण और नागरिकों की लापरवाही व प्रशासनिक उपेक्षा ने देश मे कुएं,बावड़िया, झीलें आदि परम्परागत जलस्त्रोतों की अत्यंत समृद्ध विरासत को भी बेतरह नष्ट कर डाला है। मिट्टी गाद भर जाने अधिकांश प्राकृतिक जलस्त्रोत मृतप्राय हो चुके है। चेतना का वक्त है। बारिश जल का उपहार प्रकृति ने हमें हर साल देती है,पर हमारी लापरवाही से वह बेकार हो जाता है। जलग्रहण का मूल सिद्धांत है कि पानी पानी दौड़े नहीं बल्कि चले और जमीन की गहराइयों में ऐसा समा जाए। इस प्रकार न केवल जल संकट से जूझते शहर अपनी तत्कालीन जरूरतों के लिए पानी जुटा पाएंगे बल्कि भूमिगत जल भी रिचार्च हो जाएगा। हमारी सभ्यता और संस्कृति नदियों के किनारे ही विकसित हुई है। जैव विविधता, पर्यावरणीय संतुलन की जीवनरेखा भी हमारी नदियों से जुड़ी हुई है। मनुष्यों की कारगुजारियों के चलते जल संकट आज देश की सर्वाधिक गम्भीर समस्या बनी हुई है। वर्षा जल संचय को समृद्ध संस्कृति को पुनर्जीवित करने का संकल्प करें।हमारी सरकार कृषि और जल संचय के सारे उपाय किये है। उसी के बदौलत किसान के चेहरे की मुस्कराहट देखी जा सकती है।

-कांतिलाल मांडोत, सूरत

ललित सुरजन की कलम से

देशबन्धु: चौथा खंभा बनने से इंकार- 20

'मेरे निमंत्रण पर सिंधियाजी मायाराम सुरजन फाउंडेशन में व्याख्यान देने 1998 में रायपुर आए। उन्हें देखने-सुनने मेडिकल कॉलेज सभागार में भीड़ उमड़ पड़ी थी। इस कार्यक्रम में अजीत जोगी भी उनके साथ थे। कार्यक्रम के बाद सिंधियाजी हमारे घर भोजन के लिए आए, जहां नगर के अनेक बुद्धिजीवियों से उनका मिलना हुआ। यह दिलचस्प तथ्य है कि एक समय वह भी आया जब अर्जुनसिंह और सिंधिया दोनों नरसिंहराव के खिलाफ़ एकजुट हुए। अभी वह हमारी चर्चा का विषय नहीं है।'

'सिंधियाजी से मेरी आखिरी भेंट लोकसभा के उनके कक्ष में हुई। वे उस रोज मुझे बहुत उदास लगे। कॉफी पीते-पीते उन्होंने कहा- ललितजी, अब सब तरफ से मन ऊब गया है। लगता है जितना जीवन जीना था जी चुके हैं। मैंने उन्हें टोकते हुए कहा- ऐसा क्यों कहते हैं। आप और हम एक उम्र के हैं। अभी तो हमारे सामने लंबा समय पड़ा है। आपको तो अभी न जाने कितनी जिम्मेदारियां सम्हालना है। यह प्रसंग जून-जुलाई 2001 का है। दो माह बाद ही 30 सितंबर को विमान दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई। मैं आज भी सोचता हूं कि क्या उन्हें मृत्यु का पूर्वाभास होने लगा था!!'

(देशबन्धु में 22 अक्टूबर 2020 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2020/10/20.html

पावन प्रसंग

रुकें नहीं, बढ़ते रहें साधना के पथ

एक वृद्ध व्यक्ति , बीमार व्यक्ति और एक मृत व्यक्ति को देखकर सिद्धार्थ को लगा कि इस संसार में दु:ख-ही-दु:ख है और तभी उनके मन में वैराग्य की भावना जाग पड़ी और अचानक एक रात वे अपनी पत्नी यशोधरा, पुत्र राहुल सहित समस्त सगे-संबंधियों व राजमहल के सुख-वैभव का त्यागकर जीवन के सत्य की खोज में निकल पड़े। वर्षों तक तप-साधना करते हुए अंततः उन्हें एक पीपल के वृक्ष के नीचे परम ज्ञान की प्राप्ति हुई और वे सिद्धार्थ से तथागत बुद्ध हो गए।

भगवान बुद्ध की यह कहानी सदियों से सुनी और सुनाई जा रही है और यह कोटिशः लोगों को प्रेरित करती रही है, पर बुद्ध की यह कहानी सुनने और सुनाने में, पढ़ने और पढ़ाने में तो बहुत सरल और आसान प्रतीत होती है, पर यह कहानी किसी के जीवन में उतनी ही सरलता से घटित नहीं होती। किसी के जीवन में जब ऐसी कहानी घटित होती है, तब वह पग-पग पर उस व्यक्ति की परीक्षा लेती है। प्रकृति पग-पग पर उसकी तपस्या की, साधना की, धैर्य की, पात्रता की परीक्षा लेती है। तब जाकर कोई सिद्धार्थ – बुद्ध बन पाता है।

साधक को, सिद्धार्थ को वर्षों तक साधना-पथ पर अगणित कठिनाइयों, प्रतिकूलताओं से होकर गुजरना पड़ता है और जो साधक, जो सिद्धार्थ साधना-पथ की चुनौतियों, कठिनाइयों, प्रतिकूलताओं, संघर्षों को धैर्य व संयमपूर्वक सहता हुआ आगे बढ़ता जाता है- अंततः उसे ही विजयश्री प्राप्त होती है। उसे अपने लक्ष्य की प्राप्ति होती है।

सिद्धार्थ को बुद्ध बनने में भी अनगणित कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। घर-परिवार, राजमहल के सुख-वैभव को छोड़कर सिद्धार्थ ने सत्य की खोज में स्वयं को समर्पित किया तो स्वाभाविक ही था कि उन्हें अनेकों कष्ट-कठिनाइयों से मुकाबला करना पड़ा हो। राजसी सुविधाओं के अभ्यस्त सिद्धार्थ के लिए अरण्यवास वैसे ही असुविधाजनक रहा था और फिर ऊपर से कठिन तितिक्षा, साधनाएं और कठोर व्रत-उपवास। भोजन की मात्रा घटाते-घटाते एकदम निराहार रहने लगे, वस्त्र इतने कम हो गए कि दिशाएं ही वस्त्र बन गईं। फिर भी लक्ष्य अभी दूर ही रहा। कभी मन में यह विचार भी आता कि मन की शांति ही मृगतृष्णा है। साधना करने से क्या लाभ? पर इन विरोधी विचारों के बीच से गुजरते हुए भी वे लक्ष्य की ओर अग्रसर होते रहे।

सर्दी-गर्मी, धूप-बारिश, भूख-प्यास आदि को सहते हुए वे अग्रसर होते रहे, पर कठिनाइयां, विषम परिस्थितियां ऐसी थीं, जो समाप्त होने का नाम ही नहीं ले रही थीं। अस्तु आखिरकार लंबे समय तक कष्ट-कठिनाइयों को सहते हुए, झेलते हुए अब सिद्धार्थ का धैर्य भी जवाब देने लगा था।

जिस धैर्य का संबल पकड़कर वे साधना-समर में उतरे थे वह अब जवाब देने लगा और उनका मनोबल, संकल्प डगमगाने लगा और जो सिद्धार्थ साधना-पथ पर अब से पूर्व अग्रसर हुए जा रहे थे, वे विचलित होने लगे और घर वापस लौटने की तैयारी करने लगे। जब वे घर की ओर लौट रहे थे तो रास्ते में एक ठंडे जल की झील आई। किनारे खड़े होकर वे उसे देखने लगे। तभी उनकी दृष्टि एक गिलहरी पर पड़ी, जो बार-बार झील में डुबकी लगाती, बाहर आती, रेत पर लोटती पुनः झील में डुबकी लगाने के लिए दौड़ पड़ती। यह देखकर बुद्ध को बड़ा आश्चर्य हुआ। देर तक वे उसे देखते रहे, जब गिलहरी की क्रिया में कोई अंतर नहीं आया तो आखिर वे पूछ ही बैठे- नन्ही गिलहरी, यह तुम क्या कर रही हो? इस झील ने मेरे बच्चों को खा लिया है और अब मैं इसे खाली करके ही रहुंगी। गिलहरी ने उत्तर दिया। तब बुद्ध ने पूछा-यह भला कैसे संभव हो सकता है। मुट्ठी भर रेत ले लेकर तुम कब तक इसे सुखा पाओगी।

गिलहरी ने कहा-यह इस जनम में संभव नहीं है फिर भी मैं इस झील को सुखाना नहीं छोड़ूंगी और अब मेरे पास बात करने का समय नहीं है। मैं यह काम अधूरा नहीं छोड़ सकती। गिलहरी का जवाब सुनकर बुद्ध का आत्मविश्वास लौट आया। और पुनः वे साधना में लीन हो गए।

-अखण्ड ज्योति

सार-समाचार

समय पर प्रकरणों का निराकरण न करने पर 8 तहसीलदारों पर अर्थदण्ड

देवास, देशबन्धु। कलेक्टर ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2010 के अंतर्गत निहित प्रावधानों के तहत अधिसूचित सेवाओं का समयावधि में निराकरण नहीं करने पर जिले 8 तहसीलदारों पर दण्ड लगाया है। जिसमें अधिसूचित सेवाओं का समयावधि में निराकरण नहीं करने पर नायब तहसीलदार कन्नौद राकेश कुमार यादव पर 3 हजार रूपये, तहसीलदार सोनकच्छ संजय गर्ग पर 2 हजार 500, अपर तहसीलदार सोनकच्छ लखनलाल सोनानिया पर 2 हजार 500 रूपये, तहसीलदार देवास रवि शर्मा पर 2 हजार 500 रूपये, नायब तहसीलदार टप्पा चिड़ावद नेहा शाह पर 2 हजार 500 रूपये, नायब तहसीलदार पीपलरावां योगेन्द्रसिंह राठौर पर 2 हजार 500 रूपये, नायब तहसीलदार टप्पा बरोठा दीपिका परमार पर 500 रूपये, नायब तहसीलदार बागली नीरज प्रजापति पर 500 रूपये की शास्ती अधिरोपित की है।

दोपहर में उमस भरी गर्मी से बेहाल हुए लोग, पंखे-कूलर फेल

सिलवानी, देशबन्धु। लगातार इन दिनों तापमान में उछाल बना है। बुधवार गुरूवार को दिन भी दिन का पारा 42 डिग्री सेल्सियस रहा। दोपहर में गर्म हवा के साथ तेज तपन बनी हुई थी। लोग उमस भरी गर्मी से बेहाल हुए। इनदिनों बढ़ती गर्मी के चलते पंखे कूलर फेल हो गए हैं। रात के तापमान में उछाल बने होने से अब लोगों को रात में भी चैन नहीं मिल रहा है। सुबह से ही गर्म हवा का प्रकोप बना हुआ था। दोपहर में तापमान ने जोर पकड़ लिया। 42 डिग्री पारा पहुंच गया। जिस कारण गर्मी चरम पर पहुंच गई। इस दौरान निकलना लोगों का मुश्किल हो गया। रात में भी उमस बनी रही। जिसके चलते रात का तापमान भी आज दूसरे दिन 28 डिग्री सेल्सियस रहा। अब रात में भी गर्मी का असर बना हुआ है।

पुलिस उपनिरीक्षक योगिता उत्कृष्ट कार्य अवॉर्ड से सम्मानित

नागदा, देशबन्धु। उज्जैन जिले के नागदा थाने में पदस्थ उपनिरीक्षक सुश्री योगिता उपाध्याय को प्रशंसनीय कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया। विशेष पुलिस महानिदेशक महिला सुरक्षा पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा उनको अवॉर्ड से नवाजा गया। जानकारी के मुताबिक पुलिस विभाग द्वारा समय-समय पर सौंपे गए कार्यो को मेहनत एवं लगन से संपादित करने पर यह अवॉर्ड दिया जा रहा है। उपनिरीक्षक योगिता को एक सम्मानजनक सम्मान राशि से पुरस्कृत करने का उल्लेख है। गौरतलब है कि नागदा थाने की उर्जा डेस्क प्रभारी योगिता ने जनता में सदव्यवहार से लोकप्रियता हासिल की है। विशेषकर महिला अपराधों में नियंत्रण के नवाचार तथा महिला के अधिकारों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने में बड़ा योगदान है। उपनिरीक्षक योगिता उपाध्याय का मानना है कि यह सम्मान जनता के प्रति पुलिस की समर्पण भावना का प्रतीक है। इस कार्य के लिए शुभचितंकों से मिली प्रशंसा सदैव याद रहेगी।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

छतरपुर, देशबन्धु। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में बुधवार रात करीब साढे 11 बजे छतरपुर के रेलवे स्टेशन पर प्रयागराज से आई ट्रेन से उतरते समय एक धक्का लगने से एक यात्री की दर्दनाक मौत हो गई है। मृतक की पहचान बिजावर के निकट ग्राम बक्सोंई निवासी शिवलाल अहिरवार 45 वर्ष के रुप में की गई है। बताया गया है शिवलाल अपना इलाज कराने नैनी गए थे। वापसी के दौरान जब वह छतरपुर स्टेशन पर ट्रेन से उतर रहे थे, तभी भीड़ में पीछे से धक्का लगने से उनका पैर फिसल जाने से वे ट्रेन से नीचे गिरकर घायल हो गए।

प्रशासनिक अधिकारियों ने लिया नुकसान का जायजा

आंधी-तूफान का कहर, चिरोली और मरमटा में कई मकानों को नुकसान

सांची, देशबन्धु। नगर से लगभग दस किलोमीटर दूर स्थित ग्राम चिरोली और मरमटा में बुधवार दोपहर अचानक आए तेज आंधी-तूफान ने भारी तबाही मचाई। तेज हवाओं के चलते दर्जनों मकानों के छप्पर उड़ गए, कच्ची दीवारें गिर गईं, और सैकड़ों पेड़ धराशायी हो गए। कई बिजली के खंभे भी टूटकर सड़कों पर गिर पड़े, जिससे दोनों गांवों की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस भीषण तूफान से लगभग 80 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। कई घरों के कबेलू व छप्पर हवा में उड़ गए, जबकि कुछ मकानों की दीवारें पूरी तरह जमींदोज हो गईं। भारी नुकसान की चपेट में आए ग्रामीणों में जगदीश लोधी, मानसिंह लोधी, रेवाराम, हिम्मत सिंह लोधी, प्रताप सिंह लोधी, नन्नू सिंह लोधी, राजेश वंशकार, मोहन सिंह, जीवन सिंह, राजकुमार, मनफूल, सुरेंद्र सिंह सहित दर्जनों परिवार शामिल हैं। तूफान के कारण हिम्मत सिंह की बोलेरो पर दीवार गिरने से वह क्षतिग्रस्त हो गई, वहीं कई ट्रैक्टर और बाइकें भी मलबे में दब गईं। कुछ मवेशियों की मौत की भी खबर है, जबकि अनेक पशु घायल हो गए। सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया और अतिरिक्त तहसीलदार नियति साहू, हल्का पटवारी महेश सूत्रधार सहित राजस्व विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर हालात का जायजा लिया और राहत कार्यों की रूपरेखा तय की।

इनका कहना है

चिरोली और मरमटा गांव में आंधी-तूफान से हुए नुकसान का निरीक्षण कर लिया गया है। संबंधित पटवारी को सर्वे कर प्रतिवेदन शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। शासन के नियमानुसार सभी प्रभावितों को शीघ्र आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

नियति साहू, अतिरिक्त तहसीलदार, सांची।

प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 11 वर्षों में आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखी है: कृष्णा गौर

रायसेन, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 2047 विकसित भारत के संकल्प से सिद्धि के गौरवशाली 11 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा जिला कार्यालय में गुरुवार को राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने पत्रकार वार्ता की। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, जिला उपाध्यक्ष राकेश तोमर, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी हरि साहू, कार्यालय मंत्री जीतू ठाकुर, मीडिया विभाग से सीएल गौर उपस्थित रहे। मंत्री कृष्णा गौर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जन-आधारित और पारदर्शी शासन की प्रतीक है, जिसने बीते 11 वर्षों में आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखी है। इसी कारण हम 'विकसित भारत' और 'अमृतकाल' को जमीन पर उतरते हुए देख रहे हैं। पिछले 11 वर्षों में भारत ने गरीब और जन कल्याण के अभूतपूर्व कार्य किए हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार रिफॉर्म, परफार्म और ट्रांसफार्म की अवधारणा को चरितार्थ कर रही है। वर्ष 2014 से पहले देश तुष्टिकरण और विभाजन की राजनीति में डूबा था, लेकिन मोदी जी के नेतृत्व में अब पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस की संस्कृति स्थापित हुई है। अब न्यू नॉर्मल, न्यू ऑर्डर बन चुका है।

श्रीमती गौर ने कहा कि आज देश की जनता भी कह रही है कि मोदी हैं तो मुमकिन है। आम आदमी की सोच बन गई है कि मोदी जी समस्याओं का समाधान करेंगे। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रहित में अनुच्छेद 370 को हटाना, तीन तलाक को खत्म करना, नया वक्फ कानून और सीएए लागू करना तथा विधायी निकायों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण जैसे साहसिक और ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीति में अब निर्णायकता और आक्रामकता एक 'न्यू नॉर्मल' बन गई है। सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के बाद ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक छवि को दुनिया भर में स्थापित किया है। पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने एससी-एसटी-ओबीसी समेत समाज के सभी वर्गों के सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है। महिलाओं को नेतृत्व में लाने के लिए उन्हें सेना, शिक्षा, रोजगार और स्वरोजगार के हर क्षेत्र में अवसर दिए गए हैं। देश नक्सलवाद के खात्मे की ओर बहुत तेजी से बढ़ रहा है।

केंद्र सरकार ने एससी-एसटी-ओबीसी समेत समाज के सभी वर्गों के सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है। मूलभूत सिद्धांत पिछले 11 वर्षों में अपनाया गया है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच पर आधारित है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास। अनेक चुनौतियाँ आईं, लेकिन इसके बावजूद हमारा मुख्य सिद्धांत हमेशा स्पष्ट और मजबूत रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी का स्वागत

बाड़ी, देशबन्धु। शोभापुर में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होने सड़क मार्ग से जा रहे कांग्रेस प्रदेश कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी का राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 45 पर बाड़ी के निकट ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के सदस्यों ने फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष के आगमन की सूचना पाकर सैकड़ों कार्यकर्ता राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहुंच गए थे। बाड़ी पहुंचते ही कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने पार्टी का झंडा लहराते हुए जोरदार नारेबाजी कर प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का स्वागत किया। अल्प चर्चा के दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओं को संगठन को मजबूत करने का आवाहन किया। प्रदेश अध्यक्ष ने आश्वासन दिया कि सक्रिय एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को संगठन में सम्मानजनक पद व दायित्व की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इस मौके पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बाड़ी के अध्यक्ष मनीष ठाकुर, प्रदेश कांग्रेस महामंत्री ताराचंद साहू सहित अन्य सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मामूली बात पर मारपीट, 3 घायल

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के नौगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम देवपुर में एक परिवार के दो पक्षों में मामूली बात पर विवाद में जमकर मारपीट हुई। जिसमें 3 लोग घायल हो गए हैं। देवपुर निवासी 31 वर्षीय नाथूराम उर्फ नत्थू पाल ने बताया वह अपने नवनिर्मित मकान की तराई कर रहा था। वहीं पास में उसके चाचा प्यारेलाल पाल का भूसा रखा था। जिस पर थोड़ा पानी गिर गया था। भूसा गीला होने की बात कहते हुए प्यारेलाल पाल ने विवाद शुरु कर दिया।

शिवाजी फाउंडेशन ने आयोजित किया रक्तदान शिविर

रायसेन, देशबन्धु। देवरी में रेस्ट हाउस परिसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्य प्रदेश शासन ब्लड कलेक्शन एंड ट्रान्सपोर्टेशन वेन एवं जिला चिकित्सालय रायसेन के डॉक्टर के कुशल चिकित्सा परामर्श के बाद रक्तदान वेन के अंदर रक्तदान किया गया। जिसमें देवरी एवं क्षेत्र के युवाओं ने रक्तदान किया। जिला चिकित्सालय रायसेन से आए डॉक्टरों ने बताया कि ब्लड देना एकदम सुरक्षित है। यदि भविष्य में ब्लड में कोई रोगों की संभावना दिखाई देती है तो ब्लड डोनेट करने वाले को फोन लगाकर उचित परामर्श दिया जाता है जिससे वह समुचित समय- सीमा में संभावित बीमारियों को रोक सकता है। ज्ञात हो कि कल मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव बरेली आ रहे हैं। उससे पूर्व बरेली, उदयपुरा, देवरी तीनों जगह पर युवाओं ने बढ़ चढ़कर शिविर में जाकर रक्तदान किया है। यह रक्तदान शिवाजी फाउंडेशन बरेली के तत्वाधान में आयोजित किए गए हैं। इसमें लगभग 50 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में नगर परिषद के अध्यक्ष रविंद्र रघुवंशी, भाजपा के मंडल अध्यक्ष सुनील लोधी, पूर्व सांसद प्रतिनिधि यशपाल सिंह राजपूत, जनपद सदस्य महेश रघुवंशी, मंडल मीडिया प्रभारी ऋषभ जैन, भाजपा युवा नेता प्रिंस जैन, आशीष चौरसिया, कुलदीप चौबे, आशु सोनी, हेमेंद्र धाकड़ आदि अन्य युवा शामिल है।

किसान जागृति संगठन ने मांगों को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

रायसेन, देशबन्धु। किसान जागृति संगठन ने गुरुवार को कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम मांगों का एक ज्ञापन सौंपा। किसान जागृति संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र कुमार राजू भैया ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार मूंग का पंजीयन करें, समर्थन मूल्य में खरीदी ना होने के कारण किसानों को 3000 पर कुंटल का नुकसान हो रहा है जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति खराब हो रही है। सरकार तत्काल मूंग खरीदी केंद्र प्रारंभ करें। प्रदेश में लगभग 16-17 जिलों के किसानों द्वारा मूंग फसल का उत्पादन किया गया है और रायसेन जिले सहित मध्य प्रदेश के कई जिलों में प्याज का भी उत्पादन होता है प्रत्येक वर्ष मुंग की खरीदी शासन द्वारा की जाती थी परंतु इस वर्ष समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदना नहीं करना दुर्भाग्यपूर्ण है। संगठन की मांग है कि प्याज के भाव बाजार में बहुत कम होने के कारण किसानों को प्याज को फेंकना पड़ रहा है मध्य प्रदेश शासन ने विशेष योजना के तहत किसानों की प्याज खरीदी थी जिससे कि प्याज किसानों को उनकी फसल का मूल्य प्राप्त हो गया था, मध्य प्रदेश सरकार किसानों की प्याज 20 प्रति किलो से खरीदी जाए। कोडिया डेम बनाया जाये ,बेतवा नदी का पानी रायसेन जिले मे बर्बाद जाता है बेतवा का पानी रोककर बेतवा नदी पर मकोडिया डेम बनाया जाए जिससे रायसेन सहित साँची सलामतपुर के नागरिकों को पेयजल हेतु शुद्रजल तथा रायसेन गेरतगंज तहसील के 200 गावों की भूमि सिंचित होगी और भूमिगत जलस्तर मे बढ़ोत्तरी होगी मध्य प्रदेश में प्रत्येक गांव का सीमांकन किया जाए जिससे किसानों को उनकी वास्तविक जमीन प्राप्त हो सके। तहसीलदारों से मजिस्ट्रेट पावर वापस लिए जाएं और उनको विभागीय अधिकार ही दिया जाए जिससे कि किसानों के साथ न्याय हो सके। ज्ञापन देने वालों में किसान जागृति संगठन के प्रमुख इरफान जाफरी प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार रज्जू भैया जिला अध्यक्ष रंजीत यादव महासचिव रामस्वरूप राठौर नारायण सिंह राजपूत जमना लोधी विजय चौकसे रूपेंद्र पाल बशीरुद्दीन जाहिद खान मर्दन सिंह लोधी मलखान सिंह मीणा रामकिशन लोधी भूरा सिंह लोधी गौरव चौधरी एवं अन्य किसान शामिल है।

बीआरसी कार्यालय में प्रशिक्षण, शिक्षकों को दी नई शिक्षण तकनीकों की जानकारी

सिलवानी, देशबन्धु। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार दिन गुरुवार को बीआरसी कार्यालय सिलवानी में कक्षा पहली एवं दूसरी के शिक्षकों को एफएलएन फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमैरेसी पद्धति से पढ़ाने हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में कुल 76 शिक्षकों ने भाग लिया। बीआरसी कार्यालय के कक्ष क्रमांक 1 में कक्षा एक के 42 शिक्षक तथा कक्षा दो में 38 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण का संचालन राज्य शिक्षा केंद्र से प्रशिक्षित चार मास्टर ट्रेनर्स द्वारा किया गया। मास्टर ट्रेनर मनीष सोनी, संगीता नामदेव, सौरभ जैन तथा ललित धुर्वे ने शिक्षकों को नवीनतम शिक्षण तकनीकों से अवगत कराया। विकासखंड स्त्रोत समन्वयक महजबीं सिद्दीकी ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रोजेक्टर के माध्यम से दृश्य-श्रव्य सामग्री का भी उपयोग किया गया जिससे शिक्षकों को व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्राथमिक स्तर पर छात्रों की भाषा एवं गणना क्षमता को सशक्त बनाना है।एफएलएन मिशन के तहत यह प्रशिक्षण शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बजरंग चौराहा अनगढ़ हनुमान मंदिर के सामने श्रद्धालुओं को होती है परेशानी

सिलवानी, देशबन्धु। नगर के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शुमार बजरंग चौराहा पर स्थित श्री अनगढ़ हनुमान मंदिर में सुबह के समय श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है, लेकिन इसके बावजूद मंदिर परिसर और उसके आस-पास की अव्यवस्थाएं लगातार श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का सबब बन रही हैं। हर सुबह मंदिर के सामने आम नागरिकों का जमावड़ा लग जाता है, जिसमें कुछ लोग बिना किसी उद्देश्य के मंदिर के सामने खड़े रहते हैं। ऐसे लोग न केवल रास्ते में बाधा बनते हैं बल्कि मंदिर के सामने गंदगी फैलाने का काम भी करते हैं। इससे न केवल श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश करने में कठिनाई होती है, बल्कि मंदिर की गरिमा को भी ठेस पहुंचती है। मंदिर समिति के कोषाध्यक्ष महेश नामदेव ने इस संबंध में पुलिस थाना, एसडीएम, एसडीओपी और नगर परिषद तक शिकायत पहुंचाई है। उन्होंने मांग की थी कि मंदिर के आसपास अव्यवस्थित भीड़ पर नियंत्रण हो, साथ ही नियमित रूप से सफाई की व्यवस्था की जाए और अनावश्यक रूप से खड़े होने वाले लोगों पर निगरानी रखी जाए। हालांकि, नामदेव द्वारा की गई कई शिकायतों और बार-बार ध्यानाकर्षण के बावजूद अब तक कोई भी ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है। न तो पुलिस प्रशासन ने मंदिर क्षेत्र में निगरानी बढ़ाई है और न ही व्यवस्था सुधार के लिए कोई कदम उठाया गया है। स्थानीय श्रद्धालुओं और नागरिकों का कहना है कि यदि इस समस्या का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो यह धार्मिक भावना को आहत करने के साथ-साथ नगर की छवि को भी धूमिल कर सकता है। श्रद्धालु रमेश यादव ने कहा हर दिन मंदिर में दर्शन के लिए आना कठिन होता जा रहा है। सड़क पर गंदगी और भीड़ के कारण माहौल अव्यवस्थित हो चुका है। मंदिर समिति ने एक बार फिर प्रशासन से मांग की है कि वे तत्काल मंदिर परिसर और उसके आसपास की व्यवस्था को सुधारें, नियमित सफाई की व्यवस्था करें और बेवजह खड़े होने वाले लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

बाल मजदूरी रोकने के लिए हमें मिलकर प्रयास करने होंगे: न्यायाधीश

- बाल श्रम निषेध दिवस पर कार्यशाला आयोजित

रायसेन, देशबन्धु। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष अनिल कुमार सोहाने की गरिमामयी उपस्थिति में इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल रिसर्च एण्ड डेबलपमेंट (एसआईआरडी) सामाजिक अनुसंधान एवं विकास संस्थान'' एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायसेन के संयुक्त तत्वाधान एवं इंटरनेशनल जस्टिस मिशन रायसेन के समन्वय से गरुवार को बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर होटल अमोघ रायसेन में अर्ध दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि प्रधान जिला न्यायाधीश अनिल कुमार सोहाने, विशेष अतिथि धर्मपाल सिंह सिवाच पंचम जिला न्यायाधीश, सुनील कुमार शौक चतुर्थ जिला न्यायाधीश, अजय कुमार यदु मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रायसेन एवं श्रीमती हर्षिनी यादव सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायसेन, लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स रायसेन, पैनल अधिवक्ता एवं पैरालीगल वालेंटियर्स उपस्थित रहे। साथ ही कार्यशाला में श्रम विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला सतर्कता समिति रायसेन, बाल कल्याण समिति रायसेन एवं किशोर न्याय बोर्ड रायसेन के पदाधिकारी भी इस कार्यक्रम में सम्मिलित रहे।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि प्रधान जिला न्यायाधीश अनिल कुमार सोहाने द्वारा अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा गया कि बाल मजदूरी रोकने के लिए हमें मिलकर प्रयास करने होंगे। शिक्षा को बढ़ावा देकर और गरीबी को कम करके हम इस कुप्रथा को जड़ से मिटा सकते हैं। विशेष अतिथि धर्मपाल सिंह शिवाच, पंचम जिला न्यायाधीश द्वारा बाल श्रम (निषेध और उन्मूलन) अधिनियम 1986 के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि यह भारत में मुख्य कानून है जो 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी प्रकार के काम पर लगाने पर रोक लगाता है। इसमें खतरनाक प्रक्रियाओं में काम करने वाले 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों पर भी प्रतिबंध है। सुनील कुमार शौक चतुर्थ जिला न्यायाधीष द्वारा बाल श्रम के संबंध में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा गया कि इस सामाजिक बुराई से लड़ने के लिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि बच्चों को मुफ्त शिक्षा का अधिकार मिले एवं ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में बाल श्रम से होने वाले खतरों के प्रति जागरूकता पैदा की जाए ताकि इस कुप्रथा को पूरी तरह से ख़त्म किया जा सके। कार्यशाला में अजय कुमार यदु मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रायसेन द्वारा अपने वक्तव्य में बाल श्रम के संबंध में जानकारी देते हुए कहा गया कि बाल मजदूरी का अर्थ है कम उम्र के बच्चों का खतरनाक और शोषणकारी परिस्थितियों में काम करना। कार्यशाला में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव और कार्यक्रम मार्ग दर्शिका श्रीमती हर्षिनी यादव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं के बारे में बाल अधिकारों से संबंधित और बंधुआ मजदूरों से संबंधित अधिकारों के बारे में बताया और इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों जैसे श्रम विभाग महिला बाल विकास विभाग, बाल कल्याण समिति, सामाजिक न्याय विभाग, किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य प्राधिकरण ने सभी पैनल अधिवक्ता और सामाजिक अनुसंधान एवं विकास संस्थान की और से अधिवक्ता सूरज सिंह बघेल ने बंधुआ मजदूर प्रतिषेध अधिनियम 1976 विधिक व्याख्यान दिया गया।

सार समाचार

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में अभ्यास वर्ग आयोजित

सिरोंज, देशबन्धु। विद्या भारती की योजना अनुसार सरस्वती शिशु विद्या मंदिर लिंक रोड सिरोंज में आज आचार्य अभ्यास वर्ग के तृतीय दिवस में मॉ सरस्वती के छाया चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन कर शुभारम्भ किया गया। अतिथि परिचय विद्यालय प्राचार्य श्री संजय पाराशर द्वारा किया गया । वर्ग के प्रथम संवाद सत्र में मुख्य वक्ता के रूप उपस्थित राजेंद्र खोड़के ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ एवं संघ के विभिन्न संघटन विषय पर विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि काल के प्रवाह में राष्ट्र जीवन आए अनेक दोषों को दूर कर एक संगठित, चारित्र्यसंपन्न और सामर्थ्यवान राष्ट्र के रूप में भारत को परम वैभव तक ले जाने हेतु डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने सन 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्य प्रारम्भ किया। शुभारंभ अवसर पर विद्यालय संचालन समिति के सचिव नरेन्द्र सिंह दांगी, सदस्य डॉ. हर्षवर्धन शर्मा उपस्थित रहे। वर्ग के द्वितीय सत्र में सभी आचार्य दीदी को स्टेज के अनुसार प्रभावी शिक्षा पर आधारित शिक्षण, तृतीय एवं चतुर्थ सत्र विमर्श सत्र रहा। पंचम सत्र अभिव्यक्ति सत्र रहा, जिसमें आचार्यो ने अपनी अभिव्यक्ति दी। शांतिमंत्र के साथ वर्ग के तृतीयय दिवस का समापन हुआ।

जमीन का कब्जा न मिलने पर तनाव में होने का आरोप

किसान की मौत से गुस्साए परिजन, शव लेकर पहुंचे एसडीएम कार्यालय

गंजबासौदा, देशबन्धु। मुहासा गांव का एक किसान हाईकोर्ट से अपनी जमीन का मामला जीत गया था, लेकिन जमीन के कब्जे के लिए वह त्योंदा और बासौदा तहसील के चक्कर काट रहा था। बुधवार रात को सीने में दर्द उठा और किसान की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार त्योंदा तहसील के मुहासा गांव में बुधवार रात 48 वर्षीय किसान अवध नारायण मीणा की मौत हो गई। इसके बाद परिजन गुरुवार को उनका शव लेकर गंजबासौदा एसडीएम कार्यालय पहुंचे। मृतक के पुत्र विकास मीणा ने बताया कि उनकी 10 बीघा जमीन पर गांव के रामकिशन मीणा ने कब्जा कर लिया था। इस मामले में 2013 से हाईकोर्ट में केस चल रहा था। 6 महीने पहले हमारी जीत हुई, लेकिन त्योंदा तहसील और बासौदा एसडीएम कार्यालय के कई चक्कर लगाने के बावजूद जमीन का कब्जा नहीं मिला। इसके चलते अवध नारायण परेशान रहते थे और तनाव में उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन सतर्क हो गया। सुरक्षा के मद्देनजर गंजबासौदा और त्योंदा थाने की पुलिस को तहसील परिसर में तैनात किया गया। एसडीएम विजय राय ने परिजनों से मुलाकात कर शिकायत के जल्द निराकरण का आश्वासन दिया है। मृतक के परिजनों ने मुहासा क्षेत्र के पटवारी पर गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने कहा कि पटवारी ने न केवल उनकी समस्या को नजर अंदाज किया, बल्कि अभद्रता से पेश आईं और अनावश्यक परेशान किया। त्योंदा तहसीलदार अवधेश यादव का कहना है कि किसान की प्राकृतिक मौत हुई है। जमीन विवाद के मामले में 6 महीने पहले ही कब्जा सौंप दिया गया था। एसडीएम ने पुलिस अधिकारियों और राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे जल्द से जल्द इस मामले का समाधान करें।

छात्रा से छेड़छाड़ करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

गंजबासौदा, देशबन्धु। एक नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपित देव जनवरी से पीड़िता को परेशान कर रहा था। वह पीड़िता के घर के सामने रहता है।

आरोपी स्कूल जाते समय छात्रा का रास्ता रोककर अश्लील बातें करता था। फरवरी में उसने पीड़िता का फोन छीनकर अपना नंबर डाल दिया। उसने पीड़िता को धमकी दी कि अगर उससे बात नहीं की तो उसके भाई और पिता को जान से मार देगा। अप्रैल में आरोपी ने पीड़िता पर संबंध बनाने का दबाव डाला। उसने खुद को पुलिस अधिकारी का बेटा और पत्रकार का बेटा बताया। पीड़िता के परिवार को झूठे केस में फंसाने की धमकी दी। परेशान होकर पीड़िता ने 10 जून को अपने पिता को सारी बात बताई। शिकायत के बाद थाने में दोनों आरोपितों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज किया गया। इसके बाद देव रघुवंशी और दूसरा आरोपित शोएब कुरैशी स्कार्पियो से पीड़िता के घर पहुंचे। दोनों ने गाली गलौंच की और पीड़िता की बदनाम करने की धमकी दी। पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने 11 जून को दोनों आरोपितों को पॉक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में गिरफ्तार किया है।

किसान संघ कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

सिरोंज, देशबन्धु। अनंतश्री गार्डन सिरोंज में एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग पांच सत्रों में प्रशिक्षण दिया गया। ग्राम इकाई के कार्यकर्ताओं को किसान संघ की कार्य पद्धति रीति नीति ग्राम समिति के नियमित कार्य,पंच परिवर्तन, आंदोलन आदि विषयों का प्रशिक्षण दिया गया।

वर्ग में उद्घाटन सत्र में क्षेत्रीय संगठन मंत्री महेश चौधरी द्वारा कार्यकर्ताओं को ग्राम समिति के नियमित कार्य एवं किसानों को जैविक खेती हेतु प्रोत्साहित करने के विषय में बताया गया। प्रांत मंत्री दिनेश दुबे एवं अन्य वक्ताओं ने कार्यकर्ता निर्माण एवं किसान को स्वाबलंबी बनाकर राष्ट्र निर्माण की दिशा में कार्य करने आदि विषयों पर मार्गदर्शन किया। प्रशिक्षण वर्ग में 30 गांव के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।अन्य सत्रों में संभाग अध्यक्ष बिशन सिंह जी बघेल , एवं जिला अध्यक्ष प्रशांत जैन ने संगठन की रीति नीति के बारे में बताया जिला मंत्री महेंद्र सिंह रघुवंशी एवं जिला कोषाध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव के द्वारा संगठन की कार्य पद्धति एवं ग्राम समिति के नियमित कार्यों का विषय रखा। सिरोंज तहसील अध्यक्ष वीरेंद्र पालीवाल , लटेरी तहसील अध्यक्ष चंद्रभान सिंह बघेल ने आभार व्यक्त किया एवं तहसील मंत्री सुरेंद्र सिंह बघेल, सुनील बघेल के द्वारा संचालन किया गया। कार्यक्रम में संभाग सह मंत्री अशोक शर्मा जिला कार्यकारिणी से अमृत सिंह रघुवंशी सदस्य चंद्रशेखर माथुर,दीपक धाकड़, मनोहर राजपूत, चरणसिंह राजपूत तहसील कार्यकारिणी आदि मौजूद रहे।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

गंजबासौदा, देशबन्धु। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर तहसील विधिक सेवा समिति के तत्वावधान में ग्राम हथौड़ा में एक महत्वपूर्ण विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बाल श्रम उन्मूलन के प्रति जागरूकता बढ़ाना और बच्चों के कानूनी अधिकारों के बारे में आमजन को शिक्षित करना था।

इस आयोजन में सामाजिक संस्था रुद्राक्ष ह्यूमन वेलफेयर सोसायटी और सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कम्पेशन ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश विमलेश मुडैया ने अपने उद्बोधन में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने मानव तस्करी और बलपूर्वक श्रम करवाने पर प्रतिबंध हेतु आमजन को जागरूक करने की आवश्यकता पर जोर दिया। न्यायाधीश मुडैया ने बच्चों और उपस्थित ग्रामीण जनों को बालश्रम, बंधुआ मजदूरी, शिक्षा का अधिकार, चिकित्सा का अधिकार, निःशुल्क विधिक सहायता, संविधान के मूलभूत अधिकार और मूल कर्तव्य जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने पीड़ित प्रतिकर योजना 2015 के साथ-साथ बच्चों को दुर्व्यवहार, उपेक्षा, शोषण और भेदभाव से सुरक्षा संबंधी कानूनी प्रावधानों की भी जानकारी दी। इसके अतिरिक्त उन्होंने नालसा बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं और उनके संरक्षण के लिए विधिक सेवाएँ योजना 2015 और नालसा तस्करी और वाणिज्यिक यौन शोषण पीड़ितों के लिए विधिक सेवाएँ योजना 2015 जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में भी बताया। जो बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उन्हें कानूनी सहायता प्रदान करने में सहायक हैं। इस अवसर पर अधिवक्ता संजीव अरोरा, शेरसिंह यादव, सामाजिक कार्यकर्ता अब्दुल कादिर, अंकित शर्मा, पंचायत सचिव अविनाश शर्मा, कार्यकर्ता सविता रघुवंशी, सरपंच नवलसिंह रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस शिविर ने बाल श्रम के खिलाफ लड़ाई में जागरूकता बढ़ाने और बच्चों के अधिकारों को सुरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया।

टीका लगने के बाद बिगड़ी बच्चे की तबियत, अस्पताल में हो गई मौत

पलेरा, देशबन्धु। नगर के वार्ड क्रमांक 9 इलाके में टीकाकरण के बाद 3 महीने के एक बच्चे की तबीयत खराब हो गई। तबीयत खराब होने पर परिजन इलाज के लिए उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां पर डॉक्टरों ने जांच के बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया।

पलेरा थाना पुलिस के मुताबिक हरप्रसाद पिता अच्छेलाल चढ़ार (35) निवासी पलेरा वार्ड क्रमांक 9 में रहते हैं। जिन्होंने करीब 8 दिन पहले अपने 3 माह के बच्चे प्रकाश चढ़ार को वार्ड क्रमांक 9 आंगनबाड़ी केंद्र पर टीका लगवाया था। बताया गया है कि टीकाकरण के कुछ देर बाद तबीयत खराब होने पर 3 माह के शिशु प्रकाश चढ़ार को लेकर वह आंगनबाड़ी केंद्र लेकर पहुंचे। बच्चे को तेज बुखार के साथ उसके शरीर पर फोड़े पड़े हुए थे। आंगनबाड़ी केंद्र से उसे बच्चों को पिलाने के लिए एक सिरप भी दिया गया था। जिसका इस्तेमाल 8 दिनों तक अपने घर में बच्चों के लिए करता रहा। पुलिस ने बताया कि परिजनों के अनुसार अचानक बीते बुधवार को दोपहर 1 बजे के लगभग 3 माह के शिशु प्रकाश चढ़ार की तबीयत अचानक खराब हो गई। उसका सिर लटकने लगा और वह बेहोश हो गया। इसके बाद परिवारजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद थाने में शिकायत करते हुए परिजनों ने कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

हमेशा सकारात्मक सोच रखो नकारात्मक सोच नहीं : आर्यिका विदिता श्रीजी

आष्टा, देशबन्धु। पुरुषार्थ करने पर हमारे में छुपे हुए गुण प्रकट होते हैं। हमने पुरुषार्थ किया तो हम माताजी बन गई,आप भी पुरुषार्थ कर मुनिराज बनों।जानने की इच्छा को ज्ञान कहते हैं।जो जानता है, देखते हैं वह जीव है। ज्ञान और दर्शन हर व्यक्ति में है और इसे जिसने जान लिया वह चारित्र, आचरण में आते हैं।

आपने बहुत शास्त्रों को पढ़ा लेकिन आपको उसे प्रकट करने का तरीका नहीं आता है, अभिव्यक्ति नहीं है। हमेशा सकारात्मक सोच रखें नकारात्मक नहीं। सकारात्मक सोच से सब अच्छा ही होगा। यह बातें श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन दिव्योदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र किला मंदिर पर गणाचार्य विराग सागर की सुयोग्य शिष्या आर्यिका रत्नी 105 श्री विदिता माता ने आशीष वचन देते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि अरिहंत भगवान की प्रतिमा पर चिन्ह रहता है। श्रीवस्त्र का चिन्ह होता है ,सीने पर 4 पंखुड़ियां रहती है। हमने अनेकांत धर्म में जन्म लिया है। व्यवहारिकता में जन्म लिया है।शुभ उपयोग में स्थिर होना अपने हाथों में है। सिद्धोपयोग अपने हाथों में नहीं है।आर्यिका विदिता श्रीजी ने कहा कि हम शुभ उपयोग में जी रहे हैं, तभी शुभ उपयोग होगा। मंदिर में आने पर शत प्रतिशत शुभ उपयोग होगा,अशुभ उपयोग में नहीं।आप अपने भाव हमेशा अच्छे रखें।शंकलेष रखकर भी आप शुभ उपयोग कर रहे हैं। प्रतिमा योग दृढ़ मजबूत नहीं होगा तब तक आपका कल्याण नहीं।

कर्मों को संभालने के लिए प्रतिमा योग मजबूत होना चाहिए।सीता ने राम के कहने पर अग्नि परीक्षा अपने दृढ़ संकल्प के साथ दी। आचार्य विराग सागर मुनिराज ने 44 साल की साधना में साढ़े 5 सौ को दीक्षा दी। नियम बहुत ही सोच समझकर लेवें, उनका पालन करें, विशेष परिस्थितियों की छूट, लेकिन आगम के विरुद्ध छूट नहीं रखें। अपने नियम, संयम का पालन करें। जैन धर्म बहुत ही पवित्र और पावन है,इसे समझने का प्रयास करें।

आगामी कार्यक्रम यथावत रहेंगे

विमान दुर्घटना के कारण कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान स्थगित

सीहोर, देशबन्धु। सीहोर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव गुजराती ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि मप्र कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान 13 जून को सीहोर जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाला था, परन्तु अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना का दुखद समाचार मिलते ही यह कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है। आगामी कार्यक्रम यथावत रहेगें जिसमें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं सीहोर जिले के केन्द्रीय पर्यवेक्षक डॉ. सिरिविल्ला प्रसाद, पूर्व मंत्री नरेंद्र नहाटा, श्रीमती जयश्री हरिकरण, पवन पटेल 7 दिवसीय दौरे पर सीहोर जिले में रहेंगे।

संगठन सृजन अभियान के बारे में विस्तार से चर्चा के साथ बैठक अयोजित की जावेगी, जिसमें ब्लॉक अध्यक्ष गण, पूर्व विधायक गण, पूर्व जिलाकांग्रेस अध्यक्ष गण, मोर्चा संगठन, विभाग, प्रवक्ता के अध्यक्ष गण, वरिष्ठ नेता गण, कांग्रेस पदाधिकारी गणों सहित युवा कांग्रेस, एन एस यू आइ, महिला कांग्रेस, किसान कांग्रेस, अल्पसंख्यक, एसटी, एससी प्रकोष्ठ सहित सभी विभाग एवं प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारीगण, कांग्रेस समर्थित जनप्रतिनिधि की उपस्थिति रहेगी। दिनांक 14 जून 2025 को सीहोर विधानसभा, 15 जून 2025 बुधनी विधानसभा, 16 जून 2025 आष्टा विधानसभा एवं दिनांक 17 जून 2025 को इछावर विधानसभा क्षेत्र में बैठक आयोजित होगी।

कांग्रेस ने संगठन सृजन अभियान की शुरुआत करते हुए कांग्रेस संगठन सक्रिय हो गया है। संगठनात्मक मजबूती को ध्यान में रखते हुए अब पार्टी बूथ स्तर पर संगठन को मजबूती प्रदान करने पर जोर दे रही है। इस प्रक्रिया को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए कांग्रेस हाईकमान ने 165 ऑब्जर्वर्स नियुक्त किए हैं। ये सभी ऑब्जर्वर्स राज्य के 55 जिलों में जाकर वहां की संगठनात्मक स्थिति का जायजा लेंगे।

विधायक से धर्मशाला निर्माण के लिए मिला रैकवार समाज का प्रतिनिधि मंडल

गंजबासौदा, देशबन्धु। धर्मशाला निर्माण के लिए रैकवार समाज के प्रतिनिधि मंडल ने विधायक हरि सिंह रघुवंशी से मुलाकात की और उनसे समाज की धर्मशाला निर्माण के लिए विधायक निधि से राशि उपलब्ध कराने की मांग की। प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि समाज के पास अपनी कोई धर्मशाला नहीं है, जहां सामाजिक और वैवाहिक कार्यक्रम आयोजित किए जा सकें।

समाज के अधिकतर लोग गरीब और मजदूर वर्ग से ताल्लुक रखते हैं। इसलिए समाज के हित में धर्मशाला निर्माण के लिए राशि स्वीकृत करना आवश्यक है। विधायक हरि सिंह रघुवंशी ने प्रतिनिधि मंडल से चर्चा करने के बाद विधायक निधि से 5 लाख रुपए की राशि धर्मशाला निर्माण के लिए स्वीकृत करने की घोषणा की। इस अवसर पर रैकवार समाज के कई सदस्य मौजूद थे। जिनमें राजू रैकवार, श्रीराम रैकवार, नंदकिशोर रैकवार, राजा रैकवार, गनपत रैकवार, नंदा रैकवार, किशोरी रैकवार, सुशील रैकवार, विक्की रैकवार और हरिराम रैकवार शामिल थे। इन सदस्यों ने विधायक हरि सिंह रघुवंशी का आभार व्यक्त किया और उनके इस निर्णय को समाज के लिए एक बड़ा सहयोग बताया। विधायक की इस पहल से रैकवार समाज को अपनी धर्मशाला मिल सकेगी। जहां वे अपने सामाजिक और वैवाहिक कार्यक्रमों का आयोजन कर सकेंगे।

हमारा शहर उत्सव प्रिय : कैलाश परमार

आष्टा, देशबन्धु। धार्मिक क्षेत्र में हमारा शहर सदैव सुर्खियों में रहा है । हमारी अटूट श्रद्धा और धर्म तथा संस्कृति के प्रति जागरुकता की प्रशंसा संतो के श्रीमुख से पूरे देश मे होती है । इसकॉन भी अब नगर की सांस्कृतिक परम्परा को आगे बढ़ाने के लिए जगन्नाथ रथयात्रा जैसे आयोजन कर रहा है यह गौरव की बात है । पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार ने इसकॉन से जुड़े पदाधिकारियों का अपने कार्यालय में स्वागत करते हुए यह बात कही। अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ इसकॉन द्वारा नगर में 3 जुलाई को श्री जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन किया गया है । भगवान श्री कृष्ण की भक्ति को बढ़ावा देने के लिए समूचे विश्व में हरे कृष्ण आंदोलन के रूप में प्रसारित इस संस्था की स्थानीय इकाई का गठन नगर में विगत वर्ष किया गया था। संस्था द्वारा 3 जुलाई को आयोजित रथयात्रा के लिए बैनर और पम्पलेट के जरिये प्रचार प्रसार करते हुए शहरवासियों सहित गणमान्य नागरिकों को भी आमंत्रित किया गया है । संस्था के कार्यकर्ता इसी सिलसिले में पूर्व नपाध्यक्ष तथा स्वामी अवधेशानन्द गिरि द्वारा स्थापित प्रभु प्रेमी संघ के संयोजक कैलाश परमार को भी आमंत्रित करने पहुंचे तथा धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में परमार के दीर्घानुभव के चलते आयोजन संबंधी मंत्रणा की।

प्रशासन ने ठानी, नगर होगा अतिक्रमणमुक्त

अतिक्रमण हटाओ मुहिम जारी, नपा ने जप्त की सामग्री

आष्टा, देशबन्धु। नगर के इतिहास में पहली बार नगर अतिक्रमण मुक्त होते जा रहा है। पिछले 15 दिन से लगातार एसडीएम के निर्देश पर सीएमओ राजेश सक्सेना अपनी टीम के साथ नगर के सभी रोड मोहल्ले अलीपुर सहित अब बाईपास इंदौर हाइवे रोड को अतिक्रमण मुक्त कर व्यवस्था बनाने मे लगे हुए हैं। प्रशासन इस बार अतिक्रमण हटाने मे शत-प्रतिशत कामयाब हो चुका है। बगैर राजनैतिक दबाव के चलते नगर अब अतिक्रमणमुक्त होने के साथ रोड गलियां सुंदर दिखने लगी है।

अतिक्रमणकर्ताओं को इस बार प्रशासन का ताकत का एहसास भी हो चुका है। प्रशासन ने बगैर भेदभाव के राजनीतिक नेता जनप्रतिनिधी एवं शहर में बड़ा रूतबा रखने वाले का भी अतिक्रमण तोड़कर शहर में एक अच्छा संदेश दिया। क्योकि इससे पहले गरीब और छोटे दुकानदारों का ही अतिक्रमण टूटता आ रहा है। लेकिन इस बार प्रशासन ने जो अतिक्रमण मुहिम चलाई। उसमे बगैर भेदभाव के संपूर्ण अतिक्रमण हटाया गया। साथ में सीएमओ राजेश सक्सेना द्वारा कुछ चिहिंत अतिक्रमणकर्ताओं को नोटिस देकर समय सीमा में अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए जा रहे है। हर

साल बारिश के समय में अतिक्रमण होने के कारण जो समस्या आती है। वो अब नही आएगी। प्रशासन दोबारा अलीपुर पहुचा।

इससे पहले कुछ अतिक्रमण रोड पर पड़ी हुई रेत अन्य सामग्री को जब्त की जा चुकी है। और उन पर भारी भरकम जुर्माना भी किया जा चुका है। गुरूवार को पुनः नगरपालिका टीम अलीपुर जनपद पंचायत चौराहे पहुची। जहां रखी हुई आधे दर्जन से अधिक गुमठिया हटाई गई। इस बीच अतिक्रमणकर्ता और प्रशासन के बीच नोकझोक भी हुई। लेकिन अभियान लगातार जारी है। अभी कन्नौद रोड नई सब्जी मंडी और कुछ छूटा हुआ के साथ साथ कुछ लोग दोबारा अतिक्रमण सड़क पर लगाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्हें भी हटाया जाएगा। यह अभियान लगातार जारी रहेगा। जब तक कि नगर अतिक्रमण पूरी तरह से मुक्त न हो जाए।

इनका कहना है

– नगर अतिक्रमणमुक्त जब तक नहीं होगा । यह अभियान लगातार जारी रहेगा। अतिक्रमण हटने से नगर की सुदंरता बढ़ेगी। साथ में दुर्घटना भी नहीं होगी।

आकाश उईकर,
प्रभारी सीएमओ

खेल जगत

खिलाड़ियों को तराशने के लिए टेनिस बाल क्रिकेट है अहम: वेंकटेश प्रसाद

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय तेज़ गेंदबाज़ और लेजेंजजी टी10 लीग के चेयरमैन वेंकटेश प्रसाद ने टेनिस बॉल क्रिकेट की अहम भूमिका पर ज़ोर देते हुए कहा कि यह प्रारूप भविष्य के सितारों को तराशने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। टेनिस बॉल क्रिकेट लीग लेजेंजजी टी10 का शुभारंभ दो जून को हुआ था। टेनिस बॉल क्रिकेट को लेकर वेंकटेश प्रसाद ने बताया कि कैसे दुनिया के कई शीर्ष खिलाड़ियों ने अपने शुरुआती दिनों में टेनिस बॉल क्रिकेट खेलकर अपनी तकनीक निखारी। उन्होने कह कि टेनिस बॉल क्रिकेट खिलाड़ियों को तराशने में बड़ी भूमिका निभाता है। दुनिया के कई टॉप खिलाड़ियों ने इसी प्रारूप में कट, पुल जैसे शॉट्स और तेज़ रिफ्लेक्स जैसी स्किल्स सीखी हैं, बल्कि मैं खुद भी टेनिस बॉल क्रिकेट खेलकर बड़ा हुआ हूं, और मुझे पता है कि ज़मीन स्तर पर कितना जबरदस्त टैलेंट छुपा हुआ है।

गौतम गंभीर ने नए चेहरों का टेस्ट टीम में किया वेलकम

- सात बरस बाद वापसी करने वाले करुण नायर के जीवट का कायल
- नवोदित सुदर्शन और अर्शदीप से टेस्ट में भी कमाल की उम्मीद

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 12 जून (देशबन्धु)। भारत के चीफ कोच गौतम गंभीर ने मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से लीड्स में शुरू हो रहे पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट से पूर्व पूरी भारतीय टीम के खिलाड़ियों से रूबरू हुए सभी का स्वागत किया। गंभीर ने पूरी टीम के पहले टेस्ट से पहले हरेक का स्वागत किया। गंभीर ने कहा कि वह मौजूदा भारतीय टीम के साथ बतौर चीफ कोच पहले भी काम कर चुके है और कुछ के साथ केकेआर के चीफ कोच के रूप में सात बरस काम किया। मैं पूरी भारतीय क्रिकेट टीम का स्वागत करता हूं। भारतीय टीम अपने इंग्लैंड दौरे का आगाज उसके खिलाफ 20 से 24 तक हेडिंग्ले, लीड्स में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट से करेगी।

गंभीर ने बीसीसीआई द्वारा जारी वीडियो में टीम हडल के दौरान कहा, 'मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि इस दौरे को दो तरीको से देखा जा सकता है। एक तो यह हम अपने अब टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह चुके तीन सबसे अनुभवी खिलाड़ियों रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन के बिना इस दौरे पर है और इन तीनों की कमी एक झटका है भारतीय टीम को इस देश के लिए कुछ खास करने के मौके के रूप में देखना चाहिए। मैं कोहली और शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की कमी एक झटका है, लेकिन इससे टीम को बेहतर प्रदर्शन करने का एक अनूठा मौका भी मिला। टीम अगर त्याग कर सकती है और अपने कम्फर्ट जोन से बाहर आ सकती है तो यह दौरा खास हो सकता है।

इंग्लैंड दौरे पर 'मौके को दोनों हाथों से भुनाने के लिए उत्साहित' हैं करुण नायर

नई दिल्ली। आठ साल के अंतराल के बाद लाल गेंद की टीम में वापसी कर रहे भारतीय बल्लेबाज करुण नायर 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में इस मौके का पूरा फायदा उठाने के लिए उत्साहित हैं। नायर शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने कैंटरबरी में पहले अनौपचारिक टेस्ट में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दोहरा शतक जड़ा। हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल 2025 सीजन में उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के लिए आठ मैच खेले और एक अर्धशतक सहित 198 रन बनाए। 33 वर्षीय खिलाड़ी ने 2016 में मोहाली में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और चेन्नई में अपने तीसरे टेस्ट में नाबाद 303 रन बनाकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। हालांकि, उस ऐतिहासिक पारी के बाद, उन्होंने 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केवल तीन घरेलू टेस्ट मैच खेले और फिर लगातार कम स्कोर के कारण टीम से बाहर हो गए।

देश की सेवा के लिए तैयार: ऋषभ पंत

नई दिल्ली। इंडियन क्रिकेट टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ आगामी पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए उत्साह व्यक्त किया है और उन्होंने सोशल मीडिया पर टेस्ट जर्सी पहने अपनी एक तस्वीर साझा की। पंत ने टेस्ट क्रिकेट की सफेद जर्सी में अपनी तस्वीर पोस्ट की और कैप्शन लिखा, देश की सेवा के लिए तैयार। 2018 में इंग्लैंड में टेस्ट डेब्यू करने वाले पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ 12 मैच खेले और 781 रन बनाए हैं, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 146 रहा है, जो 2022 में बर्मिंघम में आया था। 12 मैचों में से, उन्होंने इंग्लैंड की धरती पर नौ मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 32.70 की औसत से 556 रन बनाए हैं। हालांकि, पंत को पिछली बार ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान टेस्ट खेलने में संघर्ष करना पड़ा था।

सिफ्त ने म्यूनिख में लगातार दूसरे साल जीता कांस्य पदक

इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। विश्व रिकॉर्ड धारक सिफ्त कौर समरा ने इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप (राइफल/पिस्टल), म्यूनिख के तीसरे दिन महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन (3पी) स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत को प्रतियोगिता का दूसरा पदक दिलाया। पूर्व विश्व नंबर एक सिफ्त ने ओलंपिक शूटिंग रेंज में हुए फाइनल में 453.1 का स्कोर किया। स्विट्जरलैंड की एमिली जेगी ने 464.8 के स्कोर से रजत पदक और नॉर्वे की स्टार जीनैट हेग डुएस्टाड ने 466.9 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारत के नाम अब तक इस प्रतियोगिता में दो कांस्य पदक हो चुके हैं।

सिफ्त का यह लगातार दूसरा 3पी कांस्य म्यूनिख में पिछले साल के कांस्य के बाद आया है। इससे पहले उन्होंने इस वर्ष अप्रैल में ब्यूनस आयर्स में आयोजित वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक जीता था। गुरुवार को म्यूनिख में उन्होंने क्वालिफिकेशन में हमेशा की तरह सशक्त और स्थिर प्रदर्शन करते हुए नीलिंग (197), प्रोन (199) और स्टैंडिंग (196) में शानदार स्कोर किए और कुल 592 के स्कोर के साथ शीर्ष खिलाड़ियों के बीच दूसरा स्थान हासिल किया।

फ्रांस की अगाथे गिरार्ड ने समान 592 के स्कोर पर ज्यादा इनर 10 के आधार पर पहला स्थान हासिल किया। वहीं ओलंपिक चैंपियन स्विट्जरलैंड की चियारा लियोन और भारत की आशी चौकसे फाइनल में जगह नहीं बना पाईं — आशी ने 589 के स्कोर के साथ नौवां स्थान हासिल किया 3पी स्पर्धा में स्टैंडिंग स्थिति में सशक्त प्रदर्शन के लिए जानी जाने वाली सिफ्त ने प्रोन की दूसरी 15-शॉट सीरीज के बाद चौथा स्थान हासिल किया था, जब वह पेरिस की रजत पदक विजेता सैगन मैडलेना से पीछे थीं।

■ भारत के नाम अब तक इस प्रतियोगिता में दो कांस्य पदक हो चुके हैं

डुएस्टाड और एमिली के बीच स्वर्ण और रजत पदक के लिए मुकाबला शुरुआत से ही स्पष्ट था। इसके बाद स्टैंडिंग की पहली सीरीज में सैगन लड़खड़ा गईं, और सिफ्त ने मौके का पूरा फायदा उठाते हुए तीसरे स्थान पर जगह बना ली, जिसे उन्होंने सटीक और निरंतर स्कोरिंग के साथ 44वीं शॉट तक कायम रखा - जहां उन्होंने कई बार हल्के से लेकर मिड और हाई 10 स्कोर किए। शुक्रवार, प्रतियोगिता के चौथे दिन, महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धाओं के फाइनल प्रस्तावित हैं।

कमिंस की घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका 138 पर ढेर

■ कमिंस ने 181 ओवर में 28 रन देकर छह विकेट लिए और 300 टेस्ट विकेट भी पूरे कर लिए

डब्ल्यूटीसी फाइनल

लंदन, 12 जून (एजेंसिसयां)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने घातक गेंदबाजी करते हुए मात्र 28 रन पर छह विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका को पांच दिवसीय 2025 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दूसरे दिन गुरुवार को लंच के बाद 138 रन पर ढेर कर दिया और पहली पारी में 74 रन की बढ़त हासिल कर ली। दक्षिण अफ्रीका लंच तक 49 ओवर में 121/5 रन बनाकर संघर्ष कर रहा था लेकिन लंच के बाद उसने 17 रन जोड़कर शेष पांच विकेट गंवा दिए। कमिंस ने 181 ओवर में 28 रन देकर छह विकेट लिए और 300 टेस्ट विकेट भी पूरे कर लिए। मिचेल स्टार्क को 41 रन पर दो और जोश हेजलवुड को 27 रन पर एक विकेट मिला। कमिंस ने लंच के बाद पांच में से चार विकेट निकाले जबकि केशव महराज रन आउट हुए। दक्षिण अफ्रीका के लिए सुबह का सत्र अच्छा रहा था लेकिन दूसरे सत्र में कहानी पूरी तरह बदल गई। 43/4 से आगे खेलते हुए, दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे दिन सुबह के सत्र में 78 रन जोड़े, जिसमें कमिंस ने अपने प्रोटियाज समकक्ष टेम्बा बावुमा को आउट किया। लंच के समय 39 रन पर नाबाद डेविड बेडिंघम 45 रन बनाकर कमिंस का शिकार बन गए। बेडिंघम ने 111 गेंदों पर छह चौके लगाए।

पोंटिंग ने की ब्यू वेबस्टर की सराहना

लंदन। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने ब्यू वेबस्टर की प्रशंसा की है। वेबस्टर ने लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की पहली पारी में टीम के लिए 72 रनों की शानदार पारी खेली। उनकी पारी की वजह से ऑस्ट्रेलिया दक्षिण अफ्रीका के सामने पहली पारी में 212 रनों तक पहुंच सकी। वेबस्टर ने इस वर्ष की शुरुआत में भारत के खिलाफ सिडनी में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के निर्णायक टेस्ट मैच में डेब्यू किया था। दक्षिण अफ्रीका के सामने इस खिलाड़ी ने 92 गेंदों पर 72 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए पहली पारी में यह किसी भी बल्लेबाज का सर्वोच्च स्कोर था। खिलाड़ी के इस प्रदर्शन को पूर्व कप्तान पोंटिंग ने सराहा है। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के बाद, आईसीसी डिजिटल से बात करते हुए पोंटिंग ने कहा कि आप उन रनों को हटा दें, तो स्कोरकार्ड बिल्कुल अलग दिखता है।

पोंटिंग ने रबाडा और यानसन जमकर तारीफ की

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी लाइन-अप को तहस-नहस करने के लिए दक्षिण अफ्रीका के कैगिसो रबाडा और मार्को यानसन की शानदार तेज गेंदबाजी जोड़ी की जमकर तारीफ की। इन दोनों तेज गेंदबाजों ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस टेस्ट में मिलकर आठ विकेट चटकाए, जिसमें रबाडा ने खास तौर पर प्रभावशाली प्रदर्शन किया, उन्होंने टेस्ट मैचों में 17वीं बार पांच विकेट चटकाए और एक बार फिर लंदन के प्रतिष्ठित मैदान पर प्रसिद्ध ऑनर्स बोर्ड पर अपना नाम दर्ज कराया। पोंटिंग रबाडा और यानसन के प्रयासों से प्रभावित हैं।

एलन डोनाल्ड से आगे निकले रबाडा

लंदन। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में पांच विकेट लेकर पूर्व क्रिकेटर एलन डोनाल्ड से आगे निकल गए हैं। साउथ अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने की लिस्ट में शामिल होने पर रबाडा ने कहा कि महान खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने पर विशेष गर्व महसूस करते हैं। रबाडा ने लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 विकेट लिए। उनके इस प्रदर्शन के साथ ही उनके नाम 332 टेस्ट विकेट हो गए हैं, जिससे वे एलन डोनाल्ड को पीछे छोड़कर दक्षिण अफ्रीका के सर्वकालिक विकेटों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे केवल डेल स्टेन, शॉन पोलक और मखाया नतिनी ही हैं।

सार संक्षेप

आयुष बदौनी के शतक से कोलाज ग्रुप सेमीफाइनल में

नई दिल्ली। आयुष बदौनी (132) के तूफानी शतक से कोलाज ग्रुप ने एलबी शास्त्री क्रिकेट क्लब को आसानी से हराकर 50वें गोस्वामी गणेश दत्त मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट (रजि.) के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। सेंट स्टीफंस क्रिकेट ग्राउंड, पर गुरुवार को तीसरे क्वार्टरफाइनल में कोलाज ग्रुप ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। एलबी शास्त्री क्लब ने 20 ओवर में 208/3 का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। नितीश राणा ने शानदार 80 रन (60 गेंदों में) बनाए जिसमें 4 चौके और 6 छक्के शामिल थे। हितेन दलाल ने तूफानी अंदाज में 78 रन (38 गेंदों में) बनाए जिसमें 4 चौके और 8 छक्के शामिल थे। कोलाज ग्रुप की तरफ से अरुण चपराणा ने 2 विकेट 26 रन देकर लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए बदौनी ने चौकों-छक्कों की बारिश करते हुए मात्र 46 गेंदों में 132 रन ठोक डाले।

एमपीएल टी-20 का दूसरा सीजन ग्वालियर में शुरू

ग्वालियर। मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) टी20 का दूसरा संस्करण ग्वालियर में 12 जून से 24 जून तक श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में शुरू हो चुका है। कमेंट्री पैनल की घोषणा के साथ ही रोमांच और बढ़ गया है, जो टेलीविजन और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर टूर्नामेंट को कवर करेगा। कमेंट्री पैनल का नेतृत्व पद्मश्री सुशील दोशी कर रहे हैं, जो इंदौर के प्रतिष्ठित हिंदी कमेंटेटर हैं, जिनकी आवाज दशकों से भारतीय क्रिकेट का पर्याय रही है। उनके साथ भारत के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और मध्य प्रदेश क्रिकेट जगत में एक सम्मानित व्यक्ति अमय खुरासिया भी शामिल हैं। पैनल में भारतीय महिला टीम की पूर्व ऑलराउंडर और खेल में एक नियमित आवाज रीमा मल्होत्रा भी शामिल हैं। सुहास वेधम अपनी मजाकिया और आकर्षक शैली के साथ-साथ सभी प्रारूपों में ज्ञानवर्धक कमेंट्री के लिए खेल प्रसारण में एक प्रमुख नाम हैं, जो पैनल में गहराई जोड़ते हैं।

रोमानिया ने विश्व कप क्वालीफायर में साइप्रस को 2-0 से हराया

बुखारेस्ट। रोमानिया ने 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर के ग्रुप एच में बुखारेस्ट के नेशनल एरिना में साइप्रस पर 2-0 से जीत हासिल की। पहले हाफ में फ्लोरिन तानसे और डेनिस मैन के गोल ने रोमानिया की जीत को आसान बना दिया। वह ग्रुप में शीर्ष स्थान के लिए दावेदारी में बना हुआ है। तानसे ने 43वें मिनट में मैन द्वारा शुरू किए गए तेज जवाबी हमले के बाद स्कोरिंग खोली। हाफटाइम से ठीक पहले, मैन ने डेनिस ड्रैगस के साथ एक शांत फिनिश के साथ बढ़त को दोगुना कर दिया। रोमानिया ने शुरुआती मौके बनाए, जिसमें मिहाई पोपेस्कु द्वारा एक नजदीकी प्रयास और मैन द्वारा एक लंबी दूरी का शॉट शामिल था, दोनों को साइप्रस के गोलकीपर जोएल मॉल ने बचा लिया। कुछ रक्षात्मक चूकों के बावजूद, रोमानिया ने क्लीन शीट बनाए रखी, गोलकीपर स्टीफन मोल्दोवन ने साइप्रस को रोकने के लिए महत्वपूर्ण बचाव किए।

निकितेंको ने पाइचाद्जे को हराया, अभिजीत गुप्ता की बराबरी पर पहुंचे

दिल्ली जीएम ओपन

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। बेलारूसी ग्रैंडमास्टर मिहेल निकितेंको ने 21वें दिल्ली इंटरनेशनल ओपन ग्रैंडमास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट (दिल्ली जीएम ओपन) 2025 के राउंड 8 में जॉर्जियाई जीएम लुका पाइचाद्जे को हराकर लीडरबोर्ड में अभिजीत गुप्ता के साथ संयुक्त बढ़त हासिल कर ली है। कैटेगरी ए में अब केवल दो राउंड बचे हैं, निकितेंको और गुप्ता दोनों ही सात-सात अंकों के साथ प्रतियोगिता में सबसे आगे हैं। 21वां दिल्ली जीएम ओपन एशिया का प्रमुख ओपन शतरंज टूर्नामेंट बना हुआ है, जिसमें 24 ग्रैंडमास्टर्स सहित 20 से अधिक देशों के 2,500 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में 1.21 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि है और यह भारत के शतरंज कैलेंडर का आधार बना हुआ है। अब तक एकमात्र लीडर गुप्ता, जो दिल्ली जीएम ओपन के तीन बार के पूर्व चैंपियन हैं - प्रतियोगिता के इतिहास में अब तक का एक बेजोड़ रिकॉर्ड - बुधवार को शीर्ष बोर्ड पर अर्मेनियाई जीएम मैनुअल पेट्रोसियन से भिड़े, जिसका लक्ष्य अपने अंकों में इजाफा करना था। हालांकि, इस कठिन मुकाबले में, जिसमें दोनों ने बढ़त हासिल करने के प्रयास में बार-बार मुकाबला किया, ड्रॉ हो गया, जिससे उनके अंकों में आधा अंक जुड़ गया।

■ 24 ग्रैंडमास्टर्स सहित 20 से अधिक देशों के 2,500 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में चोटिल शुचि की जगह राधा यादव शामिल

मुंबई, 12 जून (एजेंसियां)। ऑलराउंडर राधा यादव इस महीने के अंत में शुरू होने वाले इंग्लैंड के आगामी व्हाइट-बॉल दौरे के लिए भारतीय महिला टीम में चोटिल शुचि उपाध्याय की जगह लेंगी। भारत इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे मैच खेलेगा, जिसमें नैट साइवर-ब्रंट और चार्लोट एडवर्ड्स के रूप में नए कप्तान और मुख्य कोच हैं।

बीसीसीआई ने एक बयान में कहा कि महिला चयन समिति ने इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में शुचि उपाध्याय की जगह राधा यादव को शामिल किया है। इसमें कहा गया, शुचि को बाएं पिंडली में चोट लगने के कारण दौरे से बाहर कर दिया गया था, जिसका निदान बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में दौरे से पहले शिविर के दौरान किया गया था। शुचि श्री चरणी और क्रांति गौड़ के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में चुनी गई तीन नई खिलाड़ियों में शामिल थीं। उन्होंने पिछले महीने महिला त्रिकोणीय श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया, जो भारत की ओर से उनका एकमात्र मैच है। दौरे के लिए भारत की टीम की घोषणा में शेफाली वर्मा को मुख्य भूमिका में रखा गया, जिन्होंने भारत की टी20 टीम में वापसी की। हालांकि शेफाली को दौरे के केवल टी20 चरण के लिए चुना गया था, लेकिन तेज गेंदबाज सयाली सतघरे ने दोनों टीमों में जगह बनाई, जिससे रेणुका सिंह ठाकुर और तीतास साधु की चोटों के कारण कम हुए भारत के तेज गेंदबाजी स्टॉक में कुछ मजबूती आई।

■ शुचि ने पिछले महीने महिला त्रिकोणीय श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया

एमबापे, मैसी और रामोस क्लब विश्व कप के लिए तैयार

लंदन, 12 जून (एजेंसियां)। क्लब विश्व कप का आयोजन इस साल पहले से कहीं बड़ा होगा, जिसमें फुटबॉल के सबसे बड़े नाम शामिल होंगे। अमेरिका के 11 शहरों में होने वाले इस टूर्नामेंट में दुनिया भर की 32 टीमें हिस्सा लेंगी। महीने भर चलने वाला यह मुकाबला 15 जून से शुरू होगा और 13 जुलाई को समाप्त होगा। आठ बार बैलन डी ओर जीतने वाले लियोनेल मेस्सी इंटर मियामी में बार्सिलोना के पूर्व खिलाड़ियों की एक शानदार चौकड़ी का हिस्सा हैं, जिसमें लिवरपूल के पूर्व स्ट्राइकर लुइस सुआरेज़, मिडफील्डर सर्जियो बुस्केट्स और लेफ्ट-बैक जोर्डी अल्बा शामिल हैं। 2010 में स्पेन के साथ विश्व कप विजेता टीम के सदस्य डिफेंडर सर्जियो रामोस मैक्सिकन टीम मॉन्टेरी के कप्तान हैं, जबकि स्ट्राइकर ओलिवर गिरौद और गोलकीपर ह्यूगो लोरिस लॉस एंजिल्स एफसी की टीम में हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व कप विजेता किलियन एमबाप्पे और एंटोनी ग्रिज़मैन क्रमशः रियल मैड्रिड और एटलेटिको मैड्रिड की टीमों में हैं। मैनचेस्टर सिटी ने अपनी टीम में तिजानी रेइंडर्स, रेयान ऐट-नूरी, मार्कस बेटिनेली और रेयान चेर्की को चुना है, जबकि चेल्सी के लियाम डेलाप, डारियो एस्सुगो और मामादौ सार भी शामिल होंगे। मध्य-टूर्नामेंट पंजीकरण विंडो के भाग के रूप में, 27 जून से 3 जुलाई के बीच, क्लब दो अतिरिक्त खिलाड़ियों को जोड़ सकते हैं, जिससे उनकी टीम का आकार संभावित रूप से 35 से 37 तक हो सकता है। टीम में अधिकतम छह बदलाव किए जा सकते हैं।

■ अमेरिका के 11 शहरों में होने वाले इस टूर्नामेंट में दुनिया भर की 32 टीमें हिस्सा लेंगी

मेहदी हसन को सौंपी गई बांग्लादेश की कमान

ढाका, 12 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अगले 12 महीनों के लिए ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज को पुरुष वनडे इंटरनेशनल (वनडे) टीम का कप्तान नियुक्त किया है। 27 वर्षीय मिराज अगले महीने श्रीलंका में होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से टीम की कमान संभालेंगे और नजमुल हुसैन शांतो की जगह लेंगे। बल्ले और गेंद दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले मिराज ने पहले ही नेतृत्व की जिम्मेदारियों का अनुभव कर लिया है, शांतो की अनुपस्थिति में उन्होंने चार वनडे मैचों में बांग्लादेश की कप्तानी की है। शीर्ष पद पर उनकी औपचारिक पदोन्नति अब उनकी निरंतरता, परिपक्वता और नेतृत्व क्षमताओं में बोर्ड के विश्वास को दर्शाती है। घोषणा के बाद मिराज ने कहा कि राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करना एक सपने के सच होने जैसा है। बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है। मुझे इस समूह पर पूरा भरोसा है - हमारे पास निडर क्रिकेट खेलने के लिए कौशल और मानसिकता है। मैं चाहता हूं कि हम आत्मविश्वास से भरे रहें, प्रतिबद्ध रहें और देश के लिए दिल से खेलते रहें। वर्तमान में आईसीसी रैंकिंग में वनडे ऑलराउंडरों में चौथे स्थान पर काबिज मिराज ने 105 वनडे मैचों में 1617 रन और 110 विकेट हासिल किए हैं। वह बांग्लादेशी खिलाड़ियों के एक विशिष्ट क्लब में शामिल हो गए हैं-मोहम्मद रफीक, मशरफे मुर्तजा और शाकिब अल हसन जैसे दिग्गजों के साथ - जिन्होंने वनडे में 1000 रन और 100 विकेट का डबल पूरा किया है। बीसीबी क्रिकेट संचालन समिति के अध्यक्ष नजमुल अबेदीन ने नियुक्ति की प्रशंसा की, निर्णय के पीछे मिराज के कौशल, स्वभाव और टीम पर प्रभाव के संतुलन को मुख्य कारण बताया। अबेदीन ने कहा कि मिराज ने बल्ले और गेंद दोनों से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम में एक जुझारू भावना और संक्रामक ऊर्जा लेकर आए हैं।

■ राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करना एक सपने के सच होने जैसा है। बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं: मेहदी हसन मिराज

रूसी जिमनास्ट अंतरराष्ट्रीय खेलों में वापसी करेंगे : खेल महासंघ

मॉस्को, 12 जून (एजेंसियां)। रूसी जिमनास्ट और जज तटस्थ प्रतिभागियों के रूप में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में वापसी करेंगे। स्थानीय मीडिया ने रूसी जिमनास्टिक महासंघ का हवाला देते हुए यह रिपोर्ट दी है। बुधवार को तास समाचार एजेंसी के जरिये महासंघ के एक बयान के अनुसार, रूसी एथलीट और जज अंतरराष्ट्रीय जिमनास्टिक प्रतियोगिताओं में भागीदारी कर सकेंगे। उन्होने कहा कि रूसी एथलीटों को अंतरराष्ट्रीय खेलों में पूर्ण रूप से भागीदारी फिर से शुरू करने के लिए प्रयास जारी हैं। गौरतलब है कि मार्च 2022 में, अंतर्राष्ट्रीय जिमनास्टिक महासंघ (एफआईजी) ने रूसी और बेलारूसी जिमनास्टिक को अपने टूर्नामेंटों से निलंबित कर दिया था।

सोलर केपिटल बनेगा मध्यप्रदेश

ऊर्जादाता बनेंगे मध्यप्रदेश के किसान

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना से प्रदेश के किसानों और छोटे निवेशकों को लाभ होगा और प्रदेश के किसान अब ऊर्जादाता बनेंगे। उन्होंने कहा कि ऊर्जा समिट में एक ही मंच पर निवेशक, किसान, विशेषज्ञ और नीति-निर्माताओं ने उपस्थित होकर समृद्धि के नए द्वार पर दस्तक दी है। प्रदेश में अब तक 80 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं स्थापित की जा चुकी हैं, जिससे 16 हजार से अधिक कृषि पम्पों को सौर उर्जा से उर्जीकृत किया जा चुका है। डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश अब देश की सोलर कैपिटल ऊर्जाधानी बनने के मार्ग पर अग्रसर हैं। प्रदेश के रीवा, नीमच और ओंकारेश्वर सौर ऊर्जा का सशक्त हस्ताक्षर बन रहे हैं।

डॉ. यादव ने कहा कि 'सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना' से छोटे निवेशकों के साथ किसानों को भी लाभ मिलेगा। इस योजना से स्थानीय स्तर पर उद्यमियों को निवेश एवं रोजगार के अवसर मिलेंगे। निवेशकों के साथ सरकार 25 साल तक

बिजली खरीदने का समझौता करेगी। उन्होंने बताया कि 'सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना' से किसानों को भी अत्यधिक फायदा होगा। योजना से किसानों को दिन में भी सस्ती बिजली उपलब्ध कराई जा सकेगी। किसानों को रात में बिजली का इंतजार नहीं करना पड़ेगा और दिन में 8 घंटे लगातार बिजली मिलेगी।

डॉ. यादव ने बताया कि सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना, प्रधानमंत्री कुसुम-सी योजना का विस्तार है। इस योजना में हर गांव के पास जो कृषि फीडर (जहाँ से किसानों को बिजली मिलती है) है, उसको सौर ऊर्जा से चलाने की तैयारी हो रही है। किसानों को आवश्यक बिजली की आपूर्ति सौर ऊर्जा से हो इसके लिए सम्पूर्ण फीडर और विद्युत सब-स्टेशन का सोलराइज़ेशन किया जाएगा। अलग से 8 हजार कृषि फीडर्स लगाए हैं, जिनसे 35 लाख कृषि पम्प जुड़े हैं। अब जल्द ही इन सभी फीडर्स पर सोलर पॉवर प्लांट लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि किसान बंजर जमीन पर सोलर पैनल लगवाकर बिजली बनाकर सरकार को बेच सकते हैं। किसानों को बैंकों से 7 वर्षों तक 3 प्रतिशत ब्याज में छूट भी मिलेगी। 240 मेगावाट क्षमता की परियोजनाओं का निर्माण किया जा रहा है।

डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में फरवरी माह में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का सफल आयोजन किया गया। इसमें 30.77 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले। इससे 21.40 लाख रोजगार के अवसर सृजित होंगे जो प्रदेश के युवाओं के साथ अन्य लोगों को भी आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करेंगे। उज्जैन में स्पिरिचुअल एंड वेलनेस समिट- 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, इसमें 1900 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले।

मुख्यमंत्री सहित भाजपा-कांग्रेस ने सभी कार्यक्रम किए स्थगित

भोपाल, देशबन्धु। गुजरात के अहमदाबाद में आज हुए विमान दुर्घटना के बाद मुख्यमंत्री सहित भाजपा और कांग्रेस ने अपने सभी राजनीतिक कार्यक्रम स्थगित कर दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विमान दुर्घटना में दिवंगतों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए शुक्रवार 13 जून को होने वाले अपने सभी कार्यक्रम निरस्त कर दिए हैं। वहीं डॉ. यादव ने विमान हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुर्घटना से मैं हताश हूँ और पूरा देश भी दुखी है। उन्होंने दु:ख की इस घड़ी में परमात्मा से सभी नागरिकों को संबल प्रदान करने की कामना भी की है। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने अहमदाबाद में हुए विमान हादसे को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के 11 साल पूर्ण होने पर आज प्रदेश भर में आयोजित पत्रकार वार्ताएं, प्रोफेशनल मीट सहित सभी संगठनात्मक कार्यक्रम निरस्त कर दिए हैं। इधर प्रदेश कांग्रेस ने भी अपने सृजन संगठन अभियान के तहत कार्यक्रमों को स्थगित करने की घोषणा की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने हादसे के मृतकों के प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त की है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि शुक्रवार को कांग्रेस का सृजन संगठन अभियान कार्यक्रम स्थगित किया गया है।

ग्वालियर पहुंचते ही ऊर्जा मंत्री ने विद्युत केन्द्र का निरीक्षण किया

बिजली उपभोक्ताओं के घर पहुंचकर सुनीं समस्याएं

भोपाल, देशबन्धु। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर गुरुवार सुबह 4 बजे भोपाल एक्सप्रेस से ग्वालियर पहुंचते ही एक्शन में नजर आए। उन्होंने रेलवे स्टेशन से महाराजपुरा विद्युत वितरण केन्द्र पहुंचकर निरीक्षण किया तथा एफओसी के तहत दर्ज विद्युत शिकायतों का, उपभोक्ताओं से सीधे फोन पर बात कर निराकरण किया। श्री तोमर ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी परिस्थिति में बेवजह का विद्युत अवरोध नहीं होना चाहिए। यथासंभव उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर के साथ मुख्य अभियंता श्री अमित श्रीवास्तव, अधीक्षण अभियंता श्री नितिन मांगलिक, कार्यपालन अभियंता श्रीनिवास यादव के अलावा अन्य अधिकारी तथा जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने महाराजपुरा विद्युत वितरण केन्द्र का निरीक्षण करने के उपरांत ग्वालियर के गोवर्धन कॉलोनी, सैनिक कॉलोनी, दीनदयाल नगर, शताब्दीपुरम सहित कई इलाकों में जाकर नागरिकों से प्रत्यक्ष संवाद किया, उनकी समस्याएं सुनीं और सुधार

के लिये तत्काल निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी तकनीकी खामियां समयबद्ध रूप से दुरुस्त की जाएँ, ताकि नागरिकों को निर्बाध व गुणवत्तापूर्ण विद्युत सेवा उपलब्ध हो सके। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने इस दौरान उपभोक्ताओं के घर-घर जाकर विद्युत समस्याओं को सुना और उनका त्वरित निराकरण किया। उन्होंने कहा कि गर्मी के दिनों में पंखे कूलर और एसी का उपयोग आवश्यक है, लेकिन ऐसा कोई कार्य ना करेंजिससे बिजली आपूर्ति में कोई व्यवधान आए। ऊर्जा मंत्री ने उपभोक्ताओं से कहा कि वह ऊर्जा विभाग का सहयोग करें। सामने आ रही बिजली की समस्या के निदान के लिए यह सेवक और पूरा ऊर्जा विभाग मैदान में है। बिजली की खपत बढ़ने से ट्रांसफार्मर पर पड़ने वाले अतिरिक्त भार से बचने का तरीका यह है कि उपभोक्ता अपनी घरेलू बिजली का लोड बढ़वाएं तथा वैध विद्युत कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें।

खुदरा महंगाई दर मई में 6 वर्षों के निचले स्तर पर रही

- मई में कम होकर 2.82 प्रतिशत हुई
- पिछले साल मई में 4.8 प्रतिशत थी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की खुदरा महंगाई दर मई में कम होकर 2.82 प्रतिशत हो गई है, जो कि पिछले साल मई में 4.8 प्रतिशत थी। सरकार की ओर से गुरुवार को जारी किए गए डेटा में यह जानकारी दी गई थी। खुदरा महंगाई दर का यह फरवरी 2019 के बाद सबसे निचला स्तर है। इस साल अप्रैल में खुदरा महंगाई दर 3.16 प्रतिशत थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी किए गए डेटा में बताया गया कि खाद्य महंगाई दर मई में कम होकर 0.99 प्रतिशत हो गई है, जो कि अक्टूबर 2021 के बाद सबसे निचला स्तर है। खाद्य महंगाई दर बीते सात महीने से लगातार कम हो रही है।

कृषि उत्पादन का बढ़ना वजह

इसकी वजह कृषि उत्पादन का बढ़ना है। आधिकारिक बयान के अनुसार, मई के दौरान खुदरा महंगाई में बड़ी गिरावट मुख्य रूप से दालों, सब्जियों, फलों, अनाजों, घरेलू वस्तुओं एवं सेवाओं, चीनी और अंडों की कीमतों में गिरावट के कारण हुई है। ईंधन की कीमतों में नरमी के कारण भी महंगाई में कमी आई है। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बीते शुक्रवार को आरबीआई ने 2025-26 के लिए महंगाई के अपने पूर्वानुमान को भी 4 प्रतिशत से घटाकर 3.7 प्रतिशत कर दिया है। उन्होंने कहा, सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए और सामान्य मानसून को देखते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति अब 3.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। महंगाई पहली तिमाही में 2.9 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 3.4 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 3.9 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मल्होत्रा ने कहा कि पिछले छह महीनों में मुद्रास्फीति में काफी कमी आई है, जो अक्टूबर 2024 में टोलरेंस बैंड से ऊपर थी और अब लक्ष्य से काफी नीचे आ गई है। इसमें व्यापक आधार पर नरमी के संकेत हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष मार्च-अप्रैल में सीपीआई हेडलाइन महंगाई में गिरावट जारी रही, जिसमें अप्रैल 2025 में यह लगभग सालाना आधार पर छह साल के निचले स्तर 3.2 प्रतिशत पर आ गई थी।

डेयरी विकास योजना के क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति गठित

भोपाल, देशबन्धु। राज्य शासन द्वारा एमपी स्टेट कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के बीच में सहकार्यता अनुबंध के उद्देश्यों की पूर्ति और डेयरी विकास योजना के क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी का गठन किया गया है। समिति के अध्यक्ष मुख्यमंत्री होंगे। समिति के उपाध्यक्ष मंत्री पशुपालन एवं डेयरी विकास और सहकारिता मंत्री होंगे। समिति में सदस्य के रूप में मध्यप्रदेश शासन के मुख्य सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त, अपर मुख्य सचिव सहकारिता, अध्यक्ष एनडीडीबी, प्रमुख सचिव वित्त विभाग, प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग, प्रबंध संचालक एवं कार्यकारी निदेशकगण एनडीडीबी तथा संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग को शामिल किया गया है। समिति के सदस्य सचिव प्रबंध संचालक मध्य प्रदेश राज्य को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन होंगे।

विभागीय मंत्री उपाध्यक्ष होंगे

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश के दुग्ध उत्पादकों के हित में एवं सहकारी प्रणाली और सांची ब्रांड का उन्नयन करने के उद्देश्य से पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग द्वारा राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ एमपी स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड एवं सम्बद्ध दुग्ध संघ के संचालन एवं प्रबंधन के लिए सहकारिता अनुबंध पर सहमति दिए जाकर अनुबंध निष्पादन किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। इस संबंध में अप्रैल माह में सहकार्यता अनुबंध निष्पादित किया गया था। राज्य स्तरीय समिति का मुख्य कार्य डेयरी विकास योजना की प्रगति की समीक्षा एवं अनुश्रवण तथा योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए नीति निर्धारण, आवश्यक सहायता व दिशा निर्देश प्रदान करना है।

बोकारो में युवक ने दोस्त का अपहरण कर मांगे 25 लाख

बोकारो, एजेंसी। झारखंड स्थित बोकारो स्टील सिटी में एक कॉलेज छात्र 19 वर्षीय देवाशीष कुमार का उसके दोस्त ने ही अपहरण कर लिया और इसके बाद उसकी हत्या कर लाश को एक क्वार्टर के आंगन में दफना दिया। आरोपी का नाम अमन कुमार वत्स है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अमन ने देवाशीष की रिहाई के एवज में उसके घरवालों से 25 लाख रुपए की मांग की थी। बोकारो के एसपी हरविंदर सिंह ने गुरुवार दोपहर मीडिया को बताया कि पुलिस ने माराफारी थाना क्षेत्र स्थित गैमन कॉलोनी में एक क्वार्टर के आंगन में गड्ढा खोदकर दफनाया गया देवाशीष का शव बरामद कर लिया है। अपहरण और हत्या की इस वारदात में मुख्य आरोपी अमन कुमार वत्स के साथ कुछ अन्य लोग शामिल थे। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। देवाशीष बोकारो सेक्टर-3 का रहने वाला था। उसने इसी वर्ष बोकारो के अयप्पा स्कूल से 12वीं विज्ञान की परीक्षा उत्तीर्ण की थी।

उसके पिता विजेंद्र कुमार छत्तीसगढ़ की किसी प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं। देवाशीष बोकारो में अपनी मां के साथ रहता था। वह 10 जून की दोपहर मोबाइल पर दोस्त अमन का कॉल आने के बाद घर से निकला था। इसके बाद वह काफी देर तक नहीं लौटा तो उसकी मां ने कॉल किया, लेकिन उसका मोबाइल स्विच ऑफ मिला। कई घंटों तक यहां-वहां तलाश करने के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चला। इसके बाद रीता देवी ने 11 जून को बोकारो स्टील सिटी थाने में पुत्र की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। इसी दिन देवाशीष के मोबाइल नंबर से उसके ममेरे भाई के मोबाइल पर एक वीडियो भेजा गया, जिसमें देवाशीष रस्सी से बंधा हुआ था। वीडियो में बतौर फिरौती 25 लाख रुपए की मांग की गई थी। फिरौती की रकम नहीं देने पर उसे जान से मारने की धमकी दी गई थी। इसकी जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर उसकी तलाश शुरू की। तकनीकी सेल की मदद से लोकेशन ट्रैक करते हुए पुलिस की टीम ने अमन कुमार वत्स को पकड़ा। इसके बाद उसकी निशानदेही पर गैमन कॉलोनी में क्वार्टर के आंगन में दफनाया गया शव बरामद किया गया। अमन से पूछताछ में पता चला कि वह साइबर क्राइम में शामिल रहा है। इस वजह से साइबर पुलिस ने उसका बैंक अकाउंट फ्रीज करा दिया था। उसे पैसे की जरूरत थी, इसलिए उसने दोस्त का अपहरण कर पैसा वसूलने की योजना बनाई। फिरौती वसूलने में नाकाम रहने पर उसने गला घोंटकर देवाशीष की हत्या कर दी और इसके बाद क्वार्टर में गड्ढा कर लाश दफना दी। पुलिस ने गड्ढा करने के लिए इस्तेमाल किया गया लोहे का सबल, तीन मोबाइल, एक सिम, 32 जीबी का मेमोरी कार्ड, शराब की बोतल, मृतक देवाशीष के कपड़े और चप्पल, आरोपी का जूता सहित कुछ अन्य सामान बरामद किए हैं।

टैगोर के पैतृक घर पर हमले की भारत ने की निंदा

हमला बंगला सांस्कृतिक धरोहर को मिटाने की कोशिश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने बंगलादेश में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के पैतृक घर पर इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा हमला कर उसे ध्वस्त करने की घटना को बंगला संस्कृति एवं विरासत को मिटाने की कोशिश करार दिया है और मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार से अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में बंगलादेश की घटनाओं के बारे में पूछे जाने पर कहा, हम 8 जून को गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक घर पर भीड़ द्वारा किए गए घृणित हमले और तोड़फोड़ की कड़ी निंदा करते हैं। ऐतिहासिक रूप से रवींद्र कचहरी बाड़ी कहलाने वाला यह घर बंगलादेश के सिराजगंज जिले में स्थित है। यह हिंसक कृत्य नोबेल पुरस्कार विजेता की स्मृति और बंगलादेश में उनके द्वारा अपनाए गए समावेशी दर्शन और शिक्षाओं का अपमान है। प्रवक्ता ने कहा, यह हमला चरमपंथियों द्वारा सहिष्णुता के प्रतीकों को मिटाने तथा बंगलादेश की समन्वयकारी संस्कृति और सांस्कृतिक विरासत को नष्ट करने के लिए किए जा रहे व्यवस्थित प्रयासों के व्यापक पैटर्न में आता है। हम अंतरिम सरकार से चरमपंथियों पर लगाम लगाने तथा अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके, जो दुखद रूप से एक दोहराव वाली विशेषता बन गई है।

तमिलनाडु से छह उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

एमएनएम के संस्थापक कमल हासन भी शामिल

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में राज्यसभा की सीटों के लिए सभी छह उम्मीदवारों के गुरुवार को निर्विरोध चुन लिये गये जिनमें नेता से अभिनेता बने मकाल नीधि मेयम (एमएनएम) के संस्थापक कमल हासन भी शामिल हैं। पीठासीन अधिकारी एवं अतिरिक्त सचिव तथा विधानसभा सचिव बी सुब्रमण्यम ने आधिकारिक तौर पर यह घोषणा करते हुए बताया कि नामांकन वापस लेने की अंतित तारीख पर आज किसी भी उम्मीदवार के नामांकन वापस नहीं लेने के कारण सभी छह उम्मीदवारो को राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुन लिया गया है। उन्होंने बाद में सभी उम्मीदवारों को इस आशय का प्रमाण पत्र देते हुए उनके राज्यसभा के लिए चुने जाने की घोषणा की। विजयी उम्मीदवारों में द्रविड़ मुनेत्र कषगम द्रमुक के वर्तमान सांसद एवं वरिष्ठ वकील पी विल्सन को दूसरे कार्यकाल के लिए पुन: नामांकित किया गया है। पार्टी के सेलम जिला सचिव एस.आर. शिवलिंगम, पार्टी पदाधिकारी एवं प्रसिद्ध तमिल लेखिका एवं कवि सलमा उर्फ राजति, कमल हासन, अन्नाद्रमुक के कानूनी विंग के सचिव आई.एस. इनबादुरई और पार्टी के चेंगलपट्टू पूर्व जिला प्रेसीडियम के अध्यक्ष एम. धनपाल शामिल हैं।

द्रमुक के तीन उम्मीदवार निर्वाचित: छह उम्मीदवारों में द्रमुक के तीन, उसकी सहयोगी एमएनएम से श्री हासन और विपक्षी अन्नाद्रमुक के दो उम्मीदवारों को आज नाम वापस लेने की अंतिम तिथि के दिन निर्वाचित घोषित कर दिया गया।

चूंकि छह सीटों के लिए 19 जून को होने वाले चुनाव में कोई मुकाबला नहीं था इसलिए सभी छह उम्मीदवारों को राज्यसभा के लिए गुरुवार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। तमिलनाडु के छह सांसदों डॉ. अंबुमणि रामदास (पीएमके), एम षणमुगम, एन चंद्रशेखरन, एम मोहम्मद अब्दुल्ला, पी विल्सन (सभी द्रमुक) और वाइको (एमडीएमके) का कार्यकाल

मोदी ने 11 वर्षों में हर वादा तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर गुरुवार को सीधा हमला करते हुए हर वादा तोड़ाने का आरोप लगाया और कहा कि पिछले 11 वर्षों में उन्होंने देश की जनता से कई वादे किए लेकिन कोई भी वादा निभाया नहीं। कांग्रेस नेता ने आज कहा कि श्री मोदी लोगों को लुभाने के लिए खूब वादे करते हैं लेकिन कोई वादा पूरा नहीं करते हैं। वह वादा तोड़ते हैं इसलिए उनका हर वादा जुमला साबित हो जाता है। उन्होंने देश के युवाओं को राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनाने की बजाए सपने तोड़कर उन्हें बेरोजगार बनाया है। श्री गांधी ने यहां जारी बयान में कहा, प्रधानमंत्री ने 11 वर्षों में हर वादा तोड़ा। दो करोड़ नौकरियाँ देने का वादा। जुमला बन गया। पकौड़े तलवाए, फॉर्म भरवाए, लेकिन कोई दिशा नहीं दी। डिग्री के बाद भी नौकरी नहीं, तैयारी के बाद भी भर्ती नहीं, मेहनत के बाद भी सम्मान नहीं। ये सिर्फ़ बेरोज़गारी नहीं - ये देश के युवाओं की उपेक्षा है। उन्हें एक सपना दो। उन्हें राष्ट्रनिर्माण में भागीदार बनाओ। उन्होंने कहा, 'रोज़गार क्रांति'अब ज़रूरी है - लेकिन ये सरकार यह समस्या सुलझा नहीं सकती क्योंकि यही इसका कारण है।

भारत को अमेरिका से 3 बड़े झटके लगे:कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने गुरुवार को कहा- बुधवार को एक ही दिन में भारत की कूटनीति (डिप्लोमेसी) को अमेरिका से तीन बड़े झटके लगे हैं। इनसे भारत की विदेश नीति और भारत-अमेरिका संबंधों पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। जयराम ने कहा- अमेरिका की सेंट्रल कमांड चीफ जनरल माइकल कुरिल्ला ने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ साझेदार बताया।

अमृत हरित कार्यशाला आज, विशेषज्ञों के होंगे व्याख्यान

भोपाल, देशबन्धु। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा शुक्रवार 13 जून को प्रात: 8:30 बजे राजधानी भोपाल के रवीन्द्र भवन में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला अमृत हरित अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला का उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में हरित क्षेत्र के विस्तार और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों और पहलों का प्रसार करना है। कार्यशाला में मंत्री, सांसद, विधायक, महापौर, निकायों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और जन-प्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यशाला में प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। प्रत्येक नगर निगम से 6, नगरपालिका परिषद से 4 और नगर परिषद से 2 प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गयी है। कार्यशाला के दौरान कृषि और उद्यानिकी से संबंधित उत्पादों एवं यंत्रों की प्रदर्शनी के साथ ही नर्सरी प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जायेगा। कार्यशाला में विभिन्न संस्थानों जैसे इफ्को एवं भारतीय प्रबंध संस्थान के विषय-विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की जायेगी। कार्यशाला में स्थानीय वृक्ष प्रजातियों की विशेषताएँ एवं संरक्षण, जैव-विविधता एवं जलवायु परिवर्तन, बगीचों के लिये तकनीक एवं उपकरण की आवश्यकताएँ, वृक्षारोपण और पौध-रोपण से संबंधित अधिनियमों का विश्लेषण तथा वृक्षारोपण उपरांत समुचित प्रबंधन विषय पर चर्चा की जायेगी।

कार्यशाला में दिव्यांग पार्क, होशंगाबाद एवं उज्जैन की सफलता की कहानियों को भी साझा किया जायेगा। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे के निर्देशन में अपर आयुक्त कैलाश वानखेड़े ने सभी नगरीय निकायों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किये हैं। इसके साथ ही पौध-रोपण कार्य में संलग्न शासकीय और अशासकीय संगठनों के प्रतिनिधि भी कार्यशाला में भाग लेंगे।

बंगाल के महेशतला में निषेधाज्ञा लागू , 40 गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले के महेशतला में बुधवार को दो समूहों के बीच हिंसक झड़प के बाद एक मंदिर में तोड़फोड़ से तनाव की स्थिति निर्मित हो गयी और और स्थानीय प्रशासन ने गुरुवार को इलाके में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (पूर्व में धारा 144) की धारा 163 लागू कर दी। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने करीब 40 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने लोगों को हिंसा में शामिल न होने की चेतावनी दी है। सशस्त्र बलों ने कानून लागू करने वालों पर हमला करने वाले संदिग्धों की तलाश में नए सिरे से तलाशी अभियान शुरू किया है, जिसमें कई सुरक्षाकर्मी घायल हो गए थे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने सात प्राथमिकी दर्ज की हैं और उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है। हिंसा प्रभावित इलाके के निवासी आज घरों के अंदर ही रहे। इलाके में दुकानें और बाजार बंद रहे। महेशतला में कल शिव मंदिर के सामने दुकानों के निर्माण को लेकर विवाद के बाद हिंसा भड़क उठी। स्थानीय निवासियों ने इस कदम का विरोध किया और इसके बजाय एक छोटा तुलसी मंदिर बनाया, जिसके कारण कथित तौर पर हिंसक प्रतिक्रिया हुई। हिंसा को रोकने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और कोलकाता से अतिरिक्त बल बुलाया। पथराव के दौरान एक महिला कांस्टेबल सहित कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। अब रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) को तैनात किया गया है। इस बीच विपक्ष के नेता शुवेंदु अधिकारी ने केंद्रीय सशस्त्र बलों की तैनाती और राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा जांच की मांग को लेकर कलकत्ता उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। उन्होंने पुलिस महानिदेशक और संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक से स्थानीय विधायक के साथ महेशतला जाने की अनुमति भी मांगी।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर दुनियाभर में शोक

वैश्विक नेताओं ने जताया दुख, बताया भीषण त्रासदी

नई दिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई171 के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर से दुनियाभर में शोक की लहर दौड़ गई है। विमान में 240 से अधिक यात्री सवार थे। यह हादसा शहर के मेघानीनगर इलाके के पास हुआ। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस दुर्घटना को विनाशकारी दृश्य बताते हुए गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अहमदाबाद में लंदन जा रहे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर बेहद दुखद है।

इस विमान में कई ब्रिटिश नागरिक सवार थे। मैं लगातार स्थिति की जानकारी ले रहा हूं। मेरी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिजनों के साथ हैं। विमान में कम से कम 169 भारतीय और 53 ब्रिटिश नागरिक सवार थे और यह लंदन के गैटविक हवाई अड्डे की ओर जा रहा था। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री डेविड लैमी ने भी हादसे पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद में हुए इस भीषण विमान हादसे की खबर से बेहद दुखी हूं। सभी प्रभावित लोगों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। यूके सरकार स्थानीय भारतीय अधिकारियों के साथ मिलकर तथ्य जुटाने और सहायता पहुंचाने में जुटी है। ब्रिटिश कंज़र्वेटिव पार्टी की सांसद प्रीति

पटेल ने यूके सरकार से अपील की कि वह भारत सरकार के साथ मिलकर ब्रिटिश परिवारों को मदद पहुंचाए। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद में हुए विमान हादसे से प्रभावित सभी लोगों के लिए मेरी प्रार्थनाएं हैं। यह हादसा उन परिवारों के लिए अत्यंत चिंता का विषय है, जिनके प्रियजन विमान में सवार थे। सरकार को तत्काल भारतीय अधिकारियों के साथ मिलकर ब्रिटिश नागरिकों की मदद करनी चाहिए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी इस दुखद हादसे पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत में हुए यात्री विमान हादसे की भयावह खबर मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत की जनता के प्रति मेरी गहरी संवेदना। हम भारत, यूके, पुर्तगाल और कनाडा के पीड़ितों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलिपोव ने भी हादसे को भीषण त्रासदी बताया और कहा कि अहमदाबाद से दिल दहला देने वाली खबर आ रही है। पीड़ितों के परिजनों, भारत की जनता और सरकार के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने लिखा कि अहमदाबाद, गुजरात में विमान दुर्घटना की खबर जानकर व्यथित हूं। इस हादसे में हताहत हुए सभी लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि घायल यात्रियों की रक्षा करें।

मृतकों के परिवारों को एक करोड़ रुपए की मदद देगा टाटा ग्रुप

नई दिल्ली। एयर इंडिया की अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 के क्रैश में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने गुरुवार को एक करोड़ रुपए की मदद का ऐलान किया गया है। टाटा ग्रुप की ओर से जारी बयान में चंद्रशेखरन ने कहा कि इस हादसे में घायल सभी लोगों का मेडिकल खर्च टाटा ग्रुप वहन करेगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि उन्हें जरूरी देखभाल और सपोर्ट मिले। बयान में आगे कहा गया कि इसके अतिरिक्त, टाटा ग्रुप बी जे मेडिकल छात्रावास के निर्माण में भी सहायता प्रदान करेगा। टाटा ग्रुप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, एयर इंडिया फ्लाइट 171 से जुड़ी दुखद घटना से हम बहुत दुखी हैं। इस समय हम जो दुख महसूस कर रहे हैं, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है और जो घायल हुए हैं। पोस्ट में आगे लिखा कि हम इस मुश्किल समय में प्रभावित परिवारों के साथ दृढ़तापूर्वक खड़े हैं। इससे पहले चंद्रशेखरन ने विमान दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा था कि एयरलाइन का प्राथमिक ध्यान सभी प्रभावित लोगों और उनके परिवारों की सहायता करना है।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली* फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।